THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 92 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.3 2082 शनिवार, 28 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

हाईकोर्ट ने रद्द किया बसवराज बोम्मई के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला

बेंगलूरू, 27 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया है। उन पर वक्फ बोर्ड और कर्नाटक सरकार के कार्यों की निंदा करने के लिए विरोध रैली के दौरान आपत्तिजनक बयान देने का आरोप लगाया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि वक्फ के तहत किसानों और मंदिरों की संपत्ति हड़प ली गई है। एक अन्य मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पूर्व भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े को भी राहत दे दी है। कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश में पुलिस को हेगड़े के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है।

सीमा विवाद का 'परमानेंट' सॉल्यूशन!

राजनाथ सिंह की चीनी मंत्री के साथ अहम मुलाकात

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समय चीन में एससीओ समिट अटेंड करने गए हैं। इस मौके पर उनकी मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन्ग जून से भी हुई है। इस मुलाकात के दौरान एलएसी विवाद पर विस्तार से बात की गई है, दोनों देशों के बीच में कैसे सहयोग बढ़े, इसे लेकर भी मंथन हुआ है। बड़ी बात यह है कि पहली बार एक जारी बयान 'स्थायी कम करना' शब्द का इस्तेमाल हुआ है। अभी तक तो सिर्फ बातचीत के जरिए, आपसी विश्वास को जरिया बनाकर शांति स्थापित करने की बात होती थी, लेकिन यह पहली बार है जब 'स्थायी कम करना' शब्द का इस्तेमाल हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अब कोई बड़ा फैसला भी हो सकता है।

मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्ट्रक्चर्ड रोडमैप के जरिए तनाव कम करने की बात कही है। इसके ऊपर राजनाथ सिंह ने इस बात को स्वीकार किया है कि पिछले कुछ समय में रिश्तों को सामान्य करने की कोशिश हुई है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 2020 के स्टैंडऑफ के बाद जो अविश्वास की खाई बनी थी, उसे पाटना जरूरी है। अब जानकारी के लिए बता दें कि यह दूसरी बार है जब राजनाथ सिंह की चीनी काउंटरपार्ट के साथ मुलाकात हुई है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी एक मीटिंग हुई थी, तब ईस्टर्न लद्दाख में मिलिट्री स्टैंडऑफ को खत्म करने पर जोर दिया गया था। गुरुवार को हुई मुलाकात तो दोनों ही नेताओं की चौथी बाइलेट्रल मीटिंग रही जहां फिर रिश्ते सुधारने पर फोकस किया गया। वैसे इससे पहले एससीओ समिट के दौरान राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर तीखा मैसेज दिया और अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की।

रक्षा मंत्री ने रूसी समकक्ष से की मुलाकात

किंगदाओ, 27 जून (एजेंसियां)। चीन के किंगदाओ में हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने रूसी समकक्ष आंद्रेई बेलोसोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एस-400 सिस्टम की डिलीवरी, एसयू-30 एमकेआई के अपग्रेड और समय-सीमा में सैन्य हार्डवेयर की खरीद को लेकर बात की।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियों, सीमा पार आतंकवाद और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को कवर करते हुए कई विषयों पर चर्चा की। रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोसोव ने भारत-रूस के दीर्घकालिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पहलगाम हमले को भयावह और कायराना आतंकवादी कृत्य बताते हुए भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की।

काफिले में हुई मौत मामले में पूर्व सीएम जगन को राहत

> कोर्ट ने कहा-हादसे तो कुंभ में भी हुए

अमरावती, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को राहत मिली है। राज्य हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज उस मामले में अंतरिम राहत दी है, जिसमें एक पार्टी समर्थक की मौत को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि सावधानी के बावजूद हादसे कुंभ मेले में भी होते हैं। इसी के आधार पर जगन रेड्डी को राहत दे दी गई।

दरअसल, 18 जून को गुंटूर जिले के पलनाडु इलाके में जगन रेड्डी की रैली के दौरान यह हादसा हुआ था। रैली के दौरान उनकी काफिले की गाड़ी से 53 वर्षीय सी. सिंगय्या की मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस गाड़ी से यह हादसा हुआ, वह जगन रेड्डी की ही थी। इसके बाद पुलिस ने उनकी गाड़ी जब्त कर ली और जगन समेत अन्य पार्टी नेताओं पर केस दर्ज कर दिया। इस मामले में पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या और लापरवाही से मौत का कारण बनने जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। इस कार्रवाई को लेकर जगन रेड्डी ने चंद्रबाबू नायुडू सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला उन्हें बदनाम करने और ध्यान भटकाने की साजिश है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जेड+ सुरक्षा में चूक की गई है।

वाईएसआरसीपी का कहना है कि सिंगय्या की मौत उस वक्त हुई जब वह जगन रेड्डी के काफिले के पास थे। जबकि टीडीपी ने दावा किया कि सिंगय्या को काफिले की ही एक गाड़ी ने कुचल दिया। इसी विवाद के बीच जगन रेड्डी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एफआईआर रद्द करने की मांग की। अपनी याचिका में जगन रेड्डी ने दावा किया कि उन्हें जानबूझकर इस मामले में फंसाया गया।

'लोग जेल में, देश डर में, परिवार सत्ता में'

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपातकाल इसलिए लगाया गया क्योंकि देश से पहले एक परिवार के हित को रखा गया।

उस दौरान न लोकतंत्र बचा, न जनता की आवाज। लोग जेलों में बंद थे, देश डर में जी रहा था और परिवार सत्ता का मजा ले रहा था। जयशंकर ने कहा कि कुछ लोग आज संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं, लेकिन दिल में उसका सम्मान नहीं करते। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग आज लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, वो आज तक आपातकाल पर माफी नहीं मांग सके। जयशंकर ने बताया कि जब वह विदेश सेवा में नए थे, तब उनके सीनियर्स ने उन्हें बताया था कि दुनियाभर में भारत की 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' वाली छवि को गहरा धक्का लगा था। भारत की बहुत आलोचना हुई और भारतीय राजनयिकों के लिए हालात बेहद कठिन हो गए थे। विदेश मंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान सिर्फ दो साल में 5 बार संविधान में संशोधन हुआ और 48 अध्यादेश लाए गए। 38वें संशोधन में आपातकाल को अदालत में चुनौती देने का अधिकार छीना गया, जबकि 42वें संशोधन में मौलिक अधिकार कमजोर कर दिए गए और न्यायपालिका की शक्ति सीमित की गई। एस. जयशंकर ने कहा कि 1971 में मिली चुनावी जीत के कुछ साल बाद ही सरकार की लोकप्रियता गिरने लगी थी। भ्रष्टाचार और महंगाई बढ़ गई थी। गुजरात और बिहार में आंदोलन चल रहे थे। 'युवराज' के बिजनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे।

पुरी से अहमदाबाद तक आस्था का सैलाब

अमित शाह बोले-आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम

अहमदाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। देशभर में जगन्नाथ रथयात्रा की भव्यता और श्रद्धा का नजारा देखने को मिला। अहमदाबाद में 148वीं रथयात्रा के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर मंगल आरती में हिस्सा लिया। इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे और उन्होंने रथ खींचने की रस्म भी निभाई।

अमित शाह ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि श्री जगन्नाथ रथयात्रा के पावन पर्व पर अहमदाबाद के श्री जगन्नाथ मंदिर में मंगल आरती में शामिल होना अपने आप में एक दिव्य और अद्भुत अनुभव है। मैंने महाप्रभु जगन्नाथ जी की पूजा-अर्चना की और देशवासियों के कल्याण और प्रगति की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने रथयात्रा को आस्था, संस्कृति और विरासत का अद्भुत संगम बताया। उधर, ओडिशा के पुरी शहर में भी जगन्नाथ रथयात्रा के अवसर पर भारी भीड़ उमड़ी। यहां भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकाली गई। तीनों देवताओं को रथों पर सवार कर गुंडिचा मंदिर तक ले जाया गया, जहां वे एक सप्ताह निवास करेंगे। उसके बाद उन्हें वापस जगन्नाथ मंदिर लाया जाएगा।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि आस्था और श्रद्धा के साथ रथयात्रा में शामिल हों, महाप्रभु के दिव्य दर्शन करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने रथयात्रा को राज्य की संस्कृति और पहचान का अहम हिस्सा बताया।

'जज होना 9 से 5 की नौकरी नहीं'

> सीजेआई गवई बोले-यह देश और समाज की सेवा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा है कि संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के चार खंभों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जज होना 9 से 5 वाली नौकरी नहीं है, यह देश और समाज की सेवा है लेकिन यह कठिन काम भी है।

जस्टिस गवई गुरुवार को औरंगाबाद में मुंबई हाई कोर्ट बेंच के अधिवक्ता संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई गवई ने कहा, मैंने हमारे संविधान की प्रस्तावना में लिखे गए शब्दों के मुताबिक काम करने की कोशिश की है। अगर न्यायपालिका के सभी सदस्य संविधान के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखें तो किसी भी जज के लिए काम करना मुश्किल नहीं होगा। सीजेआई ने कहा कि जजों को समाज से अलग-थलग नहीं रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर कोई जज समाज से जुड़ा रहता है और उसकी परेशानियों को समझता है तो इससे उसे फैसले देने में मदद मिलती है। जजों को कभी भी अलग-थलग नहीं रहना चाहिए। अगर दो वकीलों से मिलने से किसी जज की निष्पक्षता प्रभावित होती है तो ऐसा व्यक्ति जज बनने लायक नहीं है। सीजेआई ने कहा कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने से जजों के लिए काम करना आसान हो जाता है।

'चुनावों में महिला वोटर को रिझाने के लिए शीर्ष 18 राज्य खर्च करेंगे एक लाख करोड़'

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। चुनावों से पहले विभिन्न तरह की रेवड़ी बांटने का सिलसिला जारी है। चालू वित्त वर्ष में चुनाव से पहले शीर्ष 18 राज्य महिलाओं की योजनाओं पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च करेंगे। क्रिसिल रेटिंग ने रिपोर्ट में कहा, सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं पर राज्यों का खर्च 2025-26 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद यानी जीएसडीपी के दो प्रतिशत के बराबर होगा। इससे पूंजीगत खर्च पर असर पड़ने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा, 2018-19 व 2023-24 के बीच सामाजिक क्षेत्र पर खर्च जीएसडीपी के 1.4-1.6 प्रतिशत के दायरे में हुआ करता था। पिछले वित्त वर्ष में यह बढ़कर दो प्रतिशत हो गया। 2025-26 में बढ़े हुए खर्च के परिणामस्वरूप राजस्व घाटा बढ़ेगा। इससे राज्यों को पूंजीगत खर्च करने में दिक्कतें आएंगी। जो 18 राज्य शामिल हैं, उनकी सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। सामाजिक क्षेत्र के खर्च में पिछड़े वर्गों, महिलाओं, बच्चों और श्रमिकों के कल्याण के लिए राजस्व खर्च, साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में कुछ जनसांख्यिकीय समूहों को सहायता शामिल है।

'कांग्रेस को हर जिले में मजबूत करने के लिए पार्टी ने बनाया प्लान'

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आदिवासी नेतृत्व को मजबूत करने पर जोर दिया और बताया कि जिला अध्यक्ष ही कांग्रेस पार्टी को चलाएगा। साथ ही वह पार्टी को मजबूती देने का भी काम करेगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा करते दिख रहे हैं। यह वीडियो 6 मिनट 21 सेकंड का है। पार्टी ने लिखा, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। जल, जंगल, जमीन के साथ ही संवैधानिक अधिकारों के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी है। चाहे सामाजिक अन्याय हो या डिजिटलीकरण से जमीन छीनना, देश के आदिवासी त्रस्त हैं। हम आदिवासी वर्ग को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़े हैं, उनके अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। वीडियो में दिखा कि राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहते हैं, मैं पहले ही आपको बताना चाहता हूं कि मेरी दिलचस्पी क्या है। हमारी ऐसी आदिवासी लीडरशिप बने कि उसे हम कांग्रेस पार्टी में देखें। मैं आपकी कांग्रेस पार्टी में मदद करना चाहता हूं। उसके लिए आपको संगठित होना पड़ेगा और जो सचमुच में आदिवासियों की बात कर रहे हैं, जो थोड़े डायनमिक हैं और आदिवासियों के लिए लड़ रहे हैं, उनको आगे करना पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत-चीन बॉर्डर के पास जमीन अधिग्रहण से जुड़ी याचिका पर सुनवाई

मुआवजा बढ़ाने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा के पास डिफेंस प्रोजेक्ट के लिए 537 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए दिए गए मुआवजे को बढ़ाने वाले आदेश पर रोक लगा दी। जस्टिस के वी विश्वनाथन और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के मार्च 2025 के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्र और अन्य की दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

केंद्र ने कहा-लाभार्थियों को मुआवजा पहले ही दिया जा चुका है। जमीन का अधिग्रहण भी कर लिया गया है, लेकिन बाद में एक व्यक्ति ने पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर मामला दायर किया। पहले सभी लाभार्थियों के लिए लगभग 70 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था, लेकिन अक्टूबर 2024 में दायर याचिका पर एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन कोर्ट ने इसे बढ़ाकर 410 करोड़ रुपये से ज्यादा कर दिया था।

'संविधान की आत्मा पर हमला'

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। संविधान की प्रस्तावना में शामिल समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द की समीक्षा की आरएसएस की मांग को लेकर कांग्रेस महासचिव ने हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि आरएसएस ने संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया। आरएसएस की यह मांग बाबा साहब आंबेडकर के न्यायपूर्ण, समावेशी और लोकतांत्रिक भारत के दृष्टिकोण को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस का सुझाव संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आरएसएस ने भारत के संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया है। इसने 30 नवंबर 1949 के बाद से डॉ. आंबेडकर, नेहरू और इसके निर्माण में शामिल अन्य लोगों पर हमला किया। आरएसएस के अपने शब्दों में संविधान मनुस्मृति से प्रेरित नहीं था। आरएसएस और भाजपा ने बार-बार नये संविधान की मांग की है।

हत्या के आरोपी ने पुलिस अधिकारी को कार पर लटका कर कई किलोमीटर तक घसीटा

तिरुवल्लूर, 27 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर-तिरुपति हाईवे पर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां पुलिस अधिकारी ने हत्या के आरोपी को पकड़ने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। पुलिस अधिकारी को एक किलोमीटर से ज्यादा समय तक तेज रफ्तार से चल रही कार से लटके हुए देखा गया। हत्या के आरोपी अजगुराजा की कार का पीछा कर रही स्पेशल पुलिस की टीम ने उसे गिरफ्तार करने के लिए कार को रोकने की कोशिश की, जैसे ही पुलिस कर्मी ने फ्रंट विंडो सीट पर हाथ लगाकर कार को रोकने को कहा तो आरोपी ने तेजी से कार भगा दी। हेलमेट पहने अधिकारी ने कार पर लटक कर तकरीबन एक किलोमीटर तक कार को रोकने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। अधिकारी ने हेलमेट पहने हुए ही चलती हुई गाड़ी के किनारे से छलांग लगा दी और सड़क पर गिर गए। गनीमत रही कि इस पुलिसकर्मी को गंभीर चोटें नहीं लगी हैं। आरोपी, अजगुराजा वहां से फरार होने में सफल रहा। घटना का एक वीडियो वायरल हो गया है। अधिकारियों ने फरार आरोपी को पकड़ने के लिए गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

कर्नाटक के एमएम हिल्स अभ्यारण्य में पांच बाघ मृत पाए गए, जहर देने की आशंका

बेंगलूरू, 27 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के चामराजनगर जिले के माले महादेश्वर हिल्स वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में पांच बाघ मृत पाए गए हैं। इनमें एक मां और चार शावक हैं। इन चारों की मौत के मामले में वन मंत्री ईश्वर खंडरे ने जांच के आदेश दिए हैं। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इन पांच बाघों की मौत जहर के चलते हुई है। हालांकि वन विभाग का कहना है कि सारी प्रक्रिया का पालन करने और पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की असली वजह के बारे में पता चल पाएगा। कर्नाटक में मध्य प्रदेश के बाद बाघों की संख्या सबसे ज़्यादा है। यहां बाघों की संख्या 563 है। वन्यजीवों के साथ बढ़ते संघर्ष, खासकर बाघों द्वारा मवेशियों पर हमला और उन्हें अपना निवाला बनाने के कारण ग्रामीण अक्सर जहर और जाल का सहारा लेकर उन्हें खत्म करने की फिराक में रहते हैं। वन विभाग की टीम ने मृत बाघों से सैम्पल लेकर जांच के लिये भेज दिया है। वन मंत्री ईश्वर खण्डरे ने एक साथ 5 बाघों की मौत पर दुःख जताते हुए कहा कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी। वन अधिकारियों ने कहा कि बाघिन ने कुछ दिन पहले एक गाय को मार डाला था। माना जा रहा है कि इन बाघों को जहर देकर मारा गया है। उन्हें कुछ ऐसा निवाला दिया गया जिसमें जहर मिला होगा। जहर वाले भोजन से बाघिन और उसके शावकों की मौत हो गई। वन मंत्री ईश्वर खंडरे ने कहा-'एमएम हिल्स में पांच बाघों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया के विमान को मुंबई में पांच घंटे से ज्यादा वक्त तक रोककर रखा गया

बैंकॉक जा रही थी फ्लाइट

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। 25 जून को मुंबई से बैंकॉक जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट को पांच घंटे से अधिक समय तक रोककर रखा गया। इसकी वजह विमान के एक पंख में कुछ घास का फंसना बताया गया। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि इस पर तुरंत ध्यान दिया गया और विमान को परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। टाटा समूह द्वारा संचालित एयरलाइन ने अन्य महत्वपूर्ण विवरण जैसे कि विमान में सवार यात्रियों और चालक दल की संख्या, विमान का प्रकार, प्रस्थान का निर्धारित समय और यात्री मुंबई एयरपोर्ट पर कितने समय तक फंसे रहे, साझा नहीं किए। एअर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, '25 जून 2025 को मुंबई से बैंकॉक के लिए उड़ान भरने वाली एआई2354 को रोक दिया गया, क्योंकि ऑपरेटिंग विमान के बाएं पंख के नीचे कुछ घास फंसी हुई पाई गई थी।' एयरलाइन ने कहा कि इस पर तुरंत ध्यान दिया गया और विमान को संचालन के लिए मंजूरी दे दी गई।

विमानन कंपनी ने साथ ही कहा कि घास के स्रोत की पहचान नहीं की जा सकी। इसने यह भी कहा कि चूंकि फ्लाइट क्रू विनियामक उड़ान ड्यूटी समय सीमाओं के अंतर्गत आ गया था, इसलिए फ्लाइट तुरंत रवाना नहीं हो सकी। एअर इंडिया ने बयान में कहा कि मुंबई हवाई अड्डे पर विमान को संभालने वाले सेवा प्रदाता को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया है, जिसकी सूचना सुरक्षा नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और उनके जलपान की व्यवस्था की गई। फ्लाइट क्रू के नए सदस्यों के आते ही फ्लाइट रवाना हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब डीजीसीए ने प्रमुख हवाई अड्डों पर अपनी निगरानी के दौरान एयरलाइनों, हवाई अड्डों, विमान रखरखाव कार्यों से संबंधित कई उल्लंघनों और कई मामलों में बार-बार होने वाली खामियों का पता लगाया है। यह कार्रवाई अहमदाबाद में 12 जून को एयर इंडिया के विमान हादसे के दो सप्ताह से भी कम समय बाद की गई थी।

अब पंजाब में आया नीले ड्रम वाला खौफनाक केस

बाडी के पैर और गले में बंधी मिली रस्सी

लुधियाना, 27 जून (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में एक नीले ड्रम से एक शख्स का शव बरामद हुआ है। लुधियाना के शेरपुर इलाके में मिले इस ड्रम में जो डेड बॉडी मिली है, उसके पैर और गले में रस्सी बंधी मिली। शव को प्लास्टिक के बोरे में लपेटा गया था। इलाके में बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। थाना डिवीजन नंबर-6 की एसएचओ कुलवंत कौर के अनुसार, मृतक प्रवासी हो सकता है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया गया है। फिलहाल, शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं, लेकिन शव की हालत खराब है। लुधियाना में करीब 42 ड्रम कंपनियां है जहां ऐसे ड्रम तैयार होते हैं। पुलिस ने इन ड्रम कंपनियों की भी लिस्ट बनाई है। पुलिस को जो ड्रम बरामद हुआ है, वह बिल्कुल नया है।

शक है कि हत्या पूरी प्लानिंग की गई है। हत्या से पहले ही ड्रम को ताजा खरीदा गया है। फिलहाल, पुलिस ने घटना स्थल से करीब 5 किलोमीटर तक का एरिया चेक करना शुरू कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज आदि चैक किए जा रहे हैं। सेफ सिटी कैमरों का भी पुलिस सहारा ले रही है। वहीं, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड के कैमरे भी चेक करवाए जा रहे हैं। लाडोवाल टोल प्लाजा से शेरपुर तक का रूट मैप भी पुलिस ट्रैक कर रही है। कुछ संदिग्ध वाहनों के नंबर पुलिस चेक कर रही है।

एयरपोर्ट पर दुर्लभ जीव-जंतुओं की तस्करी, 2 गिरफ्तार

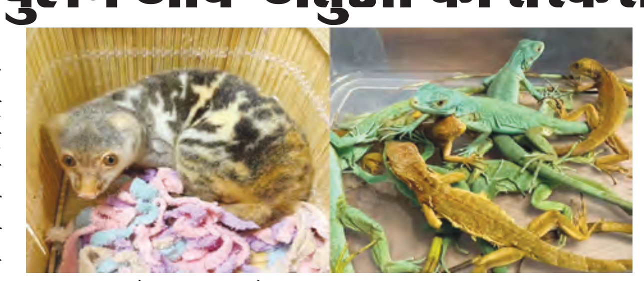

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने दो भारतीय नागरिकों को पकड़ा, जो बैंकॉक से मुंबई आए थे। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में अधिकारियों ने उनके लगेज की जांच की। जांच के दौरान दोनों आरोपियों के बैग से दुर्लभ और संरक्षित विदेशी जीव-जंतु बरामद किए गए। इनमें दो सुमात्रन स्ट्राइप्ड खरगोश, एक वैगिओ स्पॉटिड कस्कस, तीन ब्राउन बैसिलिस्क छिपकलियां (जिनमें से एक मृत), और 115 ग्रीन इगुआना शामिल थे। इनमें वैगिओ स्पॉटिड कस्कस और ग्रीन इगुआना जैसे जीव हैं जो सीआईटीईएस (लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन) की एपेंडिक्स-आईआई सूची में आते हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिबंधित है। जैसे ही जीवों की बरामदगी हुई, कस्टम विभाग ने एक पशु संरक्षण एनजीओ की मदद से सभी जीवों को सुरक्षित किया और फिर पशु संगरोध विभाग से आवश्यक आदेश प्राप्त कर इन्हें उनके मूल देश वापस भेज दिया गया। दोनों आरोपियों को कस्टम अधिनियम, 1962 और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस तस्करी रैकेट में और कौन-कौन शामिल है। यह घटना दिखाती है कि भारत में जानवरों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून कितने जरूरी हैं, और एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग कितना चौकन्ना रहता है। शुरुआत की जांच में यह बात सामने आई है कि यह तस्करी दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े किसी अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ी हो सकती है। कस्टम अधिकारियों ने जब ये जानवर पकड़े, तो उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी वन्यजीव और वन विभाग को दी।

यह सिर्फ तस्करी का मामला नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि विदेशी देशों में पालतू जानवरों की बढ़ती मांग की वजह से हमारे वन्यजीवों की जिंदगी खतरे में पड़ रही है और प्रकृति का संतुलन भी बिगड़ रहा है।

गैंगस्टर मंजीत महाल के भांजे पर बरसाईं गोलियां, विरोधी गैंग पर हत्या का शक

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के बवाना इलाके में शुक्रवार सुबह एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान दीपक (43) के रूप में हुई है, जो गैंगस्टर मंजीत महाल का भांजा था। बाइक सवार अज्ञात लोगों ने दीपक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। इस दौरान दीपक की बेटी भी उसके साथ थी, जो घायल हुई है। इस हत्या के पीछे पुलिस को गैंगवार की आशंका है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के बवाना इलाके में आज सुबह करीब आठ बजे दीपक अपने परिवार के साथ टहलने निकला था। इस दौरान बाइक पर सवार दो लोग आए और उसपर कई राउंड फायरिंग कर दी। जिससे दीपक की मौत हो गई। उसकी बेटी घायल है, जिसका फिलहाल अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दीपक सुबह के समय टहलने निकला था, दो अज्ञात लोग आए और कई राउंड फायरिंग की। दीपक के शरीर पर सात से आठ घाव दिखाई दे रहे हैं। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि उसे कितनी गोलियां मारी गईं। मृतक दीपक कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल का भांजा था। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

बॉयफ्रेंड से दुखी होकर बना रही थी इमोशनल रील, पैर फिसला और 13वीं मंजिल से गिर गई

बेंगलुरु, 27 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां दोस्तों के साथ पार्टी करने गई एक युवती निर्माणाधीन इमारत की 13वीं मंजिल से गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि युवती सोशल मीडिया के लिए 'रील' शूट करने की कोशिश कर रही थी। युवती का नाम नंदिनी था और वह बेंगलुरु में एक शॉपिंग मार्ट में काम करती थी। यह घटना तब हुई जब वह देर रात अपने दोस्तों के साथ पार्टी कर रही थी। युवती अपने दो पुरुष और एक महिला मित्र के साथ बेंगलुरु के रायसांद्रा में स्थित अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग की 13वीं मंजिल पर पार्टी कर रही थी। मालिकाना हक की लड़ाई के चलते ये बिल्डिंग खाली पड़ी रहती है और इसके लिफ्ट शाफ्ट पर कोई सेफ्टी कवर नहीं है। लेट नाइट पार्टी में अपने बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद युवती सैड रील बनाने के लिए छत पर गई थी। रील की शूटिंग के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गलती से एक शाफ्ट में गिर गई, जहां भविष्य में एक लिफ्ट लगाई जानी थी। घटना के बाद उसके पुरुष मित्र वहां से भाग गए लेकिन महिला दोस्त रुकी रही। उसने 112 नंबर डायल कर घटना की सूचना दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि युवती बुधवार रात को दोस्तों के एक ग्रुप के साथ निर्माणाधीन इमारत में गई थी। वे सभी पार्टी कर रहे थे और तभी युवती एक लिफ्ट शाफ्ट में गिर गई।

जो लोग हिंदी भाषा का कर रहे विरोध

वो जरा शरद पवार की राय भी जान लें कि उन्होंने क्या कहा?

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। हिंदी भाषा विवाद पर अब महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार का बड़ा बयान सामने आया है। हिंदी भाषा विवाद को लेकर शरद पवार ने कहा कि इसको इग्नोर नहीं कर सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि हिंदी को अनिवार्य करने को लेकर क्या आप भी किसी मोर्चे में शामिल होंगे? इस पर शरद पवार ने कहा, इसमें दो मुख्य भाग हैं। पहली से चौथी कक्षा तक हिंदी अनिवार्य करना उचित नहीं है। पांचवी कक्षा के बाद हिंदी को अनिवार्य कर सकते है। देश में बड़ी संख्या में लोग हिंदी बोलते हैं। दूसरी कोई ऐसी भाषा नहीं है। हिंदी को इग्नोर नहीं कर सकते हैं। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में लोग हिंदी के खिलाफ नहीं हैं। पहली से चौथी कक्षा तक अगर उसे अनिवार्य किया तो बच्चों पर अधिक भार पड़ेगा। इस मुद्दे पर मैंने दोनों ठाकरे (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) की बातें सुनी हैं। शरद पवार ने कहा कि मुंबई जाकर उनका क्या कहना है, इस पर विचार करूंगा और उनसे बात करूंगा। इसके साथ ही शरद पवार ने अपील की है कि सभी राजनीतिक पक्ष उनके कार्यक्रम में शामिल हो अगर उसमें शामिल होना है तो पहले समझना पड़ेगा उनका कहना क्या है। पवार ने कहा कि राज ठाकरे के मोर्चे को लेकर मैंने अभी जवाब दिया है, किसी ने बुलाया तो उसमें सहभागी हो जाए ऐसा नहीं है। उनका क्या कहना है, इस बात को समझना होगा। अगर उनका मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो उसे समझ कर उस पर फैसला लेंगे।

सीएम के काफिले की गाड़ी में भर दिया मिलावटी डीजल! पेट्रोल पंप किया सील

रतलाम, 27 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश से चौंका देने वाली खबर सामने आई है। सीएम मोहन यादव के काफिले की लगभग 19 गाड़ियां अचानक से बंद हो गईं। सभी गाड़ियों में डोसीगांव के पेट्रोल पंप से डीजल भरवाया था। मिलावट की आशंका में पेट्रोल पंप भी सील कर दिया गया है। बता दें कि ये सभी गाड़ियां मध्य प्रदेश के रीजनल इंडस्ट्रियल समिट के लिए इंदौर आई थीं। रास्ते में डोसीगांव स्थित भारत पेट्रोलियम के शक्ति फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर ही रुक गईं। इसके बाद प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। जांच की गई। इसमें भी चौंकाने वाला मामला सामने आया। डीजल में पानी की मिलावट मिली है। बताया जा रहा है कि इसी पानी मिले डीजल से सीएम के काफिले की गाड़ियों के इंजन फेल हो गए। कार्रवाई करते हुए पेट्रोल पंप सील कर दिया गया है। इंदौर से दूसरी गाड़ियां मंगवाई गईं। इधर पेट्रोल पंप मैनेजर ने बारिश में पानी रिसाव की बात कही है। हालांकि विस्तृत जांच के बाद मामला साफ हो सकेगा। मामले में नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय ने बताया कि बारिश के कारण पेट्रोल पंप टैंक में पानी रिसाव की आशंका है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने पेट्रोल पंप सील कर दिया है। रिपोर्ट सीनियर अफसर को सौंपी जाएगी।

इटावा में कथावाचक से मारपीट और जाति को लेकर विवाद पर उमा भारती का बड़ा बयान, 'ये यादव बनाम ब्राह्मण का मुद्दा नहीं है

भोपाल, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा में 21 जून को कथावाचकों मुकुट मणि यादव और संत कुमार यादव के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार का मामला सामने आया था। साथ ही उनकी जाति को लेकर भी विवाद जारी है। अब इस मामले पर बीजेपी नेता उमा भारती की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण खुद यादव थे, भगवान राम क्षत्रिय थे, तो ये यादव बनाम ब्राह्मण का मुद्दा नहीं है। मुझे शक है कि ये राजनीतिक साजिश है। उमा भारती ने आगे कहा, ब्राह्मणों का हमेशा उदार दिल रहा है। हल्के-फुल्के लोग होंगे, जो विरोध कर रहे होंगे, लेकिन संत का विरोध में बयान बयान नहीं आया है। पता नहीं इस विवाद को किसने शुरू किया। मुझे लगता है कि पूरा प्रायोजन हुआ है। इसकी विशेषज्ञता पहले अरविंद केजरीवाल के पास थी। ये जो लड़ाई कर रहे हैं, ये बहुत सामान्य लोग कर रहे हैं। बता दें कि इटावा के कथावाचक अपमान केस में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इटावा पुलिस ने दोनों कथावाचकों के खिलाफ फर्जी आधार कार्ड बनाने और जाति छुपाकर कथा करने के मामले में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने कथावाचक मुकुट मणि यादव और उनके सहायक संत सिंह यादव के खिलाफ ये मुकदमा इटावा के बकेवर थाने में दर्ज किया है। दरअसल, इटावा के बकेवर इलाके में स्थित दान्दरपुर गांव में भागवत कथा के दौरान जाति छुपाने के मुद्दे पर 21 जून को दोनों कथावाचकों की पिटाई की गई थी।

इस दौरान उनके बाल भी काट दिए गए थे। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था और उन्हें जेल भेज दिया था। हालांकि, इस मामले में सियासत तेज होने के बाद दोनों कथावाचकों पर फर्जी आधार कार्ड बनाने और जाति छुपाकर कथा करने का आरोप लगा था। इस मामले में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि मुकुट मणि यादव के पास दो आधार कार्ड मिले हैं, जिन पर दो अलग-अलग नाम हैं। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले में जांच शुरू कर दी है।

मुंबई में ढाई साल के बच्चे को बेंत से मारा चेहरे को जलाया, अत्याचार की हद

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मुंबई के भांडुप इलाके में रहने पति-पत्नी को हाउस हेल्प (नौकरानी) के ढाई साल के बच्चे अत्याचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई के भांडुप इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई जहां एक पति पत्नी ने अपने घरेलू सहायिका के ढाई साल के बच्चे को कथित तौर पर प्रताड़ित किया। दंपत्ति ने अंधविश्वास और आत्माओं को भगाने की प्रक्रिया के रूप में बच्चे को प्रताड़ित किया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को इलाज के लिए परेल के वाडिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 37 वर्षीय महिला जो पिछले कुछ हफ़्तों से उनके यहां काम कर रही थी और काम के दौरान अपने छोटे बेटे को भी साथ लेकर आती थी। कथित तौर पर पति पत्नी को शक होने लगा कि बच्चे पर भूत है क्योंकि वह अक्सर रोता रहता था। उसे भूत से छुटकारा दिलाने के लिए उन्होंने उसे बेंत से पीटना शुरू कर दिया और माचिस से जलाना शुरू कर दिया। यह घटनाक्रम लगभग चार से पांच दिनों तक चला। न केवल बच्चे को इस क्रूरता का शिकार होना पड़ा, बल्कि उसकी मां को भी जादू-टोना और भूत-प्रेत भगाने के बहाने पति पत्नी द्वारा परेशान किया गया। घटना की सूचना मिलते ही भांडुप पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और महिला और उसके बच्चे को बचाया और आरोपी दंपत्ति को गिरफ्तार किया।

जंगलों में घिरे जैश के तीन आतंकी सुरक्षाबलों ने एक को किया ढेर; सर्च ऑपरेशन जारी

उधमपुर, 27 जून (एजेंसियां)। जिला उधमपुर के दूरदराज व पहाड़ी क्षेत्र बसंतगढ़ के घने जंगलों में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल ने एक आतंकी को मार गिराया, जबकि तीन आतंकी घेरे में फंसे हुए हैं। मारा गया आतंकी इस ग्रुप का लीडर बताया जाता है। सुरक्षा बल ने पूरे क्षेत्र को घेर रखा है और ऑपरेशन जारी है। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के बताए जा रहे हैं और इनके पास एम-4 कार्बाइन जैसे अत्याधुनिक हथियार हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार बताया कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के जंगली इलाके में शुक्रवार को पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम द्वारा तलाशी अभियान जारी है।

तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षाबल की बड़ी सफलता मानी जा रहा है। बसंतगढ़ के बिहाली के जंगलों में आतंकियों की गतिविधियों की पुख्ता सूचना पर सुरक्षाबल ने सुबह घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। सुबह साढ़े आठ बजे आतंकियों और सुरक्षाबल का आमना-सामना हो गया। आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और मुठभेड़ शुरू की। इस दौरान एक आतंकी मारा गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने इसे 'ऑपरेशन बिहाली' नाम दिया है

तीसरी पत्नी की हत्या कर बोरे में भरा शव और बस में छोड़ दिया 72 की उम्र में गिरफ्तार

बेंगलुरू, 27 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरू में पुलिस ने एक व्यक्ति को उसकी पत्नी की हत्या के आरोप में 22 साल बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी की उम्र 72 साल हो चुकी है। वह दो दशक से ज्यादा समय तक फरार रहा।

वह अपने ही राज्य में गुमनाम जिंदगी जीता रह। आरोपी ने साल 2002 में कर्नाटक के कोप्पल में अपनी तीसरी पत्नी की हत्या की थी। आरोपी ने पत्नी की हत्या करने के बाद उसका शव एक बोरे में भरा था और इस बोरे को बस में छोड़कर फरार हो गया था।

बस में रखे बोरे में शव मिलने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था और यह मामला सुर्खियों में रहा था।

आरजी कर कांड के बाद अब लॉ कॉलेज में दरिंदगी, छात्रा से गैंगरेप, 3 अरेस्ट

कोलकाता, 27 जून (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में छात्रा के साथ दरिंदगी की घटना ने दिल दहला दिया था। इस घटना को लेकर डॉक्टरों ने खूब विरोध प्रदर्शन किया था। इस घटना को अभी एक साल भी पूरे नहीं हुए हैं कि एक बार फिर कोलकाता के एक शिक्षण संस्थान में छात्रा से दरिंदगी की घटना सामने आई है। शहर के एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना हुई है। इस मामले में कस्बा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपियों में उसी संस्थान का एक पूर्व छात्र और दो कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके साथ 25 जून की रात साढ़े सात बजे से 22:50 बजे तक दरिंदगी की। वह रहम की भीख मांगती रही, लेकिन हैवान उसका शरीर नोचते रहे। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी। 26 जून को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, वारदात को अंजाम देने वाले तीसरे आरोपी को पुलिस ने 26 और 27 जून की दरमियान रात साढ़े 12 बजे अरेस्ट किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके मोबाइल जब्त कर लिए हैं। तीनों को कोर्ट ले जाने की तैयारी हो रही है, जहां पर आरोपियों की पुलिस कस्टडी की मांग की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के परिजन को भी थाने बुलाया है और वारदात संबंधी पूछताछ की है। हालांकि, परिजन ने इस पूरे मामले में कोई खास जानकारी नहीं दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता कस्बा थाने पहुंची। उसने कॉलेज के दो कर्मचारियों और एक पूर्व छात्र के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत के आधार पर नेशनल मेडिकल कॉलेज में उसकी जांच कराई गई है। कॉलेज सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों में से एक पूर्व छात्र है। उसने 2022 में अपना डिग्री कोर्स पूरा किया था। सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसे कॉलेज के एक कमरे में बुलाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोपियों में से एक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बाकी ने मुख्य आरोपी की मदद की।

लॉरेंस बिश्नोई इंटरव्यू मामले के बाद नई मुश्किल में डीएसपी गुरशेर सिंह संधू

मोहाली, 27 जून (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई इंटरव्यू मामले में बर्खास्त डीएसपी गुरशेर सिंह संधू और उनकी मां के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा विजिलेंस ब्यूरो की मोहाली फ्लाइंग स्क्वाड की तरफ से किया गया है। मुकदमा उनके 3 साल के रिकॉर्ड के हिसाब से किया गया है। इस रिकॉर्ड में पाया गया है कि पिछले 3 साल में उन्हें नौकरी के दौरान 26 लाख रुपए की सैलरी मिली थी जबकि खर्चा 2.59 करोड रुपए का था। इसी रिकॉर्ड के आधार पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है। विजिलेंस ब्यूरो की तरफ से मुकदमा दर्ज करने के बाद अब गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

हालांकि, डीएसपी गुरशेर सिंह संधू के खिलाफ हाई कोर्ट के आदेशों पर लारेंस बिश्नोई के इंटरव्यू मामले में पहले भी मुकदमा दर्ज है, लेकिन पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इस कारण अभी भी पुलिस की तरफ से इतनी जल्दी गिरफ्तार करना मुश्किल है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 28 जून, 2025

सुविचार: किसी को दुख पहुँचाने से पहले ये ज़रूर सोचे की अगर आपके साथ वैसा कोई करता तो क्या होता।

स्वास्थ्य मंत्री ने हुस्नाबाद में 50 सीटों वाले मेडिकल पीजी सेंटर को मंजूरी दी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने हुस्नाबाद में 50 सीटों वाले मेडिकल पोस्टग्रेजुएट सेंटर की स्थापना को मंजूरी दे दी है। हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान, राजा नरसिम्हा ने मंत्रियों तुम्माला नागेश्वर राव, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और पोन्नम प्रभाकर के साथ 150 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी और बाद में 100 बिस्तरों वाली मातृ एवं शिशु देखभाल सुविधा का उद्घाटन किया। मंत्रियों के कार्यक्रम में चरण-2 के तहत चार लेन की सड़क निर्माण की शुरूआत भी शामिल है, जिसमें हुस्नाबाद से सुंदरगिरी तक के खंड के लिए 77 करोड़ रुपये और सुंदरगिरी से कोत्तापल्ली तक के खंड के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट है। मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री राजा नरसिम्हा ने बताया कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने पर आठ मेडिकल कॉलेज और सोलह नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए गए। उन्होंने हर निर्वाचन क्षेत्र में एक नर्सिंग कॉलेज की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि जल्द ही और अधिक नर्सिंग कॉलेज विकसित किए जाने की उम्मीद है।

डुंडीगल में तेज रफ्तार ट्रक ने 5 साल के बच्चे को कुचला

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को डुंडीगल के मल्लमपेट में एक तेज रफ्तार ट्रक के नीचे आने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल में कक्षा 1 का छात्र, अपनी माँ के साथ स्कूटर पर स्कूल जा रहा था, तभी एक तेज़ रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि बच्चा सड़क पर गिर गया और ट्रक ने उसे कुचल दिया। चालक ने बच्चे पर ध्यान नहीं दिया और भारी वाहन को उसके ऊपर चढ़ा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डुंडीगल पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू की। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया।

सरकार गिग वर्कर्स के लिए एक बोर्ड का गठन करेगी और बेहतरीन नीति लाएगी : विवेक

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, खान और रोजगार मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार जल्द ही गिग वर्कर्स का समर्पित एक बोर्ड स्थापित करेगी और तेलंगाना में उनके लिए एक व्यापक नीति विकसित करेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना गिग वर्कर नीति पूरे देश के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगी।

शुक्रवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने गिग वर्कर्स से संबंधित विभिन्न मुद्दों को संबोधित किया और बोर्ड बनाने और नीति तैयार करने की कार्ययोजना पर चर्चा की। इसके बाद मीडिया को दिए गए बयान में, विवेक ने गिग वर्कर्स के सामने आने वाली कई चुनौतियों पर प्रकाश डाला और उन्हें अधिकार देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की पहल के समानांतर (जिसने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए कानून पेश किया) और तेलंगाना में भी इसी तरह का बोर्ड स्थापित करने की अपनी मंशा व्यक्त की। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा, तेलंगाना में गिग वर्कर्स के लिए पंजीकरण प्रणाली लागू की जानी है। बैठक के दौरान नियोक्ताओं और गिग वर्कर्स ने कुल 66 सुझाव दिए। हम इन चिंताओं का समाधान करेंगे और जल्द ही सहायता प्रदान करने के बारे में निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले ही गिग वर्कर्स से बातचीत कर चुके हैं। कैबिनेट गिग वर्कर्स की नीति पर चर्चा करेगी और विधानसभा में कानून पेश किया जाएगा।

मंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई कि गिग वर्कर्स को न्यूनतम वेतन मिले और नए अधिनियम के प्रभाव के बारे में आशा व्यक्त की, उन्होंने कहा कि तेलंगाना में लगभग 4.5 लाख गिग वर्कर्स हैं।

5 घंटे की बाधा के बाद रेल यातायात बहाल

पेद्दापल्ली, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन के पास निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज (आरओबी) के एक घटक को हुए नुकसान के कारण पांच घंटे तक बाधित रहने के बाद शुक्रवार को काजीपेट-बल्हारशाह मार्ग पर ट्रेन सेवाएं बहाल कर दी गईं। रेलवे अधिकारियों ने मरम्मत कार्य के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मार्ग के विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों को रोक दिया।

करीमनगर पुलिस ने 6 बाइक चोरों को किया गिरफ्तार

बरामद कीं 33 चोरी की मोटरसाइकिलें

करीमनगर, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर कमिश्नरेट पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 12.27 लाख रुपये मूल्य के 33 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त गौश आलम ने गिरफ्तारी और जांच के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संदिग्धों को टाउन-2 और सीसीएस पुलिस द्वारा पद्मनगर के पास सुबह-सुबह नियमित वाहन-जांच अभियान के दौरान पकड़ा गया। अधिकारियों को दो मोटरसाइकिलों पर यात्रा कर रहे छह व्यक्तियों पर संदेह हुआ और उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने करीमनगर कमिश्नरेट की सीमा और राजन्ना सिरसिला जिले के विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिलें उठाने की बात कबूल की। गिरोह के खिलाफ छह पुलिस थानों में 22 मामले दर्ज हैं। कमिश्नर गौश आलम ने टाउन एसीपी वेंकटस्वामी, टाउन-II इंस्पेक्टर सृजन रेड्डी, सीसीएस इंस्पेक्टर श्रीनिवास और अन्य पुलिस कर्मियों के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने गिरोह का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज खुलेगा कोंडापुर से गच्चीबावली तक पीजेआर फ़्लाईओवर

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली और कोंडापुर के बीच छह लेन वाले द्विदिश पीजेआर फ्लाईओवर (शिल्पा लेआउट स्टेज- II फ्लाईओवर) का उद्घाटन शनिवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी करेंगे। इस फ्लाईओवर का निर्माण जीएचएमसी ने 446.13 करोड़ रुपये की लागत से किया है। यह फ्लाईओवर न केवल ओआरआर से कोंडापुर की ओर और इसके विपरीत गाच्चीबावली जंक्शन पर यातायात की मुक्त आवाजाही और राहत प्रदान करेगा, बल्कि पीक ऑवर्स के दौरान एक दिशा में गाच्चीबावली जंक्शन पर यात्रा के समय में लगभग 10.05 मिनट की बचत भी करेगा। यह फ्लाईओवर हाई-टेक सिटी और फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट के बीच बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। फ्लाईओवर की मुख्य विशेषताओं में कोंडापुर फ्लाईओवर-ओआरआर की ओर से तीन लेन का डाउन रैंप और कोंडापुर फ्लाईओवर-ओआरआर की ओर से तीन लेन का अप रैंप शामिल है। जीएचएमसी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहले इस मार्ग से यात्रा करने में औसतन 12 मिनट लगते थे, लेकिन अब फ्लाईओवर पर केवल 2 मिनट लगते हैं।

भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव को उनकी जयंती पर मुख्यमंत्री ने याद किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री, बहुभाषी विद्वान, लेखक, आर्थिक सुधारों के जनक, भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव को उनकी जयंती पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने याद किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के रूप में क्रांतिकारी सुधार लाने और देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने तथा सभी क्षेत्रों में आर्थिक सुधारों के साथ देश की प्रगति को गति देने के लिए पी.वी. नरसिम्हा राव की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीवी द्वारा किए गए आर्थिक सुधार आज भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली में नवीन नीतियां पेश की गईं और पीवी के कार्यकाल के दौरान नवोदय विद्यालयों की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने संयुक्त राज्य में शिक्षा मंत्री के रूप में सर्वेल आवासीय विद्यालय की स्थापना करके गुरुकुल शिक्षा की ओर पहला कदम उठाया। उन्होंने कहा कि पीवी की प्रेरणा से ही राज्य की शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की शुरूआत हुई। उन्होंने कहा कि राज्य में गुरुकुल विद्यालयों में बुनियादी ढांचे के निर्माण की मजबूत नींव रखने के अलावा, सार्वजनिक सरकार हर निर्वाचन क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मानकों के साथ युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा ने अन्नपूर्णा कैंटीन का नाम बदलने पर कांग्रेस की आलोचना की, आंदोलन की धमकी दी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने शुक्रवार को रेवंत रेड्डी सरकार पर गरीबों को रियायती दर पर भोजन देने वाली लोकप्रिय 'अन्नपूर्णा कैंटीन' का नाम बदलकर 'इंदिरा कैंटीन' करने के विवादास्पद फैसले के लिए तीखा हमला किया। भाजपा ने इसे अनुचित, असंवेदनशील और राजनीति से प्रेरित कदम बताते हुए नाम बदलने को हिंदू बहुसंख्यकों की भावनाओं का सीधा अपमान और भारत की सभ्यतागत पहचान में गहराई से निहित सांस्कृतिक प्रतीकों को मिटाने का एक और प्रयास बताया। तेलंगाना भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने इस फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा, अन्नपूर्णा सिर्फ एक नाम नहीं है, यह देवी अन्नपूर्णा का प्रतीक है, दिव्य मां, जो दुनिया का पोषण करती हैं। ऐसे पवित्र नाम को एक राजनीतिक नेता के नाम से बदलना, और वह भी इंदिरा गांधी, जिनके शासन ने भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय- आपातकाल थोपा, हिंदू परंपराओं और सामूहिक राष्ट्रीय स्मृति का अपमान है।

अन्नपूर्णा कैंटीन, जो पहली बार हैदराबाद में शहरी गरीबों और दैनिक वेतन भोगियों के लिए सिर्फ 5 में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी, ने अपने नेक, गैर-राजनीतिक इरादे के लिए सद्भावना अर्जित की थी। सुभाष ने कहा, यह योजना हिंदू धर्म में दान के सर्वोच्च रूपों में से एक, अन्न दानम की भावना के साथ शुरू की गई थी। इसे एक राजनीतिक ब्रांड नाम से बदलना, विशेष रूप से ऐतिहासिक विवाद में घिरा हुआ, राजनीतिक विनियोग का एक अपमानजनक कार्य है। भाजपा ने करदाताओं द्वारा वित्त पोषित और जीएचएमसी के माध्यम से कार्यान्वित एक लोक कल्याणकारी योजना पर एक पूर्व कांग्रेस नेता के नाम से मुहर लगाने के कांग्रेस सरकार के नैतिक अधिकार पर सवाल उठाया। सुभाष ने कहा, यह कोई निजी ट्रस्ट नहीं है, न ही इसे कांग्रेस पार्टी चला रही है। एक राजनीतिक वंश को अमर बनाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग अधिकार और निरंकुशता की बू आती है। जीएचएमसी के आंकड़ों के अनुसार, अन्नपूर्णा कैंटीन हैदराबाद में 150 से अधिक स्थानों पर प्रतिदिन 25,000 से अधिक भोजन परोसती है, जो मुख्य रूप से प्रवासी मजदूरों, दिहाड़ी मजदूरों और शहरी गरीबों को भोजन उपलब्ध कराती है। भाजपा प्रवक्ता ने इस निर्णय के अत्यधिक असंवेदनशील समय की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब देश आपातकाल (1975-77) की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है (सामूहिक गिरफ्तारियों, प्रेस सेंसरशिप और नागरिक स्वतंत्रता के निलंबन का दौर) ये सब इंदिरा गांधी के शासन में हुआ था। जबकि राष्ट्र उन काले समय पर विचार कर रहा है, कांग्रेस बेशर्मी से इतिहास को सफेद करने और जिम्मेदार व्यक्ति का महिमामंडन करने की कोशिश कर रही है। सुभाष ने कांग्रेस पर हिंदू बहुसंख्यकों की भावनाओं की अनदेखी करते हुए व्यवस्थित अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में संलग्न होने का आरोप लगाया। राम मंदिर पर सवाल उठाने से लेकर सनातन धर्म का उपहास उड़ाने तक, और अब नाम परिवर्तन के ज़रिए प्रतीकात्मक अपमान- यह सब वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदू सभ्यता के मूल्यों को कमज़ोर करने के कांग्रेस के बड़े एजेंडे का हिस्सा है। भाजपा ने इस फ़ैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है और रेवंत रेड्डी सरकार को अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं से खेलने के ख़िलाफ़ चेतावनी दी है। सुभाष ने कहा, सरकार को चेतावनी दी जानी चाहिए- भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए।

एनआईएन वैज्ञानिक को अंतर्राष्ट्रीय पोषण निकाय का चुना गया फेलो

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुब्बाराव एम. गवरवापु को पोषण विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय पोषण विज्ञान संघ (आईयूएनएस) का फेलो चुना गया है। डॉ. सुब्बाराव, जो वर्तमान में एनआईएन में पोषण सूचना, संचार और स्वास्थ्य शिक्षा (एनआईसीएचई) प्रभाग के प्रमुख हैं, को अगस्त 2025 में पेरिस में आईयूएनएस-अंतर्राष्ट्रीय पोषण कांग्रेस में फेलोशिप प्रदान की जाएगी। उनके शोध में खाद्य लेबलिंग, विक्रेता शिक्षा, कार्यस्थल पोषण संबंधी कल्याण और स्वास्थ्य संकट के दौरान गलत सूचना के प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। खाद्य लेबलिंग पर उनके अध्ययनों ने भारत में नीति और विनियमन को सूचित किया है और उन्होंने भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशानिर्देश 2024 तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति में काम किया है।

तेलंगाना ने अप्रैल-मई में 5,037 करोड़ रुपये का दर्ज किया राजस्व घाटा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में तेलंगाना की राजकोषीय स्थिति दबाव में रही। इस साल की शुरूआत में पेश किए गए 2,738.33 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष बजट के मुकाबले राजस्व घाटा 5,037.39 करोड़ रुपये रहा, लेकिन मई 2025 तक राजकोषीय घाटा पहले ही 9,389.90 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि पूरे साल के लिए अनुमानित राजकोषीय घाटा 54,009.74 करोड़ रुपये है।

प्राथमिक घाटा 5,223.55 करोड़ रुपये आंका गया, जो दर्शाता है कि ब्याज भुगतान से पहले भी सरकार अपनी आय से अधिक खर्च कर रही थी। मई के लिए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कुल प्राप्तियां 32,823 करोड़ रुपये रहीं, जो वार्षिक बजट अनुमान 2.84 लाख करोड़ रुपये का 11.52 प्रतिशत है। इसमें से 23,425 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्तियों से आए, जिसमें 22,609 करोड़ रुपये कर राजस्व और सिर्फ 729.93 करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व शामिल हैं। केंद्र सरकार से अनुदान नगण्य रहा, जो मात्र 86.73 करोड़ रुपये रहा।

स्टाम्प एवं पंजीकरण, बिक्री कर तथा केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी में सुधार के बावजूद कर राजस्व में पिछले मई की तुलना में लगभग 200 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि देखी गई। जीएसटी तथा राज्य उत्पाद शुल्क पिछले वर्ष की तुलना में कम रहे। कर संग्रह में काफी सुधार के बावजूद, राजस्व प्राप्ति अभी भी व्यय की गति से मेल नहीं खा रही है, कुल व्यय 31,740 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो बजट में निर्धारित 2.63 लाख करोड़ रुपये का लगभग 12.05 प्रतिशत है। इसके अलावा, सरकार ने दो महीनों के भीतर अपने वार्षिक सब्सिडी आवंटन 16,345.23 करोड़ रुपये का 31 प्रतिशत (5,199 करोड़ रुपये) पहले ही खर्च कर दिया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि से बहुत बड़ा अंतर है, जब यह वार्षिक आवंटन का 12.81 प्रतिशत था।

पूंजीगत व्यय 3,277 करोड़ रुपये पर कम रहा, जो 36,504.45 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 8.98 प्रतिशत है, जो दर्शाता है कि बुनियादी ढांचे का निर्माण पीछे छूट गया है।

इससे मध्यम अवधि में विकास रुक सकता है और आवर्ती दायित्वों के पक्ष में विकास व्यय को कम करने की चिंता बढ़ जाती है। इस बीच, शुद्ध बाजार उधारी 54,009 करोड़ रुपये के वार्षिक परिव्यय के मुकाबले 9,389.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिससे राज्य पर बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर चिंता बढ़ गई। यद्यपि कर राजस्व वृद्धि स्थिर रही, लेकिन प्रतिबद्ध देनदारियों, विशेषकर सब्सिडी और पेंशन में तीव्र वृद्धि के कारण आने वाले महीनों में राजकोषीय दबाव उच्च रहने की उम्मीद है।

खड़े ट्रक में ऑटो के टकराने से एक की मौत, दो घायल

मंचेरियल, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के इंदाराम गांव में शुक्रवार को एक ऑटो रिक्शा के खड़े ट्रक से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान ऑटो-रिक्शा के चालक अशोक के रूप में हुई है।

घायल यात्रियों स्वप्ना और अज़ीम को पेड्डापल्ली जिले के गोदावरीखानी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अशोक द्वारा तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई।

जूनियर डॉक्टरों ने की 30 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सभी 34 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के जूनियर डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व करने वाले तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने 30 जून से अनिश्चितकालीन राज्यव्यापी हड़ताल शुरू करने का फैसला किया है। टीजेयूडीए के सदस्यों ने शुक्रवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) को हड़ताल का नोटिस दिया, जिसमें कहा गया कि नवंबर 2024 से बार-बार अनुवर्ती कार्रवाई के बावजूद राज्य सरकार ने उनकी कोई भी मांग पूरी नहीं की है।

जूनियर डॉक्टरों की मुख्य चिंता वजीफे के वितरण में लगातार हो रही देरी है, जबकि राज्य सरकार ने समय पर भुगतान का बार-बार आश्वासन दिया है। पीजी, हाउस सर्जन और सीनियर रेजिडेंट के वजीफे पिछले तीन महीनों से लंबित हैं और जूनियर डॉक्टर हर महीने की 10 तारीख तक वजीफे का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ग्रीन चैनल की मांग कर रहे हैं।

राज्य सरकार ने जनवरी 2025 से प्रभावी वजीफा बढ़ाने के लिए जीओ एमएस नंबर 59 जारी किया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया है। चिकित्सक जनवरी 2025 से लंबित बकाया राशि के वितरण की मांग कर रहे हैं। चिकित्सकों ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, संकाय भर्ती कैलेंडर और निजी मेडिकल कॉलेजों में वजीफे की अनियमितताओं के मुद्दे पर ध्यान दे।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में फीस पर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की तैयारी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार तेलंगाना में इंजीनियरिंग कॉलेजों में फीस संरचना पर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की योजना बना रही है। शिक्षण स्टाफ, शिक्षण मानकों, प्रयोगशाला सुविधाओं, भवनों और अन्य बुनियादी सुविधाओं सहित इंजीनियरिंग कॉलेजों के हर पहलू की जांच करके फीस संरचना को अंतिम रूप दिया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे पाठ्यक्रमों की बढ़ती मांग को देखते हुए, जिसका प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर भी मजबूत प्रभाव पड़ता है, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी चाहते हैं कि तेलंगाना राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेज विश्व स्तरीय मानकों के साथ प्रतिस्पर्धा करें। इसके लिए सरकार एक नई व्यवस्था बनाने की योजना बना रही है, ताकि कॉलेज बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार के परामर्श से योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ सकें।

इस प्रक्रिया में, राज्य भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एआईसीटीई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बेहतर सुविधाएं, शिक्षण स्टाफ, प्रयोगशालाएं आदि होने की उम्मीद है और सरकार फीस संरचना निर्धारित करने के लिए इन मापदंडों पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस्लामिक एकेडमी ऑफ एजुकेशन बनाम कर्नाटक और पीए इनामदार एवं अन्य बनाम महाराष्ट्र के मामलों में निर्देश दिया है कि फीस को अंतिम रूप देते समय सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, व्याख्याताओं, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन, कॉलेज की भविष्य की योजनाओं और कॉलेज के मानकों को बढ़ाने के लिए लिए गए निर्णयों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। राज्य सरकार ने फीस निर्धारण में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को ध्यान में रखने का फैसला किया है। पिछली सरकार ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में सुविधाओं, शिक्षण स्टाफ और अन्य मुद्दों पर सतर्कता और प्रवर्तन विभाग द्वारा निरीक्षण कराया था। विभाग ने फील्ड निरीक्षण किया और एक रिपोर्ट तैयार की। लेकिन पिछली सरकार ने रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके बजाय पिछली सरकार ने कुछ कॉलेजों को फीस बढ़ाने की छूट दे दी और कुछ कॉलेजों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाया। इस संदर्भ में राज्य सरकार ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने और रिपोर्ट की जांच के साथ ही फीस पर निर्णय लेने के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया है। साथ ही राज्य सरकार ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया को तय समय में पूरा करने का निर्णय लिया है।

एसएससी पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025 के नतीजे घोषित

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को घोषित एसएससी पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025 के परिणाम में 73.35 प्रतिशत उत्तीर्ण दर्ज किया गया है। कुल 42,834 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया, 38,741 उपस्थित हुए और 28,415 उत्तीर्ण हुए (73.35 प्रतिशत)। लड़कियों ने लड़कों की तुलना में 6.03 प्रतिशत अधिक उत्तीर्णता हासिल की।

कुल 23976 लड़कों ने 71.05 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की, जबकि 11381 लड़कियों ने 77.08 प्रतिशत उत्तीर्णता हासिल की। नतीजे वेबसाइट पर डाले गए हैं। जिलों में, जनगांव में 100 प्रतिशत छात्र पास हुए, जबकि सांगा रेड्डी जिला 55.90 प्रतिशत पास के साथ अंतिम स्थान पर रहा। अभ्यर्थी 7 जुलाई तक या उससे पहले उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्गणना और पुनः सत्यापन के लिए क्रमशः 500 रुपये और 1,000 रुपये प्रति विषय शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-VAC-001

(1) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-STGen-86-25-1 (Misc-Static-Services - Static General)
विवरण : PAD, खान पान की सामग्रीओं एवं पानी की बोतलों के भंडारण (Storage) के लिए विशाखापट्टनम स्टेशन (प्लेटफॉर्म परिसर के बाहर) पर PRS के पीछे की गेट की ओर खाली जगह के उपयोग के लिए ठेका।

(2) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-STGen-84-25-1 (Misc-Static-Services - Static General)
विवरण : PAD, खान पान की सामग्रीओं एवं पानी की बोतलों के भंडारण (Storage) के लिए विशाखापट्टनम स्टेशन (प्लेटफॉर्म परिसर के बाहर) पर प्लेटफॉर्म नं. 8 (लिनेन स्टोर) की ओर खाली जगह के उपयोग के लिए ठेका।

(3) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-STGen-85-25-1 (Misc-Static-Services - Static General)
विवरण : PAD, खान पान की सामग्रीओं एवं पानी की बोतलों के भंडारण (Storage) के लिए विशाखापट्टनम स्टेशन (प्लेटफॉर्म परिसर के बाहर) के दक्षिण छोर पर प्लेटफॉर्म नं. 1 की ओर खाली जगह के उपयोग के लिए ठेका।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 02.07.2025 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु), लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 02.07.2025 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु) एवं 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-286/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

पे एंड यूज टॉइलेट्स की ई-नीलामी

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-PnU-00047

(1) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-KKGM-Toi-71-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : काकिरिगुमा स्टेशन में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

(2) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-LKMR-Toi-67-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : लक्ष्मीपुर रोड में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

(3) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-TKRI-Toi-69-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : टिकिरि स्टेशन में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

(4) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-SPRD-Toi-70-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : सिंगापुर रोड में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

(5) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-SGRM-Toi-66-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : सिंगाराम स्टेशन में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

(6) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-KTGA-Toi-65-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : केउटगुडा स्टेशन में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

(7) लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-BLMK-Toi-68-25-1 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : भालूमास्का स्टेशन में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 05.07.2025 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु), लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 05.07.2025 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु), 1200 बजे (क्रम सं. 4 हेतु), 1210 बजे (क्रम सं. 5 हेतु), 1220 बजे (क्रम सं. 6 हेतु) एवं 1230 बजे (क्रम सं. 7 हेतु)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-292/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-23-2025 दिनांक: 20.06.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर गुमड़ा-पार्वतीपुरम के बीच कि.मी.357/13-14 में समपार सं. RV-260 एवं कि.मी.365/13-14 में समपार सं. RV-264 पर मानवयुक्त समपार के बदले में सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 9,41,36,915.24, EMD : ₹ 6,20,700/-

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-24-2025 दिनांक: 20.06.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर गुमड़ा-पार्वतीपुरम के बीच कि.मी.379/8-10 में समपार सं. RV-275 एवं कि.मी.383/30-32 में समपार सं. RV-279 पर मानवयुक्त समपार के बदले में सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 8,62,10,991.73, EMD : ₹ 5,81,100/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 17.07.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-285/Q/25-26

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

सीएम योगी बोले- एमएसएमई आत्मनिर्भर भारत का आधार, लांच की एप

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए यूथ अड्डा और सीएम युवा एप का शुभारंभ किया। इसके पहले सीएम योगी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि एमएसएमई इकाईयां 'आत्मनिर्भर' भारत का आधार हैं। अपने अथक परिश्रम से प्रदेश को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रहे सभी उद्यमियों को एमएसएमई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार उद्यम एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु सतत क्रियाशील है।

बिहार में कांग्रेस ने आरजेडी को दी बड़ी राहत

कन्हैया कुमार ने बताया कौन होगा मुख्यमंत्री का चेहरा

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा कौन होगा? इसको लेकर कांग्रेस ने तस्वीर साफ कर दी है। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को कहा कि 'महागठबंधन' की तरफ से मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव के प्रमुख चेहरा होने को लेकर कोई असमंजस और विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, "विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के जीतने पर सबसे बड़े घटक दल के रूप में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का नेता ही स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री होगा। कन्हैया कुमार ने कहा कि चुनाव में मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक 'साजिश' के तहत इनसे ध्यान भटकाने के लिए बार-बार चेहरे की बात की जा रही है।

बदलाव की बयार है- कन्हैया कुमार

कन्हैया कुमार ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, ''मेरे खयाल से पिछली बार भी बदलाव का माहौल था। थोड़े अंतर से महागठबंधन की सरकार नहीं बन पाई। पिछले पांच वर्षों से बिहार की जो स्थिति है, उससे लगता है कि (इस बार) बदलाव की बयार पहले से ज्यादा मजबूत है। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की संभावना है। बिहार में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के घटक दलों के गठजोड़ को 'महागठबंधन' के नाम से जाना जाता है। इस गठबंधन में वाम दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। उसका मुकाबला एनडीए से है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बीजेपी, नीतीश कुमार की जेडीयू, जीतन राम मांझी की हम, चिराग पासवान की एलजेपी (आर) और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम शामिल है। पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 52 प्रतिशत की सफलता दर से 75 सीटें हासिल की थी। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसे 27 प्रतिशत सीटों पर ही सफलता मिली थी और उसने सिर्फ 19 सीटें जीती थीं। भाकपा (माले) लिबरेशन ने 19 सीट पर चुनाव लड़ा और 12 पर जीत हासिल की थी यानी उसे 63 प्रतिशत सीटों पर कामयाबी मिली थी।

नीतीश कुमार पर क्या बोले कन्हैया कुमार?

कन्हैया कुमार ने दावा किया कि बीजेपी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाकर, इस पद पर अपना चेहरा लाने की कोशिश में है। उन्होंने कहा, "ऐसा नहीं है कि वे नीतीश जी के अस्वस्थ होने पर यह कोशिश कर रहे हैं। वह पहले भी प्रयास कर चुके हैं। भाजपा पिछले कई दशकों से बिहार में वही करना चाहती है जो दूसरी जगह करने में सफल रही है। मतलब पहले क्षेत्रीय दल का साथ पकड़ो और फिर धीरे-धीरे उसे निगल जाओ। बिहार में ऐसा न कर पाने की वजह से बीजेपी नीतीश का साथ लेने को मजबूर हुई।"

हाईवे पर खड़े लोगों को टैंकर ने रौंदा, तीन की मौत

शाहजहांपुर, 27 जून (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात टैंकर की टक्कर लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लोग बाराबंकी जिले और एक रामपुर का रहने वाला था। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र में फीलनगर के पास कार में सवार छह लोगों में पांच लोग बाइक सवार दो लोगों से सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल होने पर सभी को सीएचसी में भर्ती कार्य कराया गया।

पुलिस ने पांच वर्ष में 4950 करोड़ के मादक पदार्थ बरामद किए

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बीते 5 वर्षों के दौरान 2,82,450 किग्रा मादक पदार्थों की बरामदगी की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 4950 करोड़ रुपये है। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 50,282 मुकदमे दर्ज कर 57,965 ड्रग ट्रैफिकर्स को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों की 382 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। बता दें कि प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर युवाओं में नशे के विरुद्ध जनजागरूकता को बढ़ाने के लिए सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सेमिनार, नुक्कड़ नाटक, स्कूल-कॉलेजों के छात्र छात्राओं द्वारा साइकिल रैली, पैदल मार्च आदि का आयोजन किया गया। साथ ही, जनता को समाज में नशा उन्मूलन हेतु अपराधियों और उनके ठिकानों की सूचना देने के लिए भारत सरकार द्वारा '1933' नंबर पर डायल करने की अपील की गई। बता दें कि सीएम योगी के निर्देश पर अगस्त, 2022 से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया था। टास्क फोर्स द्वारा अभियान चलाकर अगस्त 2022 से 269 मुकदमे दर्ज करते हुए 744 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 283 करोड़ रुपये कीमत के 29,520 किग्रा मादक पदार्थ बरामद किए गए।

धमाकों से दहली नोएडा की पेंट फैक्ट्री, दूर तक उठी आग की लपटें

नोएडा, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे नोएडा में एक प्राइवेट केमिकल कंपनी की फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। नोएडा के सेक्टर-2 स्थित एक पेंट फैक्ट्री में आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार ऊपर उठने लगा। मौके पर फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि थाना फेस-वन क्षेत्र के सेक्टर-2 में स्थित शाम पेंट इंडस्ट्री केमिकल के कारखाने में सुबह 6 बजे के करीब अचानक आग लग गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर दमकल की सात गाड़ियां पहुंचीं। चौबे ने कहा कि आग की विकरालता को देखते हुए आसपास के जनपदों से और कुछ निजी कंपनियों के दमकल वाहनों को भी मौके पर बुलाया गया और 30 दमकल वाहनों की मदद से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

'आप हिन्दुओं को तोड़ने के लिए खड़े हो गए'

इटावा मामले को लेकर अखिलेश यादव पर भड़के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

इटावा, 27 जून (एजेंसियां)। यूपी के इटावा कथावाचकों के मामले पर बहस के बीच ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अखिलेश यादव तीखा हमला किया और कहा कि हमारे देश में राजनेता जिस तरह से बांटों और राज करो की सियासत कर रहे हैं वो इस घटना के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। आप पीडीए के जरिए हिन्दू समाज को तोड़ने के लिए खड़े हो, लेकिन हमने अपने धर्म का पालन किया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इस मामले हो रही राजनीति को लेकर अखिलेश यादव पर निशाना साधा और कहा कि बांटो और राज करो वाले राजनेता इस इटावा घटना के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं, जो राजनीतिक सफलता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद भी लोगों ने सनातन धर्म नहीं छोड़ा। ऐसे लोगों का खोखला झूठा विचार है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आप स्वप्न देख रहे हैं हम सनातनी हैं, सनातन के साथ खड़े रहेंगे। कुछ लोगों को तोड़कर आप पीडीए समीकरण बनाना चाहते हो तो ये ज्यादा दिन नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि वैसे हमें तो कोई राजनीति नहीं करनी है और ना ही राजनीतिक समीकरण में हमारी कोई रुचि है। लेकिन, हमारे परमात्मा द्वारा भी बनाया गया एक समीकरण है, जो वेदों से चला आ रहा है।

भारतीय मूल्यों के खिलाफ है लिव-इन रिलेशनशिप इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जताई चिंता

प्रयागराज, 27 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए शादी का झूठा वादा कर यौन शोषण के आरोपी शाने आलम को जमानत दे दी। कोर्ट ने इस दौरान लिव-इन रिलेशनशिप को भारतीय मध्यवर्गीय समाज के मूल्यों के खिलाफ बताते हुए इसकी बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। जिससे अब लिव-इन-रिलेशनशिप को लेकर नई बहस छिड़ सकती है। आरोपी शाने आलम पर भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। उस पर आरोप है कि एक नाबालिग लड़की के साथ शादी का झूठा वादा कर यौन संबंध बनाए और बाद में शादी से इंकार कर दिया। पीड़िता के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि यह स्पष्ट रूप से शोषण का मामला है। आरोपी 25 फरवरी से जेल में था। जस्टिस सिद्धार्थ की एकल पीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप की अवधारणा भारतीय मध्यवर्गीय समाज के स्थापित मूल्यों के विपरीत है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप को वैध ठहराए जाने का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि इसके बाद से ऐसे मामलों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिससे अदालतें परेशान हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप के दुष्परिणामों पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है, क्योंकि यह युवाओं को आकर्षित तो कर रहा है, लेकिन इसके सामाजिक और कानूनी प्रभाव गंभीर हैं।

जमानत देते समय कोर्ट ने आरोपी के आपराधिक इतिहास न होने, जेल में लंबे समय तक हिरासत और जेलों में भीड़भाड़ जैसी परिस्थितियों को ध्यान में रखा। हालांकि, जमानत सशर्त दी गई है, और मामले की गंभीरता को रेखांकित किया गया। कोर्ट की टिपण्णी ने लिव-इन-रिलेशनशिप को लेकर कानून और समाज के बीच एक नई बहस पैदा कर दी है।

मलिहाबाद में थाने से 100 मीटर दूर चल रही थी असलहा फैक्टरी, एक हिरासत में

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। मलिहाबाद के मिर्जागंज गांव में थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर हकीम सलाउद्दीन के मकान में अवैध असलहा फैक्टरी चल रही थी। इसकी सूचना पर बृहस्पतिवार देर रात पुलिस ने छापा मारा। करीब पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन में बड़ी संख्या में अवैध असलहे और कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने सलाउद्दीन को हिरासत में ले लिया है। इससे पहले मुखबिर की सूचना पर मलिहाबाद और रहीमाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारा। इस दौरान अवैध असलहे बनाने के उपकरण भी मिले हैं। एडीसीपी नॉर्थ जितेंद्र दुबे के मुताबिक बृहस्पतिवार शाम छह बजे महिलाबाद पुलिस को मिर्जागंज गांव में एक हकीम के घर असलहे होने की जानकारी मिली। इस पर एसीपी मलिहाबाद और दोनों थानों की पुलिस ने घर पर छापा मारा। इस दौरान हकीम सलाउद्दीन, उसकी पत्नी और बेटी मौजूद थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि सलाउद्दीन दवाखाना चलाता थे। कुछ महीने पहले उनके तीन परिजनों की हत्या हो गई थी। सलाउद्दीन की एक बेटी नार्वे में पढ़ाई करती है और दूसरी इंटीग्रल में पढ़ रही है। पुलिस ने कुछ अन्य संदिग्धों को भी पकड़ा है। पुलिस की कार्रवाई के बाद स्थानीय लोग भी हैरत में हैं। अंदेशा है कि सलाउद्दीन बड़े स्तर पर प्रदेश में असलहों की सप्लाई कर रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस को उसके घर में ओवैश नाम का युवक भी मिला।

बेऊर जेल से रची गयी थी 10 लाख की डकैती की साजिश, पूर्व एमएलसी का बेटा निकला मास्टरमाइंड

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। पटना के बेऊर जेल में बंद कुख्यात साइको किलर अविनाश श्रीवास्तव ने बोकरो में आस्था ज्वेलर्स डकैती की पूरी साजिश जेल में बैठकर रची थी। उसने अपने गैंग के सदस्यों को निर्देश दिए और पूरी प्लानिंग पुरुलिया में बैठकर की गई। वारदात के बाद सभी आरोपी पटना लौटे और एक किराये के फ्लैट में छिप गए, लेकिन एसटीएफ और पटना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गैंग का पर्दाफाश हो गया। डकैती की घटना को अंजाम देने के बाद गिरोह के चार सदस्य राहुल पटेल उर्फ डायमंड, रौशन सिंह, नितेश कुमार और आदित्य राय पटना के आलमगंज इलाके में किराये के फ्लैट में छिप गए थे। वहीं, प्रिंस और मुसाफिर हवारी को मोतिहारी से गिरफ्तार किया गया। इन सभी के पास से करीब 10 लाख रुपये मूल्य के गहने, 13,820 रुपये नकद और दो लग्जरी कारें बरामद की गईं। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गैंग ने इसके बाद 14 जून को दो बदमाशों ने पटना के आस्था ज्वेलर्स की रेकी की और फिर 23 जून को दुकान में हथियारों से लैस होकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया।

एक वर्ष में 13 फीसदी राजस्व की रिकॉर्ड वृद्धि

लखनऊ जोन ने कमाया 33 हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। सेंट्रल जीएसटी के लखनऊ जोन ने एक वर्ष में 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। जीएसटी के रूप में 22321 करोड़ व एक्साइज के रूप में 11 हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व भी अर्जित किया है। एक वर्ष में यूपी में 1.33 लाख नए व्यापारी जोड़े हैं। 1345 करोड़ की कर चोरी भी पकड़ी है। ये उपलब्धि विभाग ने सिर्फ 113 अधीक्षकों के दम पर हासिल की है, जो एक रिकॉर्ड है। इस राजस्व में नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ जोन शामिल नहीं है। सेंट्रल जीएसटी का लखनऊ जोन देश के सबसे महत्वपूर्ण जोन में से एक है। यहां सबसे ज्यादा करदाता हैं। लखनऊ जोन में प्रति रेंज औसत करदाताओं की संख्या करीब 4600 है, जबकि राष्ट्रीय औसत 1700 का है। राजस्व के मामले में भी इसका बड़ा योगदान है। अकेले इस जोन में 6.45 लाख से ज्यादा करदाता हैं। पिछले एक वर्ष में सेंट्रल जीएसटी में 1.33 लाख नए करदाता जुड़े हैं। लखनऊ जोन ने सीमित कार्यबल में एक और उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 24-25 में 1345 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी, जबकि 23-24 में 484 करोड़ की कर चोरी पकड़ी गई थी। यानी एक वर्ष में टैक्स चोरी की रकम तीन गुना ज्यादा पकड़ी गई, जो यूपी में सबसे ज्यादा है। दो वर्ष में करीब 700 करोड़ रुपये टैक्स चोरों से जमा भी कराए गए। चीफ कमिश्नर जीएसटी प्रदीप कुमार कटियार का कहना है कि लखनऊ जोन ने 113 अधीक्षकों की टीम के साथ जीएसटी के रूप में 22321 करोड़ और सेंट्रल एक्साइज के रूप में 11 हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व हासिल किया है। जोन ने 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। वित्तमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि ईमानदार करदाताओं की मदद करें और उनका सम्मान करें। उनकी समस्याओं का निस्तारण विभाग की शीर्ष प्राथमिकता है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष से मिले सांसद पप्पू यादव

वंदे भारत-आम्रपाली एक्सप्रेस को पूर्णिया के रास्ते चलाने की मांग

पूर्णिया, 27 जून (एजेंसियां)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने नई दिल्ली में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार से मुलाकात की है। इस दौरान वंदे भारत और आम्रपाली एक्सप्रेस को वाया पूर्णिया चलाने की मांग की है। कोसी-सीमांचल के रेल संबंधी मांगों को लेकर आग्रह पत्र सौंपा। कटिहार-छपरा रूट पर वैकल्पिक रेलवे लाइन निर्माण को लेकर सार्थक चर्चा की।

सांसद पप्पू यादव ने कहा, 'सीमांचल और कोसी अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में बसे जोगबनी, पूर्णिया जं। कोर्ट स्टेशन, के। नगर, बनमनखी, जानकी नगर, मुरलीगंज, मधेपुरा, सहरसा को जोड़ते हुए पटना तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाए। इससे न केवल इस पिछड़े अंचल को राजधानी से तीव्र गति संपर्क मिलेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों की भी पहुंच सुलभ हो सकेगी। पप्पू यादव ने बिहारीगंज, वीरपुर-त्रिवेणीगंज रेल परियोजना के सर्वेक्षण स्वीकृति पर धन्यवाद दिया, लेकिन अभी तक कार्य शुरू न होने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र हर साल 6 महीने जलमग्न रहता है। ऐसे में यह रेल परियोजना जीवनरेखा बन सकती है।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो रही सियासी बिसात

सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में बसपा

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बसपा के राज्यसभा सांसद सह नेशनल कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम ने बीते दिन कहा, 'बीएसपी बिहार चुनाव की तैयारी कर रही है। हम सभी सीटों पर अकेले लड़ेंगे।' इससे पहले पटना मे बसपा ने छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती समारोह का आयोजन किया। इस दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद खुद मौजूद रहे। इससे पहले अप्रैल में रामजी गौतम ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया हथा। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।

वह किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी। पटना में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा था कि अगर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बिहार में बनती है तो मायावती की ओर से गरीबों और वंचितों के लिए शुरू की गई योजनाओं को उत्तर प्रदेश की तरह यहां भी लागू किया जाएगा। बसपा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के अधिकार और सम्मान के लिए काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी।

ईओयू की बड़ी कार्रवाई, खाद्य निगम के लेखापाल के छह ठिकानों पर छापा

पटना/ मुजफ्फरपुर/ वैशाली, 27 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बिहार राज्य खाद्य निगम के मोतिहारी कार्यालय में पदस्थापित लेखापाल राजेश कुमार के कुल छह ठिकानों पर छापेमारी है। ईओयू की अलग-अलग टीम पटना, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और मोतिहारी के छह ठिकानों पर पहुंची है। सभी जगह पर सुरक्षाकर्मियों गेट पर तैनात हैं। बाहर से किसी को भी अंदर आने नहीं दिया जा रहा है। इधर, ईओयू के अपर पुलिस

महानिदेशक नैयर हसैनन खान की इस छापेमारी की पुष्टि की। कहा कि बिहार राज्य खाद्य निगम, मोतिहारी के लेखापाल राजेश कुमार के खिलाफ आय से लगभग 201.94 प्रतिशत अधिक संपत्ति का केस दर्ज है। न्यायालय के आदेश पर राजेश कुमार के छह ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। बताया जा रहा है कि इन ठिकानों राजेश कुमार का निजी घर, पैतृक घर, रिश्तेदारों के घर के अलावा कुछ संदिग्ध संपति भी है। मोतिहारी में भी ईओयू की टीम राजेश कुमार से जुड़े सभी दस्तावेजों का खाद्य निगम कार्यालय में गहनता से जांच कर रही है। ईओयू से जुड़े सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह सामने आई है कि राजेश कुमार ने आय के वैध स्रोतों के तुलना से कई गुना अधिक संपति अर्जित की है। जांच में कई नकदी लेन देन जमीन में बड़े निवेश के अलावा फर्जी बैंक खाता से काला धन को सफेद करने की कोशिश के संकेत मिले है। इतना ही नहीं राजेश कुमार ने अपने कुछ करीबी रिश्तेदारों के नाम पर भी करोड़ों की संपति किए हुए है, जिनकी जांच की जा रही है। हाजीपुर के दिग्गी इलाके में भी ईओयू की टीम छापेमारी करने पहुंची तो लेखापाल राजेश कुमार के परिजनों दंग रह गए। ईओयू के अधिकारियों ने घर को सील कर दिया। घर के सदस्यों को छापेमारी के बारे में जानकारी दी। इसके बाद घर का कोना-कोना खंगालने में जुट गए। इधर, घटना भारी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और यह चर्चा का विषय बन गया।

आजम खान का परिवार अखिलेश यादव की पार्टी से नाराज? जेल में मिलने आई पत्नी का दर्द झलका

सीतापुर, 27 जून (एजेंसियां)। क्या आजम खान का परिवार समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव से नाराज है? अटकलें इसलिए लग रही हैं क्योंकि आजम खान की पत्नी तंजीम फातिमा ने सपा से मदद के सवाल कहा कि उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं है। उन्हें सिर्फ अल्लाह से उम्मीद है। जेल में आजम खान से सपा के नेता क्यों नहीं मिलने आते। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि

सपा के लोग ही जानें। जानकारी के अनुसार, यूपी के सीतापुर जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खान से मिलने गुरुवार को उनकी पत्नी और पूर्व सांसद तंजीम फातिमा पहुंची। फातिमा के साथ बेटे अदीब आजम और सपा नेता शावेज खान ने भी आजम खान से मुलाकात की। यह मुलाकात करीब 1 घंटे 42 मिनट तक चली। जेल से बाहर निकलने के बाद पूर्व सांसद तंजीन फातिमा काफी भावुक नजर आईं। जब उनसे पूछा गया कि क्या सपा आजम खान का समर्थन कर रही है, तो उन्होंने कहा कि मुझे अब किसी पर भरोसा नहीं है। अब सिर्फ अल्लाह ही मदद कर सकता है। तंजीम फातिमा ने क्या कहा यहां सुनें तंजीम फातिमा ने जेल में बंद पति आजम खान के स्वास्थ्य के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वह बहुत कमजोर हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। फातिमा ने कहा कि तबीयत क्यों न खराब हो। इतनी ज्यादा कर्मी है। एक कोठरी में रह रहे हैं। मुलाकात के दौरान तंजीन अपने साथ आजम के लिए उनका पसंदीदा 10 किलो दशहरी आम लेकर आईं। साथ ही आजम खान को जरूरी दवाइयां भी लाकर दीं। उन्होंने जेल अधिकारियों से अपने पति की मेडिकल स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। आजम के बड़े बेटे अब्दुल्ला आजम ने शनिवार को उनसे मुलाकात की थी और 5 किलो दशहरी आम, दवाएं और खाने का सामान लेकर आए थे। उन्होंने अपने पिता के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की

रजिस्ट्री ऑफिस के पास चली गोली, दो घायल

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। राजधानी पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित निबंधन कार्यालय (रजिस्ट्री ऑफिस) के पास गुरुवार को अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब वहां गोली चलने की आवाज सुनाई दी। घटना में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें गंभीर हालत में पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच.) में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली चलते ही मौके पर भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। बताया गया है कि यह फायरिंग रजिस्ट्री ऑफिस में तैनात एक सुरक्षा गार्ड की दोनाली बंदूक से भूलवश हुई, जिससे दो लोगों के हाथ और पैर में गोली लगी। घटना की जानकारी मिलते ही गांधी मैदान थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पटना सेंट्रल एसपी सुश्री दीक्षा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि यह गोली गार्ड की लापरवाही से चली है। उन्होंने कहा कि घायलों को तुरंत पीएमसीएच भेजा गया है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरी घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पता लगाया जा रहा है कि सुरक्षा में तैनात गार्ड से गोली कैसे चल गई और इस लापरवाही के पीछे जिम्मेदारी किसकी है। गोली चलने की घटना के बाद स्थानीय लोग काफी दहशत में हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामला पूरी तरह से नियंत्रण में है और जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुरेंद्र दुबे का अंतिम संस्कार, कुमार विश्वास शामिल हुए

कहा- छत्तीसगढ़ की बात दमदारी से रखते थे, इनका जाना प्रदेश के लिए बड़ी क्षति

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हंसी की बारीक परतों में गंभीर बातें कहने वाले पद्मश्री हास्य कवि डॉ. सुरेन्द्र दुबे अब हमारे बीच नहीं हैं। गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। मारवाड़ी श्मशान घाट पर आज उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें कुमार विश्वास भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र दुबे का जाना प्रदेश की बड़ी क्षति है, वे छत्तीसगढ़ की बात दमदारी से रखते थे।

बता दें कि शब्दों के इस जादूगर के लिए एक 'अभिनंदन ग्रंथ' तैयार किया जा रहा था। जिसमें उनके जीवन, लेखनी, संघर्ष और स्मृतियों को सहेजने की कोशिश की जा रही थी। प्रकाशक सुधीर शर्मा ने बताया कि पिछले चार महीनों से इस ग्रंथ पर काम चल रहा था, जिसमें उनके पिता गर्जन सिंह दुबे, पुत्र डॉ. अभिषेक दुबे और खुद सुरेन्द्र दुबे की दुर्लभ रचनाएं, तस्वीरें और पत्र शामिल थे।

लेकिन किताब पूरी होने से पहले ही शब्दों का ये जादूगर इस दुनिया को अलविदा कह गया। अगले महीने किताब का विमोचन होना था। सुरेंद्र दुबे का बेमेतरा से अमेरिका पहुंचना और एक डॉक्टर का कवि बनने तक का सफर

"हम दोनों बैठे थे, अचानक सुरेन्द्र भाई ने मुझसे पूछा – 'आपकी उम्र क्या है?' मैंने जब बताया, तो मुस्कुराते हुए बोले – 'अरे, आप तो मुझसे पांच महीने बड़े हैं यानी आप ज़्यादा सम्मानीय हुए। अब उम्र के हिसाब से बात करनी होगी।'"

इसके बाद दोनों ने बिना शक्कर की चाय पी। बातचीत हल्की-फुल्की थी, लेकिन मीर बताते हैं कि उस दिन सुरेन्द्र दुबे कुछ अलग ही मनःस्थिति में थे।

"वे कहने लगे - 'मैं अब ज्यादा कार्यक्रम नहीं लेता इसलिए अब रेट ज़्यादा बताता हूं, ताकि आयोजक सोच लें। बहुत कर लिया ज़िंदगी में अब ज्या कुछ नहीं करना।' ये बात उन्होंने बड़े ठहराव के साथ कही। और मुझे यह बदलाव उनके भीतर नया लगा।"

कवि मीर अली मीर बताते हैं कि एक बार सुरेन्द्र दुबे के साथ कविता पाठ के लिए खौली और भानसोज गांव जाना हुआ।

"उनके स्वागत में गांव के लोग उमड़ पड़े थे। मंच पर जब वो पहुंचे तो एक-एक कर लोग उन्हें छत्तीसगढ़िया गमछा पहनाने लगे। साथ में नारियल भी देने लगे। धीरे-धीरे मंच पर 150 से ज्यादा गमछे और नारियल इकट्ठा हो गए थे।

"वो बोले- 'कोई एक बोरा मंगवाइए, सारे गमछे-नारियल उसी में भरकर ले जाएंगे।' लोग ठहाका मारकर हँसे लेकिन कार्यक्रम के बाद उन्होंने वो सारे गमछे और नारियल गांव के ही लोगों में बांट दिए। ये उनका बड़प्पन था-सम्मान को अपने लिए नहीं, समाज के लिए स्वीकार करना। एक और किस्सा मीर अली मीर ने साझा किया, जो सुरेन्द्र दुबे की अनुशासन और आत्मसंयम को दर्शाता है।

"एक बार हम भाटापारा किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। सुबह के चार बज चुके थे। सब थके हुए थे, भूख लगी थी। उनका टिफिन पीछे सीट पर रखा था। हम सबने कहा कि चलिए खाना खा लेते हैं।" लेकिन सुरेन्द्र जी ने तुरंत मना कर दिया। वे बोले -'पहले ब्रश करूंगा, फिर खाऊंगा।' और सच में उन्होंने पास की दुकान से ब्रश खरीदा, ब्रश किया और फिर खाना खाया। वो मंच पर जितने सहज थे, अपने जीवन में उतने ही सलीकेदार और नियमित थे।

देवेन्द्र परिहार ने एक घटना का जिक्र किया जब वे मुंगेली जिले के नगरा गांव में एक कवि सम्मेलन में सुरेन्द्र दुबे के साथ पहुंचे थे।

"उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि आसपास के गांवों से हजारों लोग उन्हें सुनने पहुंचे। जब गाड़ी से उतरे, तो जैसे किसी दूल्हे की अगवानी हो रही हो- आतिशबाजियां, पटाखे, माला और जयकार सब कुछ उसी अंदाज में हुआ।"

परिहार कहते हैं कि ये सब देखकर खुद दुबे जी मुस्कुरा पड़े और बोले- "अब लगता है कविताओं का भी बारात जैसा स्वागत होगा। डॉ. सुरेन्द्र दुबे सिर्फ मंचीय हास्य कवि नहीं थे। उनके भीतर कला के कई चेहरे जिंदा थे। नाटक, दूरदर्शन लेखन, सिनेमा और अभिनय तक उनका रुझान था। बेमेतरा में अपने किशोरावस्था के दिनों में सुरेन्द्र दुबे ने कई बार रामलीला में सीता का किरदार निभाया। दर्शकों की तालियों और लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से उन्हें पहली बार मंच की ताकत का अहसास हुआ।

सुरेन्द्र दुबे के भतीजे संदीप अखिल बताते हैं कि कॉलेज के दौरान बेमेतरा में अपने कुछ दोस्तों के साथ उन्होंने फिल्म बनाने का सपना भी देखा था। स्क्रिप्ट पर बात होती, किरदारों की चर्चा होती लेकिन जिंदगी ने साहित्य को उनकी पहली प्राथमिकता बना दिया।

उनकी रचनात्मकता सिर्फ कविताओं तक सीमित नहीं थी। उन्होंने दूरदर्शन के लिए कई नाटक लिखे, जिनमें 'सूरदास को सब दिखता है' जैसे प्रयोगात्मक नाटक भी शामिल हैं। जिसमें हास्य और व्यंग्य एक साथ दिखाई दिए।

उनका मंचीय रुतबा ऐसा था कि लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से उन्होंने आठ बार कवि सम्मेलन में कविता पाठ किया। यह किसी भी मंचीय कवि के लिए गर्व का विषय है और छत्तीसगढ़ के लिए तो और भी बड़ी बात।

8 अगस्त 1953 को छत्तीसगढ़ के बेमेतरा (तब दुर्ग जिले का हिस्सा) में जन्मे डॉ. सुरेन्द्र दुबे पेशे से आयुर्वेदिक डॉक्टर थे। लेकिन उनकी असली पहचान एक ऐसे कवि की थी, जिसकी कलम हंसी की चाशनी में लिपटी व्यंग्य की धार लिए चलती थी। जीवन के गंभीर पहलुओं को भी वे हल्के-फुल्के अंदाज़ में कह जाते, और श्रोताओं को हंसाते-हंसाते सोचने पर मजबूर कर देते थे।

शराब दुकानों में रांची उत्पाद मुख्यालय की टीम की छापेमारी

सरकारी दुकान से नकली शराब की 450 बोतलें जब्त, पांच सेल्समैन हिरासत में

धनबाद, 26 जून (एजेंसियां)। धनबाद की सरकारी शराब दुकानों में अवैध रूप से नकली शराब बेचे जाने का खुलासा हुआ है। गुरुवार को रांची उत्पाद विभाग की टीम की छापेमारी में नकली शराब बेचे जाने का पर्दाफाश हुआ।

नकली शराब 8 लेन रोड पर स्थित मेमको मोड़ और गोल बिल्डिंग के पास स्थित सरकारी शराब दुकानों से मिली है। छापेमारी में दोनों दुकानों से अलग-अगल पॉपुलर ब्रांडो की छोटी-बड़ी 450 बोतलों में नकली शराब मिली है।

नकली शराब भी प्रिंट रेट से ज्यादा कीमत पर बेची जा रही थी। उत्पाद टीम ने मेमको मोड़ शराब दुकान से सेल्समैन राजेश कुमार, आकाश सिंह, अजय कुमार सिंह और गोल बिल्डिंग दुकान से सेल्समैन रंजीत कुमार और ब्रजेश कुमार को हिरासत में लेकर धनबाद उत्पाद विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया। इनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

धनबाद में प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बेचे जाने को लेकर आए दिन हंगामा होता रहा है। इसकी शिकायत भी उत्पाद विभाग से की जाती थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होती थी। कई बार सरकारी दुकानों में नकली शराब बेचे जाने की शिकायत भी विभाग से की गई थी। छापेमारी के दौरान प्रिंट रेट से अधिक कीमत की वसूली की पुष्टि हुई।

रांची उत्पाद विभाग की छापेमारी से धनबाद उत्पाद विभाग को अलग रखा गया था। मेमको मोड़ की दुकान से अलग-अलग ब्रांड की 217 और गोल बिल्डिंग शराब दुकान में 233 बोतल नकली शराब मिली। यह वे ब्रांड हैं, जिनकी खरीदारी अधिक होती है। कार्रवाई के बाद धनबाद उत्पाद विभाग को सूचना दी गई। रांची उत्पाद मुख्यालय को जिले की सरकारी दुकानों में नकली शराब बेचे जाने और एमआरपी से अधिक पैसे की वसूली की शिकायत मिली थी। शिकायत की जांच के लिए रांची उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

इसकी सूचना धनबाद उपायुक्त को दी गई। उपायुक्त के निर्देश पर आरएन ठाकुर को दंडाधिकारी को नियुक्त किया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में गुरुवार की शाम मेमको मोड़ और गोल बिल्डिंग स्थित दो सरकारी शराब दुकानों में एक साथ छापेमारी की गई।

3 जिलों में हैवी रेन, 30 में यलो अलर्ट

सूरजपुर-रायगढ़ में बिजली गिरेगी, बिलासपुर-कोरबा में तेज हवा चलेगी, 24 से अधिक जिलों में बरसा पानी

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। गुरुवार को रायपुर-दुर्ग समेत प्रदेश के 106 जगहों पर बारिश हुई। औसत बारिश का आंकड़ा 36.79 मिमी रहा। ये इस महीने का सबसे ज्यादा है। मौसम विभाग की माने तो अगले 6 दिनों तक यही स्थिति रहेगी।

मौसम विभाग ने आज (शुक्रवार) रायगढ़, सूरजपुर और कोरिया इन तीन जिलों के साथ अन्य 30 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने का यलो अलर्ट जारी किया है। तापमान की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 31.2 डिग्री सेल्सियस के साथ बिलासपुर सबसे गर्म रहा।

1 जून से 26 जून तक प्रदेश में 112.6 मिमी बारिश हो चुकी है। सामान्यता जून में इस समय तक 149.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की जाती है। इस लिहाज से अब तक बारिश लगभग 25% कम हुई है। सबसे ज्यादा बारिश बलरामपुर में हुई है।

यहां सामान्य से लगभग 114 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। दरअसल जिले में जून में अब तक 228.2 मिमी पानी बरस चुका है। जबकि सामान्य तौर पर 106.5 मिमी पानी ही गिरता है।

सबसे कम बारिश राजनांदगांव में हुई है। यहां सामान्य से लगभग 79% कम बारिश दर्ज की गई है। जिले में अब तक 31.3 मिमी पानी बरसा है। जबकि इस महीने सामान्य तौर पर अब तक 146.5 मिमी पानी बरस जाना चाहिए था।

प्रदेश के आंकड़ों पर ओवरऑल बात करें तो एक जिले में सामान्य से बहुत अधिक पानी गिरा है। तीन जिलों में सामान्य से अधिक पानी गिरा है। आठ जिलों में सामान्य पानी गिरा है। 19 जिलों में नॉर्मल से कम पानी बरसा है। तीन जिलों में सामान्य से बहुत कम बारिश हुई है।

पिछले एक सप्ताह 25 जून तक की बात करें तो प्रदेश में 59.9 मिमी बारिश हुई है। नॉर्मल कंडीशन में 19 जून से लेकर 25 जून तक 66.6 मिमी बारिश प्रदेश में होनी चाहिए। यानी आखिरी 7 दिन में सिर्फ 10% ही कम बारिश हुई है। पूरे महीने के अनुपात में यह आंकड़ा बेहतर है। ऐसे में कहा जा सकता है कि पिछले 7 दिनों में मानसून ने रफ्तार पकड़ी है। पिछले माह लगातार बने सिस्टम और करीब 14 दिन पहले आए मानसून ने पूरे छत्तीसगढ़ में मई महीने में जमकर बारिश कराई। इस दौरान औसत से 373 फीसदी ज्यादा पानी गिर गया।

ऑनलाइन आरटीई के माध्यम से दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया एक जुलाई से होगी शुरू

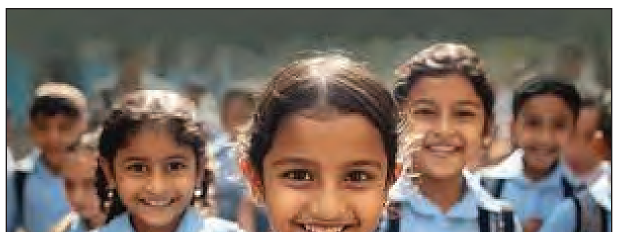

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। ऑनलाइन आरटीई पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 अन्तर्गत वर्ष 2025-26 के लिए प्रवेश की कार्यवाही के संबंध में समय-सारिणी जारी कर दी गई है। संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ अटल नगर द्वारा उक्त आशय का आदेश राज्य के सभी जिले के कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रेषित किए गए हैं।

जारी कार्यक्रम के अनुसार नवीन स्कूल पंजीयन, दर्ज संख्या प्रविष्टि एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सत्यापन व सीटों का वास्तविक प्रकटीकरण 18 जून से 30 जून तक किया जाएगा। छात्र पंजीयन 01 जुलाई से 12 जुलाई तक और नोडल अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों की जांच एवं आवेदक को त्रुटि सुधार के लिए अवगत कराने के लिए 02 जुलाई से 19 जुलाई तक की तिथि निर्धारित की गई है।

इसी प्रकार लॉटरी के माध्यम से स्कूलों का आबंटन 22 जुलाई से 23 जुलाई तक एवं स्कूल में दाखिला की प्रक्रिया के लिए 25 जुलाई से 31 जुलाई तक की तिथि निर्धारित की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम अन्तर्गत वर्ष 2025-26 हेतु प्रदेश में संचालित निजी विद्यालयों में आर.टी.ई. पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन/भर्ती की कार्यवाही की जानी है। पूर्व में भी प्रवेश की प्रक्रिया एवं ऑनलाइन पद्धति के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए जा चुके है।

10वीं की छात्रा की लाश मिली

खेत में खून से लथपथ मिला शव, चाकू से वार के निशान, कल से लापता थी

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। रायपुर के खरोरा के पास बेलदारशिवनी गांव में एक 16 साल की नाबालिग लड़की की हत्या कर दी गई है। नाबालिग 26 जून को दोपहर एक बजे से घर से लापता थी। 27 जून को सुबह 11 बजे गांव के पास खेत में लड़की की लाश पड़ी हुई मिली। मामला खरोरा थाना क्षेत्र का है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने लड़की की हत्या चाकू और पत्थर से की है।

पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी की तलाश की जा रही है। हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक नाबालिग 10वीं की छात्रा थी।

हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर

बच्चों के एडमिशन के लिए जा रहे शिक्षक दंपती घायल, पत्नी का पैर कटा, पति गंभीर

पाकुड़, 26 जून (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में शिक्षक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज सोनाजोड़ी सदर अस्पताल में चल रहा है।

डोमनगढ़िया मध्य विद्यालय पाकुड़िया में कार्यरत शिक्षक रघुनाथ हांसदा अपनी पत्नी चारु शीला किस्कू के साथ बच्चों के एडमिशन के लिए दुमका जा रहे थे। हिरणपुर रेंजर ऑफिस के सामने एक तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक फरार हो गया।

दुर्घटना में चारुशीला किस्कू का दाहिना पैर का निचला हिस्सा कट गया। रघुनाथ हांसदा के दाहिने हाथ समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को हिरणपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सोनाजोड़ी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रघुनाथ हांसदा मूल रूप से पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के परयारदाहा गांव के निवासी हैं। वर्तमान में वे डीएवी स्कूल पाकुड़ के पास रहते हैं।

हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से हाइवा की पहचान कर ली है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हिरणपुर की सड़क पर अक्सर तेज रफ्तार में ट्रक दौड़ते हैं। इस वजह से दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

2 घोड़ों में ग्लैंडर्स बीमारी, जहर देकर मारे जाएंगे

पांचवीं रिपोर्ट पॉजिटिव आई, निगम क्षेत्र में 3 महीने घोड़े-खच्चर, गधों के आवागमन पर प्रतिबंध

सरगुजा, 26 जून (एजेंसियां)। सरगुजा जिले में घोड़ों, गधों और खच्चरों में पाई जाने वाली खतरनाक संक्रामक बीमारी ग्लैंडर्स की पुष्टि हुई है। यहां शादी-विवाह में इस्तेमाल होने वाले दो घोड़े में ग्लैंडर्स के लक्षण मिले थे। इसकी पुष्टि के लिए राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार को ब्लड सैंपल भेजा गया था। पांचवीं बार भेजे गए दोनों घोड़ों के ब्लड सैंपल पॉजिटिव मिले हैं। दोनों घोड़ों को निर्धारित प्रोटोकाल के तहत जहर देकर मारा जाएगा।

सरगुजा में शादी समारोहों में इस्तेमाल होने वाले एक घोड़े में ग्लैंडर्स के लक्षण मिले थे। उस घोड़े को दूसरे घोड़े के साथ रखा गया था। इन घोड़ों के ब्लड सैंपल जांच के लिए चार बार राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार भेजे गए थे, लेकिन इन रिपोर्ट में एक घोड़े की रिपोर्ट पॉजिटिव और दूसरे की नेगेटिव आई थी। पांचवीं बार भेजे गए दोनों सैंपल पॉजिटिव मिले हैं। वहीं ग्लैंडर्स की पुष्टि होने के बाद अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र में अगले 3 महीने तक अश्व प्रजाति के पशुओं के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। राज्य सरकार ने इसके आदेश जारी किए हैं। नियमानुसार ग्लैंडर्स की पुष्टि तभी हो सकती है, जब दोनों रिपोर्ट पॉजिटिव आएं। अब दोनों घोड़ों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। प्रोटोकाल के तहत इन घोड़े को निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार जहर देकर मारा जाएगा। इसके लिए कलेक्टर से अनुमति लेकर दोनों घोड़ों को आज मारने की तैयारी है। प्रोटोकाल के तहत दोनों घोड़ों को पहले एनीस्थिसिया दिया जाएगा, फिर उन्हें जहर देकर मारा जाएगा और फिर उन्हें दफन किया जाएगा। घोड़ों के मालिक को आर्थिक सहायता दी जाएगी।

उत्तर छत्तीसगढ़ के घोड़ों में पहली बार इस बीमारी के लक्षण पाए गए हैं। सरगुजा में कुल 28 घोड़े हैं। संदिग्ध संक्रमित घोड़े को अंबिकापुर शहर में ही 2 अन्य घोड़ों के साथ रखा गया। इन्हीं घोड़ों के साथ रहने वाले एक घोड़े की पहले मौत हो चुकी है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के पठारी क्षेत्रों के अलावा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले लोग आज भी घोड़े पालते हैं। इनका उपयोग सामानों की ढुलाई के अलावा व्यक्तिगत आवाजाही के लिए भी किया जाता है।

हनुमान मंदिर में हुई चोरी दान पेटी से नकदी साफ

सुबह पुजारी के पहुंचने पर हुई जानकारी

कोरबा, 26 जून (एजेंसियां)। कोरबा में सराई सिंगार बजरंग चौक हनुमान मंदिर में चोरी की घटना ने भक्तों में आक्रोश पैदा कर दिया है। अज्ञात चोरों ने मंदिर का मुख्य गेट और दान पेटी का ताला तोड़कर पैसे चोरी कर लिए। चोरों ने गुरुवार रात 10 बजे के बाद मंदिर का ताला तोड़कर चोरी की। दान पेटी से 50, 100 और 500 की नोटें चोरी हुईं, जबकि छोटे सिक्के और 10-20 रुपये के नोट छोड़ दिए गए।

मंदिर के देखरेखकर्ता संजय राठौर ने सुबह 5 बजे मंदिर खोलने पर चोरी का पता लगाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में चोरों का हौसला बढ़ता जा रहा है, और हाल ही में एक मोबाइल शॉप में भी चोरी हुई थी। शनिवार के साप्ताहिक बाजार में भी पॉकेटमारी की घटनाएं हो रही हैं।

मंदिर समिति के सदस्य संजय कुमार राठौर ने बताया कि गुरुवार की रात लगभग 10:00 बजे दुकान बंद कर वह अपने घर गया इसके बाद सुबह उठने पर जब मंदिर पहुंचा तो देखा कि ताला टूटा हुआ था उसके बाद अंदर दान पेटी कभी ताला टूटा हुआ था लगभग 1 साल तक दान पेटी नहीं खुला था इसमें कितनी राशि होगी यह अंदाजा नहीं लगाया जा सकता क्योंकि क्षेत्र के छोटे से बड़े नेता व्यवसाय और आम जनता सभी चढ़ावा चढ़ाते हैं।

इस घटना के बाद मंदिर के सभी सदस्यों को बुलाया गया और उनके द्वारा पुलिस से शिकायत की गई लोगों का मानना है कि इस मंदिर में लोगों की आस्था जुडी हुई है और पहली बार इस मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है इससे लोग काफी नाराज और आक्रोशित है। समिति के सदस्यों ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही हरदी बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्यवाही शुरू की गई आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगला जा रहा है।

भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री पंकज धुरुवा ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि आस्था के प्रतीक हनुमान मंदिर में चोरी की घटना निंदनीय है और पुलिस को ऐसे चोरों के प्रति सख्त कदम उठाने चाहिए।

स्नैक रेस्क्यू टीम ने बचाई हजारों सांपों की जिंदगी

कोल्हान से रेस्क्यू कर छोड़ते हैं जंगल में, टीम ने कहा- इन्हें मारना नहीं चाहिए

जमशेदपुर, 26 जून (एजेंसियां)। सांप को देखते ही कई लोग उसे मार डालते हैं। ये ठीक बात नहीं। अगर हम सांपों को मारेंगे तो उनकी प्रजातियां खत्म हो जाएगी। उनकी रक्षा करनी चाहिए। यह कहना है जमशेदपुर के स्नैक रेस्क्यूर टीम लीडर छोटू का।

वो अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर पिछले 12 सालों से सांपों का रेस्क्यू कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर छोड़ देते हैं।

हजारों सांपों का रेस्क्यू कर उनकी रक्षा की है

आज यह टीम पूरे कोल्हान से सांपों को रेस्क्यू कर दलमा के तराई में छोड़ने का काम कर रहे हैं। आज स्नैक रेस्क्यू टीम सांप की लोगों से और लोगों की सांप से रक्षा कर रही है। इससे पर्यावरण में भी संतुलन बना रहेगा। अब तक इन्होंने हजारों सांपों का रेस्क्यू कर उनकी रक्षा की है।

इस टीम में अब एक महिला सुनीता देवी भी शामिल हो गई हैं। उनका कहना है कि जब हर क्षेत्र में महिला आगे बढ़ रही हैं, तो इस काम में पीछे क्यों रहे।

सुनीता देवी ने कहा कि वे सांपों का रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ देती हैं। इससे सांपों की लोगों से और इंसानों की सांप से रक्षा होती है। उन्होंने लोगों से अपील कि है कि सांप देख कर डरे नहीं। बल्कि उनकी टीम को सूचना दे। उनकी टीम सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू करेगी। स्नैक रेस्क्यूर ऋतुराज ने कहा- पूरे झारखंड में 10 प्रकार की सांप की प्रजाति पाई जाती है। इसमें 5 ही जहरीली होती है।

ज्वेलरी और टेलर शॉप में चोरी

गिरिडीह, 26 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बार फिर वारदात को अंजाम दिया है। चितरडीह रोड स्थित कसौटी ज्वेलर्स में बीती रात चोरों ने सेंधमारी कर लगभग 3 लाख रुपए के जेवरात चुरा लिए।

दुकान के मालिक टिंकू प्रसाद वर्मा ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे जब वह दुकान पहुंचे तो सेंधमारी का पता चला। चोर पायल, सोने की चेन, लॉकेट, अंगूठी, बिछिया, कंगन, मंगलसूत्र, सिटी गोल्ड का सामान और सिक्के ले गए। चोरों ने पास में स्थित जेके टेलर्स से भी लेडीज और जेंट्स के नए कपड़े चुरा लिए। टिंकू प्रसाद ने बताया कि उनकी दुकान में 24 दिसंबर को भी चोरी हुई थी। उन्होंने जमुआ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। टिंकू प्रसाद ने पुलिस को बताया कि वह एक कारीगर हैं और पुराने जेवरात को नया बनाकर अपनी आजीविका चलाते हैं।

स्थानीय लोगों में इस घटना से डर का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरों की तलाश में जुटी है।

कर्ज से बचने बैंक एजेंट ने रची झूठी कहानी

थाने जाकर बताया लूट हुई, घर के आंगन में मिला 2 लाख, डोंगरगढ़ पुलिस ने पकड़ा

खैरागढ़, 26 जून (एजेंसियां)। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में एक बैंक एजेंट ने कर्ज से बचने के लिए लूट की झूठी कहानी रची है। इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के कलेक्शन एजेंट मयूर कुमार अडमे (26 साल) ने बैंक के दो लाख रुपए अपने घर के आंगन में काले कपड़े में बांधकर छिपा दिए थे और 20 जून को खुद बोरतलाव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचा था।

उसने अपनी बाइक और अन्य सामान बोरतलाव ओवरब्रिज के नीचे छिपा दिया था। यह सब उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए किया। पुलिस ने डोंगरगढ़-बोरतलाव रोड के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। कैमरों में कहीं भी लूट की घटना नहीं दिखी। तकनीकी साक्ष्य और कॉल डिटेल की जांच से मामले का खुलासा हुआ।

मयूर ने पुलिस को बताया कि महाराष्ट्र से वसूली कर लौटते समय चेन्द्री माता मंदिर के पास नकाबपोश बदमाशों ने उससे दो लाख रुपए लूट लिए। जांच में पता चला कि मयूर ने खुद ये कहानी रची थी।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरी रकम, बाइक और अन्य सामान बरामद कर लिया है। आरोपी मयूर कुमार अडमे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 28 जून - 2025

41 वर्ष बाद भारत के लिए बड़ी छलांग

अशोक भाटिया

जब विंग कमांडर रिटायर्ड राकेश शर्मा अप्रैल 1984 में सोवियत अंतरिक्ष यान के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा पर गए थे, तब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का जन्म भी नहीं हुआ था. उनके जन्म से पहले ही राकेश शर्मा की यह उपलब्धि भारतीय जनमानस का हिस्सा बन चुकी थी - स्कूलों में सुनाई जाने वाली गर्व की एक कहानी.अब, 41 साल बाद, शुभांशु शुक्ला ने वही ऐतिहासिक कदम दोहराया है और अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले भारत के दूसरे नागरिक बन गए हैं. इन दो यात्राओं के बीच का लंबा अंतराल बहुत कुछ कहता है-बदलती प्राथमिकताओं, अंतरराष्ट्रीय समीकरणों और स्वदेशी क्षमताओं के धीरे-धीरे विकसित होने की कहानी.लेकिन अब हालात बदल गए हैं. जहां राकेश शर्मा को सोवियत मिशन का हिस्सा बनकर जाना पड़ा था क्योंकि भारत के पास तब अपना मानव अंतरिक्ष मिशन नहीं था, वहीं शुक्ला की उड़ान उस समय हो रही है जब भारत अपनी मानव अंतरिक्ष यात्रा की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है. भले ही शुक्ला का मिशन (एएक्स-4) अब भी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के तहत हुआ हो, लेकिन यह भारत के आत्मनिर्भर अंतरिक्ष अभियान के नए युग की शुरुआत का संकेत है.

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) ने अब तक कई अहम तकनीकों को विकसित कर लिया है जो अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं-जैसे कि क्रू एस्केप सिस्टम का परीक्षण और ऊंचाई पर आपातकालीन रद्दीकरण का सफल प्रदर्शन. इस साल के अंत तक गगनयान मिशन के तहत पहला बिना मानव वाला परीक्षण प्रस्तावित है, जिसके बाद कई और परीक्षण किए जाएंगे ताकि इंसानों को सुरक्षित भेजने की तैयारी पूरी हो सके.अब हालात पहले जैसे नहीं हैं, जब भारत को मानव अंतरिक्ष यात्रा के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था. गगनयान मिशन पूरी तरह स्वदेशी है — यह मिशन 400 किलोमीटर की कक्षा तक यात्रियों को ले जाकर, सात दिनों तक उन्हें अंतरिक्ष में रखकर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें कितने अंतरिक्ष यात्री भेजे जाएंगे और मिशन कितने दिन का होगा, इस पर अंतिम निर्णय बाद में लिया जाएगा. इसके लिए भारत के शक्तिशाली रॉकेट एलवीएम3 को संशोधित किया गया है, जिसने पहले ही अपनी विश्वसनीयता साबित कर दी है.

रॉकेट के आसमान में प्रवेश करते ही भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए।शुक्ला (39) के पास विभिन्न प्रकार के लड़ाकू जेट विमानों पर 2,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला इसरो-नासा समर्थित एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान का हिस्सा हैं, जो फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए 14 दिन की यात्रा पर रवाना हुआ है।लाखों लोग अंतरिक्ष में उड़ने का सपना देखते हैं और शुक्ला जैसे कुछ लोग इसे साकार कर पाते हैं।उनकी बड़ी बहन शुचि शुक्ला को याद है कि यह सब कब शुरू हुआ था।उन्होंने कहा, ''बचपन में वह एक बार एयर शो देखने गया था। बाद में उसने मुझे बताया कि वह विमान की गति और ध्वनि से कितना मोहित हो गया था। फिर उसने उड़ने के अपने सपने के बारे में बताया, लेकिन निश्चित रूप से उस समय कोई नहीं बता सकता था कि वह अपने सपने को कितनी जल्दी पूरा करेगा।''शुचि ने प्रक्षेपण से पहले पीटीआई-भाषा से कहा, ''एक भारतीय और उसकी बहन के तौर पर यह निश्चित रूप से बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि मेरे भाई की अंतरिक्ष यात्रा में एक अरब भारतीयों की उम्मीदें और आशीर्वाद है।'' गौरतलब है कि पिछले दो-तीन दशकों में, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को इसकी आर्थिक प्रगति द्वारा उजागर किया गया है। अधिकतम आत्मनिर्भरता ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भूमिका निभाई है। भारत ने 2023-24 में अन्य देशों के कुल 11 कृत्रिम और नौ उपग्रह लॉन्च किए हैं। भारत एक तीर से 20 उपग्रहों को लॉन्च करने वाला पहला देश है। उपग्रह प्रक्षेपण के अलावा, भारतीय मूल की महिला अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स नौ महीने से अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहीं। इसके बाद वे धरती पर लौट आए थे। लंबे इंतजार के बाद, फाल्कन रॉकेट भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अक्षओम IV शिन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष के लिए रवाना हुआ। टीम का नेतृत्व अनुभवी कमांडर पेगी व्हिटसन कर रहे हैं, जिनके साथ हंगरी के टिबोर कैपू और पोलैंड के स्लोवोज़ विस्निवस्की हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए स्पेसएक्स के स्वयंसिद्ध मिशन 4 (एएक्स-4) के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए 14 दिवसीय मिशन शुरू किया। वह मिशन के पायलट हैं और उन्होंने 25 जून, 2025 को सुबह 12:01 बजे ड्रैगन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

यह मिशन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय और आईएसएस का दौरा करने वाले पहले व्यक्ति हैं। स्वयंसिद्ध मिशन 4 आईएसएस का निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है। उनकी उड़ान देश के अंतरिक्ष इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। यह मिशन भारत को अंतरिक्ष की दुनिया में निर्णायक भूमिका में वापस लाएगा। इसरो ने इस मिशन के लिए अनुमानित 550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन में सात स्वतंत्र वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। दालों की अंकुरण प्रक्रिया, मानव कोशिकाओं पर गुरुत्वाकर्षणहीनता के प्रभाव और चावल, टमाटर और बैंगन के बीजों पर गुरुत्वाकर्षण वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। शुक्ला भारतीय वायु सेना के एक सम्मानित परीक्षण पायलट हैं। वह 17 जून, 2006 को वायु सेना के युद्ध क्षेत्र में शामिल हुए। वह 17 जून, 2006 को आईएएफ युद्ध क्षेत्र में शामिल हुए। उन्होंने सुखोई -30 एमकेआई, मिग -21, मिग -29, उन्होंने जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एन-32 सहित विभिन्न विमान उड़ाए हैं। वे अब अंतरिक्ष में जाने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। वह गगनयान मिशन में भाग लेने वाले मुख्य दावेदारों में से एक हैं। 10 अक्टूबर 1985 को लखनऊ में जन्मे, शुक्ला ने पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया। इसलिए मैंने प्रशिक्षण लिया। विंग कमांडर राकेश शर्मा की 1984 में ऐतिहासिक उड़ान के 41 साल बाद भारत एक बार फिर मानव मिशन के तहत एक भारतीय को अंतरिक्ष में भेज रहा है। मिशन के बारे में शुभांशु शुक्ला गर्व से कहते हैं, 'मैंने स्कूल की किताबों में राकेश शर्मा जी के बारे में पढ़ा था, उनके अनुभवों ने मुझे प्रेरित किया। आज मैं भी उस रास्ते पर हूं। यह मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है। राकेश शर्मा ने 3 अप्रैल, 1984 को सोयूज टी -11 अंतरिक्ष यान लॉन्च किया था। यह सोवियत संघ के साथ एक संयुक्त मिशन था। जिसमें राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने। हमारे चुनौतीपूर्ण मिशन पर खुशी व्यक्त करते हुए, शुभांशु शुक्ला ने कहा, मैं भारत के लोगों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हूं। मैं देश के विभिन्न हिस्सों से सांस्कृतिक वस्तुओं को अंतरिक्ष में ले जाने की योजना बना रहा हूं।

मैं अंतरिक्ष स्टेशन पर भी योग करना चाहता हूं। राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के बाद दशकों में पहली बार, एक भारतीय पायलट आईएसएस का मिशन कर रहा है। नासा और इसरो का यह संयुक्त मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान का पता लगाएगा और नई तकनीकों का परीक्षण करेगा। शुभांशु मानव स्वास्थ्य और अंतरिक्ष में जीवन पर प्रभाव का अध्ययन करेंगे। पृथ्वी से अंतरिक्ष में भोजन भेजना एक महंगा और मुश्किल काम है। इसलिए, मिशन अंतरिक्ष में भोजन का उत्पादन करने के लिए मूंग और मेथी की फसलों के साथ प्रयोग करेगा।

भारत का दबदबा

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने अमेरिका के सबसे पडे शहर न्यूयॉर्क में मेयर पद की डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत दर्ज कर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव का संकेत है। उन्होंने पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को भारी बहुमत से हराया है। जोहरान ममदानी को मिली यह सफलता सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि बड़े राजनीतिक और सामाजिक बदलाव की शुरुआत के रूप में देखी जा रही है। ममदानी अब न्यूयार्क में इतिहास रचने की दहलीज तक पहुंच गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होना चाहिए। भारतीय मूल के 33 साल के इस युवा नेता ने उन लोगों की आवाज उठाई, जो न्यूयॉर्क की चकाचौंध में हाशिये पर समझे जाते हैं। उन्होंने टीवी स्टूडियो, ऑनलाइन इंटरव्यू और महंगे विज्ञापनों से ज्यादा तवज्जो जनता से सीधे संवाद को दी। इसके लिए वह जहां सड़कों पर उतरे, वहीं गलियों की भी खाक छान कर आम लोगों से बातचीत की और उनकी नब्ज को टटोला। लोगों से संपर्क के दौरान उन्हें बताया गया कि न्यूयॉर्क का वर्किंग क्लास इस शहर में बढ़ती महंगाई और खर्च से परेशान है, ममदानी ने इसके समाधान का जिस अंदाज में वादा किया है वहां के लोग उनके मुरीद हो गए हैं। उनके वादों पर गौर करें, तो फ्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट, किराये पर लगाम, न्यूनतम वेतन जैसे मुद्दे एक नजर में न्यूयॉर्क जैसे शहर के एजेंडे से बाहर की चीज लगते हैं, लेकिन ममदानी की जीत से जाहिर होता है कि मध्यम वर्ग की समस्या हर जगह एक जैसी चुनौती दे रही है। इस वर्ग को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो उनकी परेशानियों को समझ कर उनका उनका समाधान कर सके। ममदानी ने बिल्कुल यही किया जो लोग चाहते हैं। जोहरान ममदानी को माना जाता है कि वे प्रोग्रेसिव विचार के हैं। साथ ही उदार भी। युवा होने के साथ ही वे अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखते भी हैं। इस्राइल-हमास जंग के मसले पर उन्होंने जिस तरह से बिन्यामिन नेतन्याहू को आड़े हाथों लिया, उसे एक अहम फैक्टर माना जा रहा है। इससे यह भी साबित होता है कि अमेरिकी जनता आए दिन हो रहे युद्ध से तंग आ चुकी है। यूक्रेन हो या गाजा - आखिर लड़ाई के खर्च का एक बड़ा हिस्सा उसकी जेब से ही जा रहा है। फिर गाजा में पैदा हुई मानवीय त्रासदी ने भी इस्राइली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ गुस्सा पैदा किया है। ऐसे में ममदानी का साफ स्टैंड लेना लोगों को भा गया। ममदानी ऐसे वक्त में उभरे हैं, जब ट्रंप प्रशासन प्रवासियों को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है। ममदानी इस बात के प्रतीक बन हैं कि अमेरिका में अब भी सपनों के लिए जगह है। हालांकि उनके सामने चुनौतियां कई हैं। उनकी उम्मीदवारी तय होने के बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उन पर निशाना साधा है। ममदानी खुद भी ट्रंप की नीतियों के प्रबल आलोचक रहे हैं। उनके कुछ बयानों-प्रदर्शनों से भारतीय कम्युनिटी भी नाराज है। अभी तक की उनकी सियासत किसी आंदोलनकारी जैसी रही है, लेकिन अब उनसे ज्यादा परिपक्वता की अपेक्षा होगी। गुजरात मूल के पिता एवं पंजाबी मां मीरा नायर जो फिल्म मेकर भी रहे हैं उनके इस होनहार बेटे से न्यूयार्क के लोगों को काफी उम्मीदें बंध गई हैं। जिसका दबाव उनके कामकाज पर भी पड सकता है।

क्या अमेरिका-इजरायल खामेनेई को सत्ता से हटाने में सफल हो पाएंगे ?

रामस्वरूप रावतसरे

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' ये बयान दिया था। दरअसल अमेरिका ऐसा कह कर ईरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना तलाश रहा है। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, "सत्ता परिवर्तन शब्द का उपयोग करना राजनीतिक रूप से सही नहीं है लेकिन अगर वर्तमान शासन ईरान को फिर से महान बनाने में समर्थ नहीं है तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होगा ?

अमेरिका ने ईरान में सुप्रीम लीडर खामेनेई को सत्ता से हटाने की कई बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोशिश की है लेकिन मुस्लिम शिया धर्म के सुप्रीम लीडर खामेनेई को हटाना संभव नहीं हो सका। इस वक्त भी ईरान में सत्ता परिवर्तन की माँग उठ रही है। खुद खामेनेई के परिवार से इसकी माँग उठने लगी है।

महमूद मोरादखानी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के भतीजे हैं। वह 1986 में ईरान छोड़कर फ्रांस चले गए थे और निर्वासन की जिंदगी जी रहे हैं। महमूद मोरदखानी ने कहा है कि वह युद्ध के पक्ष में नहीं हैं लेकिन ईरानी सरकार का खात्मा ही यहाँ स्थायी शांति के लिए जरूरी है। महमूद मोरादखानी के अनुसार 'जो भी इस शासन को मिटा सके, वह जरूरी है।' उनका मानना है कि कई ईरानी लोग खामेनेई के कमजोर होने से ईरान में खुश हैं।

ईरान के पूर्व शहजादे रजा पहलवी ने भी शासन में बदलाव पर जोर दिया है। उनका कहना है कि तेहरान में सत्ता पतन जरूरी है। रजा पहलवी ईरान के अंतिम पहलवी शासक मोहम्मद शाह पहलवी के बड़े बेटे हैं। उनका परिवार अमेरिका में निर्वासन की जिंदगी गुजार रहा है। 1979 में देश छोड़कर भागे पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी इस वक्त काफी सक्रिय हैं। रजा अमेरिका में रहते हैं और खुद को ईरान के शासक के रूप में देखना चाहते हैं। 2016 में पहली बार जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने थे तो शाह ने ईरान में धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाने और लोकतंत्र की बहाली की वकालत की थी। इसके बाद फिर जब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने तो पहलवी ने ईरान में लोकतंत्र की वकालत करते हुए पश्चिमी राष्ट्रों से उसके संबंध सुधारने पर जोर दिया था। अब जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो वह इजरायल का पक्ष लेते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि ईरान में अभी कई ऐसे लोग हैं जो इजरायल की इस कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं और खामनेई को सत्ताच्युत करना चाहते हैं। माना जा रहा है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में सत्ता परिवर्तन में रजा पहलवी को समर्थन दे सकते हैं और ईरान में लोकतंत्र की स्थापना की पहल कर सकते हैं। हालाँकि खामनेई ने अपने विकल्प के तौर पर तीन उत्तराधिकारियों को चुन लिया बताया जा रहा है। ये तीनों ही मौलवी हैं यानी ईरान को इस्लामिक राष्ट्र बनाए रखने की व्यवस्था खामेनेई ने कर दी है। ईरान में अभी कई संगठन एक्टिव हैं जो चाहते हैं कि सत्ता परिवर्तन हो। इनमें पीपुल्स मुजाहिदीन या मोजाहिदीन ए खल्क यानी एमईके, ग्रीन मूवमेंट प्रमुख हैं। एमईके ऐसा संगठन है जिसे गोरिल्ला युद्ध लड़ने में महारत हासिल है लेकिन अमेरिका इसे नहीं पसंद करता क्योंकि ये संगठन रूस के नजदीक रहा है। अमेरिका विरोध के बावजूद खामेनेई को उखाड़ फेंकने की कोशिश में ये संगठन लगा हुआ है। जानकारी के अनुसार खामेनेई ने ही इस संगठन को कुचला था। धीरे-धीरे खुद को खड़ा करने के दौरान संगठन अमेरिका के संपर्क में भी आ गया। इस दल के नेता को अल्बानिया में स्थापित करने में अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई हालाँकि आज की तारीख में ये कहना काफी मुश्किल है कि संगठन ईरान की इस्लामिक सत्ता को उखाड़ फेंकने में सक्षम है।

रूस-चीन असंभव काम करने की कोशिश कर रहे हैं

राजेश कुमार पासी

वैश्विक राजनीति आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां कोई भी देश दूसरे देश पर विश्वास करने को तैयार नहीं है और दूसरी तरफ दुनिया एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था से निकलकर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर चल पड़ी है । अब भी अमेरिका अकेली महाशक्ति है लेकिन रूस, चीन और भारत उसे चुनौती दे रहे हैं । अमेरिका को यह बर्दाश्त नहीं है इसलिए वो रूस और चीन के रास्ते में रोड़े अटका रहा है । अमेरिका पहले भारत को साथ लेकर चीन को आगे बढ़ने से रोकना चाहता था लेकिन अब उसे भारत से भी डर लगने लगा है। अमेरिका सोचता है कि अगर भारत को नहीं रोका गया तो वो दूसरा चीन बन सकता है। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझाया हुआ है लेकिन वो रूस को आगे बढ़ने से रोक नहीं पा रहा है। भारत और चीन की मदद से रूस न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है बल्कि युद्ध भी जारी रखे हुए है ।

अमेरिका चीन को तो रूस की मदद करने से नहीं रोक सकता लेकिन भारत को रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है। रूस को यह बात समझ आ गई है कि अगर अमेरिका का मुकाबला करना है तो उसे चीन और भारत को साथ लाना पड़ेगा. तभी अमेरिका का मुकाबला किया जा सकता है । रूस की सोच अपनी जगह सही हो सकती है लेकिन वर्तमान हालातों में यह काम असंभव लगता है कि चीन और भारत को साथ लाया जा सके । कुछ मुद्दों पर भारत चीन के साथ मिलकर काम कर सकता है लेकिन उसके साथ भारत के हितों का इतना टकराव है कि एक सीमा से आगे भारत नहीं बढ़ सकता । वास्तव में भारत के लिए चीन से ज्यादा अमेरिका के साथ मिलकर चलना ज्यादा आसान है । इसके अलावा भारत के अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ भी अच्छे सम्बन्ध हैं ।

भारत और चीन की दोस्ती कितनी मुश्किल है, ये बात चीन में चल रही एससीओ संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक से पता चल जाती है । इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या दस है और इसमें पाकिस्तान और ईरान भी शामिल हैं । चीन आजकल पाकिस्तान को अपने प्राक्सी के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है. अब ये अलग बात है कि अमेरिका की भी यही कोशिश है । पाकिस्तान का भी अजीब है . वो कभी चीन की गोदी में बैठ जाता है तो कभी अमेरिका की गोदी में चला जाता है । वास्तव में दोनों ही देश पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं । भारत का दबाव था कि एससीओ के साझा घोषणापत्र में आतंकवाद का मुद्दा शामिल किया जाए क्योंकि ये बैठक ही क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर हो रही थी । चीन ने साझा घोषणा पत्र में बलूचिस्तान का जिक्र करके भारत को घेरने की कोशिश की लेकिन पहलगाम का जिक्र तक नहीं किया ।

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बैठक में शामिल होने के लिए चीन गए हुए हैं, उन्होंने सबके सामने पाकिस्तान को इस वैश्विक मंच पर बेनकाब करने का काम किया । उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि आतंकवाद के अपराधियों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराना ही होगा और इससे निपटने में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए । उन्होंने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के साथ आतंकवाद को नीतिगत हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित है । उनका कहना है कि आतंकवाद को पालना और गलत हाथों में परमाणु हथियार होना दोनों गलत हैं और हमें अपनी सामूहिक सुरक्षा के लिए इन बुराइयों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए ।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि जो लोग अपने संकीर्ण और स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और उपयोग करते हैं, उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे । उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि हमने आतंकवाद का समुचित जवाब दिया है और भविष्य में भी देंगे । उन्होंने चीन पर निशाना लगाते हुए कहा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंडों के लिए कोई जगह नहीं है । उन्होंने मंच से दोहराया कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है । चीन और पाकिस्तान ने आतंकवाद के मुद्दे से दुनिया का ध्यान हटाना चाहा लेकिन राजनाथ सिंह ने साझा घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया जिसके कारण एससीओ का संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका । इससे पहले चीन गए हुए एनएसए अजित डोभाल ने भी चीन को उनके देश में ही सुना दिया कि आतंकवाद के प्रति उसका दोहरा रवैया भारत बर्दाश्त नहीं करेगा । वास्तव में भारत पाकिस्तान के आतंकवादियों के खिलाफ जब भी संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव लाया है, उसे चीन ने वीटो कर दिया है । चीन के हथियारों से ही पाकिस्तान भारत से लड़ रहा था और इसके अलावा भी चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसकी मदद की थी । चीन अन्य मुद्दों पर भारत के साथ मिलकर चल रहा है लेकिन उसके भारत के साथ मतभेद कम नहीं हैं । रूस आरआइसी बनाना चाहता है जिसमें रूस, चीन और भारत शामिल होंगे लेकिन यह रूस की कोई नई सोच नहीं है । पिछले बीस सालों से रूस इसकी कोशिश कर रहा है लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली है । रूस चाहता है कि भारत और चीन इस तरह से मिल जाएं जैसे अमेरिका और यूरोप मिलकर चलते हैं लेकिन यह असंभव लगता है । वैसे देखा जाए तो रूस की कोशिश से भारत और चीन के बीच विवादों में कमी आती जा रही है । यही कारण है कि चीन ने पिछले वर्ष एक कार्टून बनाया था जिसमें हाथी और ड्रैगन मिलकर नाचते हुए दिखाए गए थे । ड्रैगन चीन का और हाथी भारत का प्रतीक मानते हुए यह दर्शाने की कोशिश की गई थी कि दोनों देश मिलकर चल सकते हैं ।

चीन के साथ समस्या तब शुरू हो जाती है जब आतंकवाद पर उसके दोहरे रवैये की बात आती है । वो आज भी हमारे अक्साई चीन पर कब्जा करके बैठा हुआ है । इसके अलावा भी चीन भारत के कई इलाकों पर अपना दावा पेश करता रहता है । अरुणाचल प्रदेश का तो उसने नाम भी बदला हुआ है । इसके अलावा भारत का चीन के साथ व्यापारिक संतुलन भी समस्या है क्योंकि ये बहुत ज्यादा चीन की तरफ झुका हुआ है । भारत चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहा है क्योंकि चीन पर भारत की निर्भरता बहुत ज्यादा है लेकिन एक बात तो सच है कि अमेरिका अब दुनिया पर कुछ ज्यादा ही दादागिरी चला रहा है. भारत और चीन की ये साझी समस्या है । पाकिस्तान सिर्फ चीन की तरफ से समस्या नहीं है बल्कि अमेरिका की तरफ से भी है लेकिन भारत ने सिंधु जल समझौते के जरिये पाकिस्तान से निपटने का रास्ता निकाल लिया है ।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस: राजनाथ सिंह की हुंकार - झुकेगा नहीं भारत

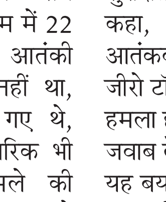

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब विश्व मंच पर सत्य की गूंज उठती है और साहस की हुंकार न केवल आकाश को चीरती है, बल्कि इतिहास के पन्नों को अमर कर देती है, तब एक नया युग जन्म लेता है। 26 जून 2025 को चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऐसा ही एक स्वर्णिम क्षण रचा। उन्होंने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इनकार कर दिया, क्योंकि उसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले का कोई जिक्र नहीं था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली थी। इसके विपरीत, बयान में बलूचिस्तान का उल्लेख था, जिसे भारत पर परोक्ष रूप से आरोप लगाने की साजिश के तहत शामिल किया गया था। राजनाथ सिंह के इस साहसिक कदम ने न केवल पाकिस्तान और चीन की दोहरी नीतियों को नंगे सत्य के सामने ला खड़ा किया, बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंचों पर न झुकता है, न चुप रहता है। यह क्षण भारत की कूटनीतिक शक्ति और आतंकवाद के खिलाफ उसकी अटल प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया, जो विश्व को यह संदेश देता है कि भारत अब अपनी शर्तों पर इतिहास लिखता है।

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आतंकवाद को वैश्विक शांति और सुरक्षा का सबसे बड़ा शत्रु करार दिया। उन्होंने कहा, "हमारे क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। इनका मूल कारण कट्टरवाद, उग्रवाद और आतंकवाद है।" यह बयान आतंकवाद को एक वैश्विक खतरे के रूप में रेखांकित करता है और उन देशों पर कटाक्ष करता है जो इसे अपनी नीति का हथियार बनाते हैं। बिना नाम लिए, उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा, "कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंड अस्वीकार्य हैं।" यह बयान न केवल पाकिस्तान की नीतियों को उजागर करता है, बल्कि एससीओ जैसे मंचों पर उसकी विश्वसनीयता को चुनौती देता है। पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने बताया कि इसमें पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर निशाना बनाया गया, जो लश्कर-ए-तैयबा के पुराने पैटर्न से मेल खाता है। इस हमले के जवाब में भारत ने 7 मई 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हवाई हमले किए गए। इस ऑपरेशन ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ सक्रिय और आक्रामक रणनीति को प्रदर्शित किया, साथ ही यह संदेश दिया कि आतंकवाद के गढ़ अब सुरक्षित नहीं हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, "हमने दिखाया है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। अगर हम पर हमला होगा, तो हम उसका माकूल जवाब देने का अधिकार रखते हैं।" यह बयान भारत की नई रक्षा नीति का प्रतीक है, जो आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई पर जोर देता है।

एससीओ बैठक में भारत के इस रुख ने पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया और चीन को उसकी दोहरी नीतियों के लिए आड़े हाथों लिया। चीन, जो इस समय एससीओ की अध्यक्षता कर रहा था, ने संयुक्त बयान में पहलगाम हमले को शामिल न करके और बलूचिस्तान का उल्लेख करके भारत के खिलाफ कूटनीतिक चाल चलने की कोशिश की। लेकिन राजनाथ सिंह के इनकार ने इस साजिश को ध्वस्त कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, "हम चाहते थे कि दस्तावेज में आतंकवाद से संबंधित हमारी चिंता को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए, लेकिन एक सदस्य देश को यह स्वीकार नहीं था।" यह बयान साफ करता है कि भारत अपने सिद्धांतों पर अडिग है और किसी भी दस्तावेज को स्वीकार नहीं करेगा जो उसके रुख को कमजोर करता हो। राजनाथ सिंह ने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड अपनाने वाले देशों की आलोचना में एससीओ को संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बयान न केवल पाकिस्तान की नीतियों पर सीधा प्रहार था, बल्कि उन देशों के लिए भी एक चेतावनी थी जो आतंकवाद को परोक्ष रूप से समर्थन देते हैं। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है, और इस दिशा में मानवीय सहायता और क्षमता निर्माण में योगदान देता रहेगा।

अंगूर खट्टे, मंत्री जी सच्चे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पुराने बक्से में बंद धूल फांकती वो डायरी, आज भी उतनी ही चुभन पैदा करती है, जितनी बरसों पहले किया करती थी। उस पर लिखा नाम 'मास्टर चमचा लाल', एक ऐसा नाम जो किसी ज़माने में हर दफ्तर के गलियारों में गूँजता था। लेकिन आज? आज तो चमचे ही चमचे हैं, कोई 'लाल' नहीं। हाँ, 'लाल' तो अब बस सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ने वाले नेताओं के चेहरों पर दिखती है, उस 'लाल' रंग के लिए जो वोटों की फसल से पैदा होता है, और फिर खाया जाता है, जनता के सपनों को रौंदकर। मैं, यानी मास्टर चमचा लाल, एक ऐसा अदना सा प्राणी था जिसने ईमानदारी की डिग्रियों को जलाकर सत्ता की लौ में अपनी रोटियाँ सेंकी थीं। मेरी कहानी किसी देवदूत के स्वर्ग से गिरने की नहीं, बल्कि एक आम इंसान के नैतिकता के दलदल में धँसने की गाथा है। ये कहानी सिर्फ़ मेरी नहीं, बल्कि उन लाखों-करोड़ों 'चमचों' की है जो हर रोज़ सिस्टम के सामने घुटने टेकते हैं, और फिर खुद को समझाते हैं कि आज का दिन भी कट गया। जैसे दीमक लकड़ी को चाट जाती है, वैसे ही ये सिस्टम हम जैसे लोगों की आत्मा को चाट जाता है, और जब तक हमें एहसास होता है, तब तक बचा ही क्या रहता है? बस एक खाली लिफाफा, जिस पर लिखा होता है: जीवन सफल। सफल? या सिर्फ़ एक सफल समझौता?

अरे, क्या बताएं! जीवन ऐसा चक्रव्यूह है, जिसमें आदमी अभिमन्यु बन के घुसता तो है, पर बाहर निकलने का रास्ता कहीं मिलता ही नहीं। मेरी भी यही कहानी है। जब मैं नया-नया इस 'सेवा' के क्षेत्र में आया था, तो सोचा था, ₹वाह, अब तो देश की सेवा करेंगे!₹ पर देश की सेवा करने से पहले अपनी सेवा करनी पड़ती है, और वो भी ऐसी कि आप भूल जाते हो कि देश है भी या सिर्फ़ आपके पेट का गड्ढा। उन दिनों बड़े-बड़े दावे हुआ करते थे, हम भ्रष्टाचार मिटा देंगे! और हम जैसे भोले लोग तालियाँ पीटते थे, हाँ-हाँ, मिटा दो! पर वो मिटाते क्या थे? सिर्फ़ अपनी पुरानी पार्टियों का नाम, ताकि नई बोतलों में पुरानी शराब भरकर बेची जा सके। मैंने अपनी आँखों से देखा है, ईमानदारी को कैसे फाइल दर फाइल कुचला जाता है। जैसे चूहा बिल में घुसता है, वैसे ही बेईमानी फाइलों के ढेर में घुसती है, और फिर ऐसे फैलती है कि पूरा दफ्तर ही एक बड़ा सा बिल बन जाता है। और हम? हम तो बस उस बिल के छोटे-छोटे छेद, जिनसे कभी-कभार रोशनी आती है, तो हमें लगता है कि शायद उम्मीद है, पर वो उम्मीद नहीं होती, वो तो बस किसी बड़े साहब की कार की हेडलाइट होती है, जो आपको कुचलने आ रही होती है। और फिर जब वो रोशनी चली जाती है, तो अंधेरा फिर वही, और आप फिर वहीँ, उसी बिल में कैद।

मेरा गाँव, 'भोलापुर', नाम से ही भोला था, पर वहाँ के लोग, अरे क्या कहने! मक्खन से भी ज़्यादा चिकने। जैसे ही मैं शहर से लौटता, तो सब ऐसे घेर लेते जैसे भेड़िये किसी शिकार को। अरे, चमचा लाल आ गया! अब तो हमारा काम होगा! कौन सा काम? काम तो वो खुद कर सकते थे, पर उन्हें आदत थी, दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाने की। और मैं, मैं भी कम नहीं था।

क्या कहते हैं नवरात्र में दिखने वाले देवी मां के सपने ?

जीवन में सपनों का एक अहम रोल होता है क्योंकि स्वप्न शास्त्र में सपनों के विचार और उनके फलों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। आज से गुप्त नवरात्र का आरंभ हो गया है, ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे सपनों के बारे में बता रहे हैं जो देवी मां से जुड़े हैं।

सपने हमारे जीवन का आईना होते हैं। सपनों से हमें अच्छे और बुरे दोनों तरह के संकेत प्राप्त होते हैं। माना जाता है कि सपने यूं ही नहीं आते उनके पीछे कोई ना कोई कारण होता है, जिसे हमें समझना होता है। कुछ सपने हमें हमारे आने वाले बुरे समय का आभास कराते हैं तो कुछ सपने हमारे अच्छे आने वाले समय का संकेत देते हैं।

वैसे तो भगवान को सपने में देखना बहुत ही शुभ माना जाता है लेकिन इसके भी अलग-अलग विचार हैं। कौन सा देवता, कौन सी देवी आपको सपने में कैसे दिखाई दिए हैं, स्वप्न विचार क्या था, इसकी गणना के पश्चात थी उसके अच्छे और बुरे होने का अनुमान लगाया जा सकता है। आज हम आपको बता रहे हैं कि सपने में देवी दुर्गा के दिखाई देने के क्या संकेत होते हैं।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार देवी से जुड़े सपनों के अर्थ

स्वप्न शास्त्र के अनुसार यदि कोई व्यक्ति देवी दुर्गा की आराधना करता हुआ दिखाई देता है तो उसको जल्द ही कोई अच्छा संकेत जीवन में मिलने वाला है, यानी कि उसके जीवन में कोई ना कोई मंगलकार्य संपन्न होने वाला है

अगर आपको नवरात्रि के दिन में देवी दुर्गा के साक्षात दर्शन हो जाए या फिर किसी भी रूप में प्रतिमा, तस्वीर या स्वयं देवी दुर्गा का स्वरूप आपको स्वप्न में दिखाई दे, तो समझ लेना चाहिए कि आपके जीवन के अब तक के संकट दूर होने वाले हैं और आपको खुशियों की चाबी मिलने वाली है।

अगर आपको देवी दुर्गा या उनका कोई भी स्वरूप शेर के साथ है शेर पर सवार होकर दिखाई दे तो मान लेना चाहिए आपके प्रतिद्वंदी आपके शत्रुओं का नाश होने वाला है।

अगर आप स्वप्न में देवी की पूजा आराधना करते हुए नजर आए तो समझ जाना चाहिए कि आप अपने जीवन में सही रास्ते पर हैं और आने वाले समय समय बहुत ही अच्छा होने वाला है।

अगर आप देवी दुर्गा आशीर्वाद देते हो लेते हुए सपने देखें या कोई बड़ी उम्र की औरत या महिला आपके आशीर्वाद दे रही है, तो यह सपना आपको आपके जीवन में माता के आशीर्वाद के तौर पर मानना चाहिए।

अगर आप किसी कन्या का पूजन करते हुए देखें तो, स्वप्न शास्त्र कहता है कि आपके जीवन में मान सम्मान और उपलब्धि आने वाली है। आपके रुके हुए काम जल्दी बन जाएंगे।

वहीं अगर आप माता लक्ष्मी या धन या किसी महिला से धन लेते हुए नवरात्रि के दौरान ऐसा सपना देखें तो मान लेना चाहिए कि आपकी आर्थिक स्थिति में जल्द ही सुधार होने वाला है।

स्वप्न शास्त्र के मुताबिक सपनों में कई राज छुपे होते हैं और हमारे भविष्य की आहट भी इनमें छुपी होती है सिर्फ इन्हें समझना और आज की भाषा में आप इसे डिकोड करना कह सकते हैं वह आना चाहिए।

देवशयनी एकादशी पर क्यों होती है शालिग्राम की पूजा

देवशयनी एकादशी व्रत साल 2025 में 6 जुलाई को रखा जाएगा। यह दिन शालीग्राम भगवान की पूजा के लिए बहुत शुभ माना जाता है। जानते हैं इस दिन भगवान की पूजा के नियम।

देवशयनी एकादशी को महत्वपूर्ण एकादशी में से एक माना जाता है। साल 2025 में देवश्यनी एकादशी का व्रत 6 जुलाई को रखा जाएगा। इस दिन से 4 माह के लिए भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं।

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष के एकादशी को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन के बाद से शुभ और मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। इसके बाद 4 माह के बाद देवउठनी एकादशी से शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरूआत होती है।

देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु और शालिग्राम भगवान की पूजा-अर्चना की जाती है। देवशयनी एकादशी पर शालिग्राम भगवान की पूजा करने का विधान है।

इस दिन शालिग्राम जी का अभिषेक पंचामृत से करें। गंगाजल से शालिग्राम जी का अभिषेक करें।साथ ही पीले वस्त्र अर्पित करें। शालिग्राम जी का श्रृंगार करें। फूल, फल, धूप, कपूर, नैवेद्य आदि अर्पित करें। पंचामृत और पंजीरी का भोग अर्पित करें। आरती कर पूजा को संपन्न करें।

शालिग्राम के भोग में तुलसी के पत्ते अवश्य डालें, क्योंकि तुलसी के बिना शालिग्राम जी की पूजा अधूरी मानी जाती है। इस बात का विशेष ख्याल रखें। शालिग्राम जी को अपने मंदिर में जरूर स्थापित करें।

शालिग्राम जी की पूजा नियमित करनी चाहिए।शालिग्राम की ठीक से देखभाल करनी चाहिए। देवशयनी एकादशी के दिन शालिग्राम पूजा जरूर करें।

शादी में बेटी की चुनरी में बांधें ये 5 चीजें ससुराल में महारानी की तरह राज करेगी आपकी लाडली

ससुराल में राज करेगी बेटी

हिंदू धर्म में बेटी की विदाई के समय कुछ रीति-रिवाज निभाए जाते हैं ताकि ससुराल में कदम रखते ही बेटी को हर खुशी मिले। ऐसे में फेरों से पहले बेटी के चुनरी में 5 चीजें बांधने से उसके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और दांपत्य जीवन भी खुशहाल रहता है।

चुनरी में हल्दी

हिंदू धर्म में हल्दी को बहुत ही शुभ माना गया है और पूजा-पाठ के कार्यों में इसका उपयोग किया जाता है। दुल्हन की चुनरी में हल्दी की गांठ बांधनी चाहिए। इससे निगेटिविटी दूर रहती है और सौभाग्य व समृद्धि बनी रहती है।

दूर्वा होती है शुभ

दुर्वा घास को भी पूजा-पाठ के कार्यो में शुभ माना गया है और इसका संबंध मंगल व बुध ग्रह से होता है। विवाह में सुख-शांति के लिए ये दोनों ही ग्रह कारक माने गए हैं। इसलिए दुल्हन की चुनरी में दूर्वा घास बांधना शुभ होता है।

चुनरी में अक्षत

अक्षत यानि चावल को भी शुभ कार्य में इस्तेमाल किया जाता है। दुल्हन की चुनरी में अक्षत इसलिए बांधे जाते हैं ताकि ससुराल में कदम रखते ही सुख—समृद्धि और सम्पन्नता आए। ऐसा करने से उन्नति के भी रास्ते खुलते हैं।

फूल से आएंगी खुशियां

अगर आप भी अपनी बेटी के वैवाहिक जीवन में खुशियों की कामना करते हैं तो शादी के समय उसकी चुनरी में फूल रखकर गांठ लगा दें। फूल की तरह उसका जीवन में हमेशा महकता रहेगा और घर में खुशहाली आएगी।

1 रुपये का सिक्का

किसी भी शगुन के कार्य में एक रुपये का सिक्का बहुत ही शुभ माना जाता है। कहते हैं कि शादी में यदि दुल्हन की चुनरी में एक रुपये का सिक्का रख दिया जाए तो उसे दांपत्य जीवन में कभी धन-दौलत की कमी नहीं होती।

बदलते समय और नई बातों का सम्मान करना चाहिए, नए हालात में खुद को ढालना चाहिए

जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए जीवन को सार्थक और सुंदर कैसे बना सकते हैं?

संसार में कई तरह की विभिन्नताएं हैं। यहां कुछ भी एक जैसा नहीं है, कुछ भी स्थिर नहीं है। दृश्य बदल रहे हैं, लोगों के स्वभाव बदल रहे हैं। हमें बदलते समय और नई-नई बातों का सम्मान करना चाहिए। नई परिस्थितियों के साथ हमें खुद को ढालना चाहिए।

प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहा जाता है

चतुर्थी तिथि 28 जून को सुबह 6 बजकर 23 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन 29 जून को सुबह 5 बजकर 44 मिनट पर होगा

हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता का स्थान दिया गया है और जिस पर गणेश जी की कृपा होती है उन्हें जीवन में सुख-समृद्धि, खुशहाली व सफलता हासिल होती है। वैसे तो बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित है लेकिन चतुर्थी तिथि के दिन भी गणेश जी का पूजन करना फलदायी माना जाता है। प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के विनायक चतुर्थी कहते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 28 जून को सुबह 6 बजकर 23 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन 29 जून को सुबह 5 बजकर 44 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार इस साल आषाढ़ माह की विनायक चतुर्थी का व्रत 28 जून 2025 को रखा जाएगा।

विनायक चतुर्थी 2025 शुभ मुहूर्त

विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश का पूजन किया जाता है और यह पूजन यदि शुभ मुहूर्त में किया जाए तो अधिक फलदायी होता है। पंचांग के अनुसार इस साल 28 जून को विनायक चतुर्थी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 1 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। यानि आपके पास विनायक चतुर्थी की पूजा के लिए 2 घंटे 47 मिनट तक का समय है।

विनायक चतुर्थी की पूजा विधि

विनायक चतुर्थी के दिन सुबह उठकर स्नान आदि करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनें और फिर हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प करें। इसके बाद एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें और फिर पूजन आरंभ करें। सबसे पहले भगवान गणेश को चंदन या हल्दी का तिलक लगाएं और दूर्वा अर्पित करें। इसके बाद देसी घी का दीपक जलाएं और लड्डूओं का भोग लगाएं। दिनभर व्रत रखने के बाद रात में पूजा करके व्रत का पारण करें।

ज्ञान का सही इस्तेमाल करेंगे तो लाभ जरूर मिलेगा

हम सब अपने अनुभव से, शिक्षा से और गुरुजनों से नया ज्ञान हासिल करते रहते हैं, लेकिन ज्ञान की किसी बात को सिर्फ जान लेना काफी नहीं है। जब तक हम ज्ञान का इस्तेमाल नहीं करेंगे, तब तक हमें लाभ नहीं मिलेगा। कुछ लोग ज्ञान को सहेज लेते हैं, जैसे कोई बेशकीमती चीज हो, उसका सही जगह इस्तेमाल नहीं करते हैं और सफलता हासिल नहीं कर पाते हैं। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं...

लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत के दो शिष्यों की शिक्षा पूरी हो गई थी। गुरु ने दोनों शिष्यों को थोड़े-थोड़े गेहूं दिए और कहा - इन्हें संभालकर रखना। एक साल बाद मैं लौटूंगा। ध्यान रखना, गेहूं खराब नहीं होने चाहिए।

दोनों शिष्यों को गेहूं देकर गुरु वहां से आगे बढ़ गए। अब दोनों शिष्यों ने गुरु के दिए हुए ज्ञान और आदेश दो अलग-अलग तरीकों से अपनाया।

पहला शिष्य - पूजा में विश्वास रखने वाला था। उसने गेहूं एक सुरक्षित डिब्बे में रख दिए। रोज उसकी पूजा करने लगा, जैसे गुरु का प्रसाद हो।

दूसरा शिष्य - पहले शिष्य से थोड़ा समझदार था। उसने गेहूं खेत में बो दिए। गेहूं बोए, सींचे, मेहनत की और जब फसल आई, तो उसके पास पहले से कई गुना ज्यादा गेहूं थे।

एक साल बाद... दोनों शिष्यों के पास गुरु लौट आए।

गुरु को देखते ही पहला शिष्य वह डिब्बा ले आया, जिसमें उसने गेहूं रखे थे। गुरु ने डिब्बा खोला तो उसमें रखे गेहूं सड़ चुके थे, कीड़े लग चुके थे।

दूसरा शिष्य गेहूं से भरा थैला ले आया, ये देखकर गुरु मुस्कराए। उन्होंने कहा कि जिसने बोया, उसने पाया। जिसने बस संभाला, उसने खोया। ज्ञान भी ऐसा ही है। जब तक तुम उसे अपने काम में नहीं उतारते, वो सड़ने लगता है। ज्ञान को प्रयोग में लाओ, तभी वह जीवित रहता है और तब वह तुम्हें भी जीवित और सफल बनाए रखता है।

इस कथा की सीख

ज्ञान कोई बर्तन में रखा प्रसाद नहीं है, जो बस सजाकर रखा जाए। ज्ञान एक बीज की तरह है। अगर हम किसी बीज को जमीन में नहीं डालते हैं तो वह कभी अंकुरित नहीं होगा। पूजा अच्छी है, पर बुद्धि का इस्तेमाल करना भी जरूरी है।

सच्चा शिष्य वो नहीं, जो गुरु की बात बस याद रख ले, सच्चा शिष्य वो है जो गुरु की बातें समझकर अपने जीवन में उतारता है।

ध्यान रखें - कोरा ज्ञान बोझ होता है। उपयोग किया गया ज्ञान, ताकत बनता है। बांटा गया ज्ञान प्रकाश बनता है। आपके पास जो ज्ञान है, वो सिर्फ आपके लिए नहीं है। उसे दुनिया को दो। अपने कर्म में अपनाओं। क्योंकि गेहूं डिब्बे में रहेगा, तो सड़ेगा और खेत में जाएगा, तो बढ़ेगा। ज्ञान खुद तक रहेगा तो नष्ट हो जाएगा, दूसरों के साथ ज्ञान बंटेगा तो बढ़ता रहेगा।

4 जुलाई तक रहेगी गुप्त नवरात्रि: देवी सती की दस महाविद्याओं की साधना का उत्सव है गुप्त नवरात्रि

आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि शुरू हो गई है। इस बार की आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पूरे नौ दिनों की है, क्योंकि प्रतिपदा से नवमी तक किसी भी तिथि का क्षय नहीं होगा। 4 जुलाई को भड़ली नवमी पर देवी सती की दस महाविद्याओं की साधना का ये उत्सव खत्म हो जाएगा।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, गुप्त नवरात्रि में देवी सती की दस महाविद्याओं की साधना गुप्त रूप से की जाती है। इन महाविद्याओं में मां काली, तारा देवी, षोडषी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, और कमला देवी शामिल हैं। दस महाविद्याओं की उत्पत्ति से जुड़ी एक कथा बहुत प्रचलित है। जानिए ये कथा...

कैसे प्रकट हुई दस महाविद्याएं

देवी सती के पिता प्रजापति दक्ष शिव जी को पसंद नहीं करते थे। वे शिव जी को अपमानित करने का एक भी अवसर नहीं छोड़ते थे। एक बार दक्ष ने एक यज्ञ आयोजित किया। इस यज्ञ में उन्होंने ब्रह्मा, विष्णु सहित समस्त प्रमुख देवी-देवताओं, ऋषियों, तपस्वियों, मुनियों और कई राजाओं को आमंत्रित किया, लेकिन जानबूझकर उन्होंने भगवान शिव और अपनी पुत्री सती को उस यज्ञ में नहीं बुलाया। जब देवी सती को ये मालूम हुआ कि उनके पिता यज्ञ कर रहे हैं और आमंत्रित नहीं किया है तो देवी को दुख तो हुआ, लेकिन पुत्री धर्म और भावनाओं से विवश होकर देवी ने यज्ञ में जाने का मन बना लिया। सती ने शिव जी से इस संबंध में चर्चा की और यज्ञ में जाने की इच्छा बताई।

शिव जी ने शांतिपूर्वक और स्नेहपूर्वक सती को समझाया कि किसी भी यज्ञ या आयोजन में बिना आमंत्रण के जाना उचित नहीं होता, विशेषकर जब आयोजक के हृदय में हमारे लिए अच्छे भाव न हो। हमें वहां अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

शिव जी की बातें सुनकर सती ने तर्क दिया कि एक पुत्री को अपने पिता के घर जाने के लिए किसी निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती, और ये पुत्री का अधिकार है कि वह यज्ञ में जा सकती है।

शिव जी ने उन्हें बार-बार विनम्रता से समझाने का प्रयास किया, लेकिन देवी सती का मन विचलित हो चुका था। जब शिव जी ने उन्हें रोकना जारी रखा तो देवी सती क्रोधित हो गईं। उसी क्षण देवी सती ने उग्र और भयंकर रूप धारण कर लिया। उनका तेज इतना प्रचंड हो गया कि सभी देवता डर गए थे।

शिव जी जब सती के इस भयंकर रूप को देखकर पीछे हटने लगे तो दसों दिशाओं से देवी सती के दस विभिन्न रूप प्रकट हो गए। ये दस रूप ही दस महाविद्याओं के नाम से प्रसिद्ध हुए हैं। ये महाशक्तियां थीं-

काली, जो काल का नाश करने वाली हैं।

तारा, जो ज्ञान और तारक मंत्र की अधिष्ठात्री हैं।

त्रिपुरासुंदरी (षोडशी), जो सौंदर्य और ब्रह्मज्ञान की देवी हैं। भुवनेश्वरी, समस्त जगत की अधिपति शक्ति।

छिन्नमस्ता, जो आत्मबलिदान और चेतना की प्रतीक हैं।

त्रिपुराभैरवी, जो तंत्र मार्ग की रक्षक हैं।

धूमावती, जो त्याग और वैराग्य की मूर्ति हैं।

बगलामुखी, जो शत्रुओं को वशीभूत करने वाली हैं।

मातंगी, जो वाणी, संगीत और विद्या की देवी हैं।

कमला, जो समृद्धि और लक्ष्मी रूप में पूजनीय हैं।

इन दिव्य रूपों के प्रकट होने के बाद देवी सती का क्रोध शांत हुआ, देवी अपने पिता के यहां यज्ञ में पहुंच गईं। यज्ञ स्थल पर दक्ष ने सती को देखते ही शिव जी के लिए अपमानजनक बातें कहना शुरू कर दीं। ये बातें देवी सती के लिए असहनीय थीं।

इस अपमान को देवी सती सहन नहीं कर सकीं और उसी क्षण यज्ञ कुंड में कूदकर अपनी देह का त्याग कर दिया। इस प्रकार, देवी सती के क्रोध से प्रकट हुईं दस महाविद्याएं तांत्रिक साधना, शक्ति उपासना और अध्यात्म के मार्ग में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

'पुष्पा गर्ल्स' ने दुश्मनी की अफवाहों पर लगाया विराम सामंथा-श्रीलीला ने साथ में दिए पोज

साउथ इंडस्ट्री की दो खूबसूरत अदाकाराएं- सामंथा रुथ प्रभु और श्रीलीला अब सुर्खियों में किसी झगड़े को लेकर नहीं, बल्कि अपनी दोस्ती को लेकर हैं। बीते कुछ महीनों से अफवाहें उड़ रही थीं कि दोनों के बीच 'पुष्पा 2' के एक डांस नंबर को लेकर अनबन हो गई है। अब पहली बार इन दोनों एक्ट्रेसेस ने एक साथ कैमरे के सामने आकर उन तमाम अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है।

इवेंट में साथ दिखीं सामंथा और श्रीलीला

हाल ही में आयोजित हुए 'जीक्यू इंडिया के सबसे प्रभावशाली युवा भारतीय' इवेंट में सामंथा और श्रीलीला ने एक साथ एंट्री ली और मुस्कुराते हुए एक-दूसरे का हाथ थाम कर पोज दिए। ये नजारा सोशल मीडिया पर छा गया और फैन्स के साथ-साथ इंडस्ट्री के लोगों ने भी राहत की सांस ली कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है।

इस इवेंट में सामंथा ने ब्लैक शीर गाउन में ग्लैमर का तड़का लगाया, वहीं श्रीलीला ने रेड ऑफ-शोल्डर ड्रेस में सबका ध्यान खींचा। एक

वायरल वीडियो में सामंथा को श्रीलीला का इंतजार करते हुए देखा गया और जब वह आईं, तो उन्होंने खुद उन्हें बुलाकर पोज देने को कहा। इसके बाद दोनों की हंसी-मजाक और गर्मजोशी ने दर्शा दिया कि उनके बीच किसी तरह की दूरी नहीं है।

कब और कैसे शुरू हुई दुश्मनी की अफवाह?

अब बात करें इस अफवाह की शुरुआत की, तो ये सब तब शुरू हुआ जब खबरें आईं कि 'पुष्पा 2' में सामंथा की जगह श्रीलीला को एक स्पेशल डांस नंबर के लिए चुना गया है। फिल्म 'पुष्पाः द राइज' में सामंथा का गाना 'ओ अंटावा' जबरदस्त हिट हुआ था, ऐसे में जब नई फिल्म में श्रीलीला का गाना 'किसिक' आया, तो फैन्स ने तुरंत तुलना शुरू कर दी। सोशल मीडिया पर दोनों की परफॉर्मेंस को लेकर खूब बहस हुई और अफवाहों को और हवा मिली।

हालांकि, श्रीलीला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पर सफाई देते हुए कहा था कि उनका गाना सिर्फ एक 'आइटम नंबर' नहीं, बल्कि कहानी से जुड़ा हुआ है और इसका असर फिल्म देखने के बाद ही समझ आएगा। बावजूद इसके, सोशल मीडिया पर लोगों की राय बंटी रही।

दोनों ने अफवाहों पर लगाया विराम

लेकिन अब जब दोनों एक्ट्रेसेस ने सबके सामने एक साथ आकर अपने रिश्ते में किसी खटास की बात को नकार दिया है, तो साफ है कि दोनों के बीच किसी तरह की दुश्मनी नहीं है। सामंथा और श्रीलीला की ये जॉइंट अपीयरेंस इस बात का सबूत है कि इंडस्ट्री में प्रोफेशनल फैसलों को पर्सनल रिश्तों पर हावी नहीं होने दिया जाना चाहिए।

चेहरे पर खून और आंखों में क्रोध की ज्वाला लिए दिखीं रश्मिका

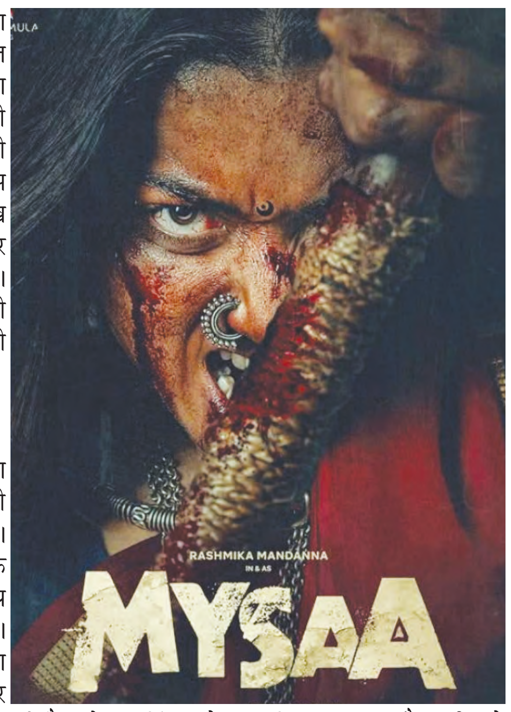

'छावा' की शानदार सफलता के बाद रश्मिका मंदाना इस वक्त धनुष की 'कुबेर' में नजर आ रही हैं। अब अभिनेत्री की आगामी फिल्म का पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें एक्ट्रेस बेहद खतरनाक लुक में दिख रही हैं, जिससे फिल्म को लेकर फैंस की बेसब्री बढ़ गई है। फिल्म निर्माताओं ने पोस्टर जारी करते हुए फिल्म के टाइटल की भी घोषणा कर दी है।

रश्मिका मंदाना का नया अंदाज देखने को हो जाएं तैयार

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म का पोस्टर जारी किया है। इसमें अभिनेत्री का पहला लुक सामने आया है, जिसमें वो हाथ में हथियार लिए दिख रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है और आंखों में क्रोध की ज्वाला धधक रही है। इसे पोस्टर को शेयर करते हुए रश्मिका मंदाना ने कैप्शन में लिखा, 'मैं हमेशा आपको कुछ नया देने की कोशिश करती हूं।

कुछ अलग, रोमांचक और यह उनमें से एक है। एक ऐसा किरदार जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया, एक ऐसी दुनिया जिसमें मैंने कभी कदम नहीं रखा और मेरा एक ऐसा रूप जिससे मैं भी अब तक नहीं मिली थी। यह बहुत ही खतरनाक है, जिस कारण मैं थोड़ा नर्वस हूं, लेकिन बहुत उत्साहित भी हूं।'

इस पोस्टर को रिलीज करते हुए फिल्म निर्माताओं ने टाइटल की भी घोषणा कर दी है। रश्मिका मंदाना की इस आगामी फिल्म का नाम 'मैसा' है। इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुले द्वारा किया जा रहा है, वहीं इसे अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी द्वारा निर्मित किया जा रहा है। इसके साथ ही फिल्म को चार भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। अब दर्शकों को फिल्म के रिलीज डेट की घोषणा का इंतजार है।

रश्मिका मंदाना का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो इस समय अभिनेत्री धनुष की 'कुबेर' में नजर आ रही हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

हानिया आमिर विवाद के बीच नीरू बाजवा ने 'सरदार जी 3' से जुड़ी सारी पोस्ट हटा दी

दिलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म 'सरदार जी 3' विवादों के घेरे में है। फिल्म को भारत में रिलीज नहीं किया जा रहा है। इसी बीच फिल्म की लीड एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने बड़ा कदम उठाया है। फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर की मौजूदगी को लेकर शुरू हुआ विवाद अब अलग मोड़ ले चुका है, क्योंकि नीरू बाजवा ने फिल्म से जुड़ी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट अचानक हटा दी हैं। इस फैसले के बाद नीरू को सोशल मीडिया पर जबरदस्त समर्थन और तारीफ मिल रही है।

'सरदार जी 3' को लेकर विवाद तब गहराया जब फिल्म में हानिया आमिर की कास्टिंग सामने आई। हानिया पाकिस्तान की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और उनके भारत में एक पंजाबी फिल्म में दिखने को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगीं। खासकर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, जनता का गुस्सा और बढ़ गया। सोशल मीडिया यूजर्स ने देश के माहौल को देखते हुए इस कास्टिंग को अनुचित बताया और फिल्म का बहिष्कार करने की मांग शुरू कर दी।

भारत में स्क्रीनिंग पर रोक, विदेशों में रिलीज

इन विवादों के बीच फिल्म को भारत में रिलीज नहीं किया गया है, हालांकि इसे विदेशों में 27 जून को रिलीज कर दिया गया। ऐसे में फिल्म की टीम प्रमोशन की कोशिशों में लगी रही, लेकिन विवाद थमता नहीं दिखा। इसी दौरान नीरू बाजवा का फिल्म से दूरी बनाना एक बड़े फैसले की तरह सामने आया।

नीरू बाजवा ने हटाए फिल्म से जुड़े पोस्ट

नीरू बाजवा ने पहले अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के पोस्टर और टीजर शेयर किए थे। लेकिन अब उनकी प्रोफाइल से 'सरदार जी 3' से जुड़ी सारी पोस्ट गायब हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो यह कदम फिल्म की अंतरराष्ट्रीय रिलीज से ठीक एक दिन पहले उठाया गया, जिससे उनके फैसले की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, कुछ रिपोर्ट्स ये भी दावा कर रही हैं कि नीरू ने हानिया आमिर को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो भी कर दिया है।

सोशल मीडिया पर नीरू को मिल रही तारीफ

नीरू बाजवा के इस कदम को सोशल मीडिया पर लोगों का भारी समर्थन मिल रहा है। फैंस और कई यूज़र्स ने उन्हें देश की भावनाओं का सम्मान करने के लिए धन्यवाद कहा है। उनका यह फैसला एक तरह से विरोध का शांतिपूर्ण तरीका भी माना जा रहा है, जिससे उन्होंने बिना कोई बयान दिए अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी।

एफआईआर होने के बाद अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी, निर्माता ने अपहरण कराने का लगाया था आरोप

टीवी की जानी-मानी जोड़ी पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा इन दिनों एक संगीन विवाद में फंसे हुए हैं। हाल ही में फिल्म निर्माता श्याम सुंदर डे ने इन दोनों पर अपहरण, शारीरिक हमले और पैसे वसूलने का आरोप लगाया है। इस मामले में निर्माता की पत्नी मालविका डे ने एफआईआर भी दर्ज करवाई है। वहीं अब पूजा बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर कर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इस घटना को अपने जीवन का सबसे मुश्किल दौर बताया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, पूजा और कुणाल कुछ दिनों पहले खुद को एक आर्थिक धोखाधड़ी का शिकार बता चुके हैं। उन्होंने दावा किया था कि उनकी मेहनत की कमाई किसी करीबी ने हड़प ली। लेकिन इसी बीच एक नया मोड़ तब आया जब प्रोड्यूसर श्याम सुंदर डे ने उन पर गंभीर आरोप लगाए।

प्रोड्यूसर ने लगाए गंभीर आरोप

श्याम के मुताबिक, वो गोवा में एक काम के सिलसिले में रुके थे, तभी एक काली जगुआर कार ने उनका रास्ता रोका और दो लोगों ने उन्हें जबरदस्ती कार से उतरने को कहा। उन्होंने जब पूजा को देखा, तो उन्हें लगा कि कोई गलतफहमी हुई है और वो उनके साथ चले गए। लेकिन बाद में उन्हें एक विला में बंद कर दिया गया। श्याम का दावा है कि विला में उन्हें चार दिन तक बंधक बनाकर रखा गया और इस दौरान कुणाल ने उन्हें पीटा भी। उन्होंने ये भी कहा कि पूजा ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। श्याम का कहना है कि भले ही उनके और पूजा-कुणाल के बीच

कुछ व्यवसायिक लेनदेन रहा हो, लेकिन ऐसा बर्ताव किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता।

निर्माता की पत्नी का भी गंभीर आरोप

इसके बाद श्याम की पत्नी मालविका ने इस घटना को न सिर्फ अपराध, बल्कि विश्वासघात बताया। उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक लंबी पोस्ट शेयर करते हुए आरोप लगाया कि पूजा और कुणाल ने उनके पति को 64 लाख रुपये न देने पर ड्रग केस में फंसाने की धमकी दी थी। उन्होंने दावा किया कि करीब 23 लाख रुपये वे पहले ही अलग-अलग माध्यमों से दे चुके हैं। इसके सबूत के तौर पर उन्होंने एफआईआर की कॉपी, व्हाट्सऐप चैट्स और ट्रांजैक्शन डिटेल्स भी शेयर की हैं।

पूजा बनर्जी ने मामले पर तोड़ी चुप्पी

इस मामले में कई दिनों की चुप्पी के बाद पूजा बनर्जी ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। जो लोग हमारे साथ खड़े हैं, उनका हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। और जो लोग हमारे खिलाफ फैली झूठी बातों पर यकीन कर रहे हैं, उन्हें भी भगवान सद्बुद्धि दें।'

आलिया भट्ट ने रेखा की जमकर की तारीफ अपनाया 1981 में रिलीज हुई फिल्म का लुक

रेखा की फिल्म 'उमराव जान' दोबारा रिलीज हुई है। रीरिलीज के कार्यक्रम में अभिनेत्री आलिया भट्ट भी पहुंचीं। आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री रेखा के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एक बेहतरीन बात भी लिखी है। आइए जानते हैं आलिया ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा है?

आलिया भट्ट ने की रेखा की तारीफ

आलिया भट्ट ने रेखा के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी पोस्ट में लिखा 'एक जीवित लीजेंड के लिए एक लाइन, आपकी तरह न कोई था, न कोई है और न कोई होगा।' पोस्ट में आलिया ने अपनी तस्वीरें भी शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि आलिया भट्ट ने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहनी है। एक तस्वीर में आलिया भट्ट गुलाब के साथ पोज दे रही हैं।

आलिया ने अपनाया 'सिलसिला' का लुक

बताया जाता है कि आलिया का यह लुक रेखा की फिल्म 'सिलसिला (1981)' के लुक से प्रेरित है। आलिया भट्ट ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए मिनिमल मेकअप किया है। उन्होंने अपने बाल खुले छोड़े हैं। तस्वीरों के साथ आलिया ने एक वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में वह कई तरह के पोज दे रही हैं और डांस कर रही हैं।

यूजर्स को पसंद आई तस्वीरें

आलिया की तस्वीरों पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। आईफा ने कमेंट करते हुए लिखा है 'एक फ्रेम में दो रानी।' एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है 'गुलाबी में खूबसूरत लग रही हो।' एक और यूजर ने लिखा है 'मैं भाग्यशाली हूं कि इतने अच्छे लोगों को देख पार रही हूं।'

'उमराव जान' ने जीते थे अवॉर्ड

'उमराव जान' की दोबारा रिलीज के बारे में बात करते हुए, फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली ने 2 जून को एलान किया था कि फिल्म को 4के रिजॉल्यूशन में बना लिया गया है। बड़े पर्दे पर इसे 27 जून से रिलीज किया जाएगा।

साल 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'उमराव जान' एक पीरियड म्यूजिकल ड्रामा फिल्म थी जो मिर्जा हादी रुसवा के 1899 के उर्दू उपन्यास 'उमराव जान अदा' पर आधारित थी। यह फिल्म लखनऊ की एक तवायफ और कवियत्री पर आधारित थी। इस फिल्म ने 29वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री सहित 4 पुरस्कार जीते थे।

राम कपूर के भद्दे कमेंट पर भड़के 'अनुपमा' के वनराज बोले- उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है

टीवी इंडस्ट्री इन दिनों जबरदस्त विवादों की चपेट में है। मशहूर अभिनेता राम कपूर के हालिया आपत्तिजनक बयानों के चलते पूरा टीवी जगत उनसे नाराज है। 'अनुपमा' फेम अभिनेता सुधांशु पांडे ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए न केवल राम की आलोचना की, बल्कि इंडस्ट्री की ओर से सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी है।

राम कपूर के बयान पर विवाद

दरअसल, राम कपूर ने अपने अपकमिंग शो 'मिस्त्री' के प्रमोशन के दौरान कुछ भद्दे और असंवेदनशील कमेंट्स किए, जिन्हें लेकर सोशल मीडिया पर भारी विरोध हुआ। उनकी टिप्पणियां इतनी आपत्तिजनक थीं कि शो के निर्माताओं ने उन्हें प्रचार अभियानों से भी बाहर कर दिया। पैपराजी पेज ताहिर जासूस ने सुधांशु के बयान को लेकर पोस्ट किया है।

सुधांशु पांडे ने जताया गुस्सा

इस विवाद के बीच सुधांशु पांडे सामने आए और उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर राम ने ऐसे बयान दिए हैं, तो ये सिर्फ उनके नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि ये मानसिक असंतुलन का संकेत हो सकता है, क्योंकि एक सामान्य व्यक्ति ऐसी बातें सार्वजनिक मंच पर नहीं कहता।

सुधांशु ने ये भी कहा कि टीवी इंडस्ट्री हमेशा महिलाओं के सम्मान को प्राथमिकता देती है और अगर कोई कलाकार ऐसा आचरण करता है तो वो पूरी बिरादरी को शर्मिंदा करता है। उन्होंने ये भी जोड़ा कि महिलाओं के खिलाफ इस तरह की भाषा या इशारे न केवल अस्वीकार्य हैं, बल्कि यह मानसिक रूप से असंतुलित होने की स्थिति को दर्शाते हैं।

राम कपूर ने क्या बयान दिया?

गौरतलब है कि राम कपूर पर आरोप है कि उन्होंने एक मेल कलीग को किस करने की बात कही और वर्क प्रेशर को 'गैंगरेप जैसा' अनुभव बताने वाला बयान दिया, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुईं। सोशल मीडिया पर उनके इन बयानों की कड़ी आलोचना हुई और कई लोगों ने उन्हें बैन करने की मांग तक कर डाली।

राम कपूर ने दी सफाई

विवाद बढ़ता देख राम कपूर ने सफाई भी दी और अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा कि वह जिस अंदाज में बात करते हैं, वह उनके निजी माहौल के हिसाब से होता है।

उन्होंने यह भी माना कि उन्होंने जो कुछ कहा, वह वास्तव में कहा था और इसके लिए वह पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। राम ने अपनी मंशा को आपत्तिजनक न बताते हुए इसे 'दोस्ताना अंदाज' बताया, लेकिन सार्वजनिक मंच पर ऐसा व्यवहार कहां तक उचित है, इस पर बहस जारी है।

'बॉर्डर 2' को लेकर मुश्किल में दिलजीत, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने अमित शाह को लिखा पत्र

दिलजीत दोसांझ के फिल्म 'बॉर्डर 2' में काम करने को लेकर भी अब बवाल होना शुरू हो गया है। अभिनेता के पाकिस्तान की एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ काम करने को लेकर पहले ही बहस छिड़ी हुई थी, लेकिन अब ये विवाद और गहराता नजर आ रहा है। फिल्म की शूटिंग नेशनल डिफेंस अकादमी , पुणे में चल रही है, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े संगठन फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को चिट्ठी लिख डाली है।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने अपने पत्र में साफ तौर पर मांग की है कि 'बॉर्डर 2' को मिली शूटिंग परमिशन को तत्काल रद्द किया जाए। संगठन का कहना है कि दिलजीत दोसांझ को पहले ही आधिकारिक रूप से बॉयकॉट किया जा चुका है, ऐसे में उन्हें देश की रक्षा प्रतिष्ठान जैसे स्थान पर फिल्म शूट करने की अनुमति देना राष्ट्रीय भावना के खिलाफ है।

लेटर में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने क्या कुछ कहा?

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया कि दिलजीत ने हाल ही में पाकिस्तान की अदाकारा हानिया आमिर के साथ फिल्म 'सरदार जी 3' में काम किया है, जो उस समय रिलीज हो रही है जब देश हाल ही में पहलगाम जैसे आतंकी हमले से गुजरा है। इस संदर्भ में संगठन ने कहा कि दिलजीत का इस तरह का जुड़ाव उन लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है जो देश के लिए बलिदान देते हैं।

'रक्षा प्रतिष्ठानों का सम्मान जरूरी'

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज का कहना है कि नेशनल डिफेंस अकादमी सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। ऐसे में वहां किसी ऐसे अभिनेता की फिल्म की शूटिंग नहीं होनी चाहिए जो फिलहाल सार्वजनिक और पेशेवर बहिष्कार का सामना कर रहा हो। संगठन ने यह भी आगाह किया कि इस प्रकार की शूटिंग देश की सुरक्षा प्रतिष्ठानों की गरिमा को कम कर सकती है।

पहले भी हुआ था विरोध

ये पहला मौका नहीं है जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने 'बॉर्डर 2' को लेकर आपत्ति जताई हो। इससे पहले भी संगठन ने फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, निर्देशक अनुराग सिंह और प्रोड्यूसर जेपी दत्ता को पत्र भेजकर अपनी नाराजगी जताई थी। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने उन्हें यह समझाने की कोशिश की थी कि दिलजीत को फिल्म में कास्ट करना भावनात्मक रूप से भारतीय दर्शकों को आहत कर सकता है।

दिलजीत ने रखा अपना पक्ष

इसी मामले में एक इंटरव्यू में दिलजीत दोसांझ ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि 'सरदार जी 3' की शूटिंग बहुत पहले पूरी हो चुकी थी, जब राजनीतिक माहौल इतना संवेदनशील नहीं था। उन्होंने ये भी बताया कि उनका उद्देश्य सिर्फ कला और मनोरंजन है और वो किसी भी राष्ट्रविरोधी भावना से सहमत नहीं हैं।

यूक्रेन ने रूसी कवच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को भेद दिया

ड्रोन हमले में रडार उड़ाया, पुतिन के साथ भारत की भी बढ़ेगी चिंता

कीव, 27 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन के साथ 40 महीने से युद्ध में उलझे रूस को तगड़ा झटका लगा है। यूक्रेन ने क्रीमिया में ड्रोन हमला करते हुए रूस के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने में कामयाबी हासिल की है। यह सिस्टम रूस को हवाई हमलों से बचाने के लिए सबसे अहम हथियार है। भारत समेत कई दूसरे देशों को भी रूस ने ये सिस्टम बेचा है। ऐसे में यूक्रेन के एस-400 को भेदने से रूस की अपनी सुरक्षा खतरे में पड़ने के साथ-साथ उसके हथियार निर्यात पर भी असर पड़ सकता है। भारत के लिए भी एस-400 की क्षमताओं पर उठते सवाल चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी जीयूआर ने बताया है कि उन्होंने गुरुवार को रूस के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के महत्वपूर्ण घटक 91एन6ई बिग बर्ड रडार पर ड्रोन हमला किया है। जीयूआर की

घोस्ट्स यूनिट ने ये हमला किया, जिसमें मल्टीफंक्शन रडार और मिसाइल लांचर सहित एस-400 के घटकों को नुकसान पहुंचा। यह हमला क्रीमिया में हुआ, जो 2014 में रूस के कब्जे के बाद से उसके लिए अहम रहा है।

जीयूआर ने क्रीमिया में एस-400 को निशाना बनाने के लिए आत्मघाती ड्रोन का इस्तेमाल किया। कम लागत वाले ये ड्रोन रूस के खिलाफ यूक्रेनी सेना का खास हथियार बने हुए हैं। हमले में यूक्रेन की जीयूआर ने दो 91एन6ई बिग बर्ड रडार को नष्ट कर दिया। यह वार्निंग सिस्टम के तौर पर रूस के एस-400 एयर डिफेंस नेटवर्क के साथ जुड़ते हैं।

91एन6ई बिग बर्ड रडार को रूस के एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की रीढ़ कहा जाता है। इसे बैलिस्टिक मिसाइलों से लेकर स्टील्थ विमानों जैसे हवाई खतरों की जानकारी देने के लिए डिजाइन किया गया है। एस-बैंड फ्रीक्वेंसी में काम करने वाला यह रडार 600 किलोमीटर तक की दूरी तक लक्ष्यों का पता लगाने और ट्रैक करने का काम करता है।

91एन6ई बिग बर्ड रडार की लक्ष्यों का पता लगाने और ट्रैक करने की क्षमता इसे रूस के हवाई रक्षा नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। पुराने रडार के उलट 91एन6ई इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए एरे (पीईएसए) का उपयोग करता है। इसके डिजाइन में गतिशीलता (मॉबिलिटी) पर जोर दिया गया है। बिग बर्ड रडार के बिना एस-400 की दूर के लक्ष्यों का पता लगाने और उनको रोकने की क्षमता सीमित हो जाती है।

रूस के एस-400 को दुनिया के बेहतरीन एयर डिफेंस में गिना जाता है लेकिन हालिया समय में इस सिस्टम पर कई सवाल उठे हैं। खासतौर से यूक्रेन की ओर से इस सिस्टम को बार-बार पहुंचाए जा रहे नुकसान ने इस सिस्टम की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि को लेकर फ्रांस चिंतित

ब्रुसेल्स, 27 जून (एजेंसियां)। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर फ्रांस की चिंता बढ़ गई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि अमेरिकी हमलों से ईरान को नुकसान हुआ है। अब साफ है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से खुद को बाहर कर लेगा। मैक्रों का कहना है कि यह स्थिति सबसे खराब होगी। इस मामले को लेकर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात भी की है।

मैक्रों ने कहा कि अमेरिकी हमलों का नतीजा यह होगा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकल जाएगा। इसलिए यह एक भटकाव और सामूहिक रूप से कमजोर हो जाएगा। हमारी कोशिश है कि हम संधि को कायम रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्य से बात करेंगे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात की और

मैक्रों ने ट्रंप से कही ये बात

कहा कि हमले के बाद हमने तेहरान से संपर्क किए हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे विचार समान होंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि ईरान द्वारा परमाणु निर्माण कार्य पुनः शुरू न किया जाए।

ईरान ने 1950 के दशक के अंत में अमेरिका की तकनीकी सहायता से अपने परमाणु कार्यक्रम की नींव रखी। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी ईरान के शासक थे। उन्होंने अमेरिका के साथ एक असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

1970 में ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किया। उसने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को अपनी परमाणु सामग्री घोषित करने की प्रतिबद्धता जताई।

हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में ईरान के अघोषित परमाणु स्थलों के बारे में जो जानकारी सामने आई उसने विश्व समुदाय की चिंताएं बढ़ा

दी। आईएईए की 2011 की रिपोर्ट में बताया गया कि 2003 तक ही ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा में कई गतिविधियों के करीब पहुंच गया था। यह जानकारी सामने आने के बाद ईरान की यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने कहा था कि उसके परमाणु स्थलों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। यह कार्रवाई दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की उदासीनता और मिलीभगत के तहत हुई। अमेरिकी दुश्मन ने हमलों की जिम्मेदारी ली है, जो सुरक्षा समझौते और एनपीटी के अनुसार निरंतर आईएईए निगरानी के अधीन हैं। यह उम्मीद की जाती है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जंगलराज जैसी इस अराजकता की निंदा करेगा और ईरान को उसके वैध अधिकारों का दावा करने में समर्थन देगा। इसके बाद माना जा रहा है कि ईरान एनपीटी से खुद को अलग कर लेगा।

जापान में ट्विटर किलर ताकाहिरो शिराइशी को फांसी

2017 में 9 हत्याएं की थीं

टोक्यो, 27 जून (एजेंसियां)। जापान ने 2017 में 9 लोगों की हत्या करने वाले एक शख्स ताकाहिरो शिराइशी को शुक्रवार को फांसी दी गई। पिछले 3 साल में पहली बार है, जब जापान में फांसी की सजा दी गई है। 34 साल का शिराइशी ट्विटर पर लोगों से संपर्क कर उनकी हत्या कर देता था। इसलिए उसका नाम 'ट्विटर किलर' रख दिया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक शिराइशी ट्विटर पर उन लोगों को संपर्क करता था, जो मरने की चाहत रखते थे। इसके बाद वह उन्हें मदद का झांसा देकर अपने टोक्यो के पास स्थित अपार्टमेंट में बुलाता था। फिर वह उनकी गला घोंटकर हत्या कर देता। फिर उनके शव के टुकड़े करता, फिर अपने छोटे से फ्लैट में कूलर बॉक्स में छिपा कर रखता था। उसके पीड़ितों में 9 से 8 महिलाएं थीं, जिनकी उम्र 15 से 26 साल के बीच थी।

जापान के न्याय मंत्री कीसुके सुजुकी ने बताया कि उन्होंने बहुत सोच-समझकर फांसी की मंजूरी दी।

ट्रंप की बेटी से लेकर बिल गेट्स तक

बेजोस की शादी में सितारों ने लगाए चार चांद, खर्च पर उठे सवाल

वेनिस, 27 जून (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने पत्रकार लॉरेन सांचेज से शादी करने के लिए इटली के खूबसूरत शहर वेनिस को चुना है। इस शादी को 'सदी की सबसे बड़ी शादी' कहा जा रहा है। वेनिस में तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य समारोह की शुरुआत गुरुवार को हुई, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

शादी में शामिल होने के लिए दुनियाभर से करीब 200 से 250 हाई-प्रोफाइल मेहमान पहुंचे हैं। इनमें बिल गेट्स, ओपरा विन्फ्रे, ऑरलैंडो ब्लूम, जॉर्डन की क्वीन, क्रिस जेनर, किम और क्लोई कार्डेशियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका और दामाद जेरेड कुश्नर पहले ही शहर में पहुंच गए हैं और समय का आनंद लेते हुए वो लोग खरीदारी कर रहे हैं। दरअसल , इस शादी का जश्न एक दिन नहीं

बल्कि 3 दिन तक चलेगा।

इस आलीशान समारोह को लेकर स्थानीय लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी भी देखी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे वेनिस को 'अमीरों के लिए बेचने' की मिसाल बताया है। गुरुवार को एक प्रदर्शनकारी ने सेंट मार्क स्क्वायर पर चढ़कर 'दुनिया को 1% अमीर लोग बर्बाद कर रहे हैं' लिखी हुई बैनर लहराया। गुरुवार शाम को वेनिस के ऐतिहासिक मदोन्ना डेल'ऑर्टो चर्च में पहला कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह चर्च अपनी 16वीं सदी की प्रसिद्ध पेंटिंग्स के लिए जाना जाता है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चलते शाम 4:30 बजे से आधी रात तक इलाके में लोगों और नावों की आवाजाही पर रोक लगा दी।

बेजोस और सांचेज हेलीकॉप्टर से बुधवार को वेनिस पहुंचे और ग्रैंड कैनाल के किनारे स्थित आलीशान 'अमान' होटल में रुके। यहां एक कमरे का किराया करीब 4,000 यूरो यानी लगभग 4.68 लाख रुपये प्रति रात है। शुक्रवार को सेंट मार्क स्क्वायर के सामने स्थित सैन जॉर्जियो द्वीप पर शादी का मुख्य कार्यक्रम होगा। हालांकि, इसे केवल प्रतीकात्मक शादी बताया जा रहा है।

जहां कुछ लोग इस आयोजन को वेनिस की गरिमा के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कई स्थानीय लोग इसे शहर की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद मानते हैं। होटल मालिकों और टूर गाइड्स का कहना है कि अमीर मेहमानों के खर्च से शहर को फायदा होता है।

वेनिस में वीआईपी शादियों का इतिहास पुराना है। 2014 में हॉलीवुड अभिनेता जॉर्ज क्लूनी और मानवाधिकार वकील अमल अलामुद्दीन ने भी यहीं शादी की थी। इससे पहले 2011 में भारतीय उद्योगपति विनिता अग्रवाल और मुकीत तेजा ने भी वेनिस में विवाह किया था।

बांग्लादेश में मंदिर पर चला बुलडोजर

भारत ने जताई नाराजगी, कहा- सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी

ढाका, 27 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बने एक अस्थायी दुर्गा मंदिर को ढहाने को लेकर भारत ने कड़ी नाराजगी जताई है। भारत ने साफ कहा है कि बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को मंदिर को सुरक्षा देनी चाहिए थी, लेकिन उसने इसे अवैध कब्जा बताकर गिरा दिया। इस घटना में मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा है।

दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ चरमपंथी ढाका के खुलीखेत में बने दुर्गा मंदिर को गिराने की मांग कर रहे थे। लेकिन अंतरिम सरकार ने मंदिर की सुरक्षा करने के बजाय इसे अवैध कब्जा बता दिया और आज मंदिर ढहा दिया गया।

जयसवाल ने आगे कहा कि इस कार्रवाई के दौरान मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि हम इस बात से

बेहद दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय, उनकी संपत्ति और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

दरअसल, बांग्लादेश रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को ढाका के खुलीखेत इलाके में बने अस्थायी दुर्गा मंदिर को गिरा दिया। प्रशासन का दावा है कि मंदिर रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। मंदिर गिराने की यह कार्रवाई ऐसे वक्त हुई जब तीन दिन पहले ही भीड़ ने मंदिर हटाने की मांग की थी। मंदिर कमेटी और अल्पसंख्यक संगठनों ने मंदिर गिराने की निंदा की है। मंदिर कमेटी के सचिव अर्जुन रॉय ने बताया कि उन्होंने पिछले साल दुर्गा पूजा के लिए रेलवे से अस्थायी अनुमति ली थी, लेकिन इस बार बिना कोई नोटिस दिए मंदिर गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें बहुत दुख है कि प्रशासन ने बिना सूचना के कार्रवाई कर दी। ढाका रेलवे डिवीजन के संपत्ति अधिकारी मोहम्मद नासिर उद्दीन महमूद ने दावा किया कि रेलवे की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि हमें सोमवार को जानकारी मिली कि वहां एक अस्थायी मंदिर बनाया गया है। इसलिए आज सुबह 10 बजे से अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। बांग्लादेश पूजा उद्‌जापन परिषद, महानगर सार्वजनिन पूजा समिति और माइनॉरिटी राइट्स मूवमेंट ने अलग-अलग बयान जारी कर मंदिर गिराने और भीड़ की घटना की कड़ी निंदा की है। इन संगठनों का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, जिसे लेकर सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

बुर्के वाली स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी

ममदानी के न्यूयॉर्क प्राइमरी जीतते ही क्यों शेयर की जाने लगी ये तस्वीर, पहले मुस्लिम मेयर पर बवाल

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के चुनाव में भारतीय मूल के प्रत्याशी जोहरान ममदानी के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप समर्थकों ने सोशल मीडिया पर अभियान छेड़ दिया है। मेयर चुनाव अभियान में डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीतने के बाद जोहरान ममदानी को इस्लामोफोबिक हमलों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) मूवमेंट के समर्थकों ने डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत के बाद सोशल मीडिया पर बुर्का पहने स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी की एक तस्वीर साझा की है। ममदानी की जीत के तुरंत बाद एमएजीए समर्थकों ने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की एडिटेड तस्वीरें शेयर करनी शुरू कर दीं। ये तस्वीरें

जोहरान ममदानी की धार्मिक पृष्ठभूमि पर तंज है, जो शहर के पहले मुस्लिम और भारतीय मूल के मेयर बन सकते हैं। अमेरिका की अति दक्षिणपंथी राजनेता मार्जोरी टेलर ग्रीन ने भी सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों को साझा किया है। ट्रंप के एमएजीए अभियान के समर्थक एक और समर्थक नेता डॉन कीथ ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, 'बधाई हो न्यूयॉर्क।' इसके साथ ही ममदानी की कुर्ता और पायजामा पहने एक तस्वीर भी शेयर की जा रही है, जिसे 2001 में अमेरिका के खिलाफ इस्लामिक आतंकवादी समूह अलकायदा के हमले के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्राइमरी जीतने के बाद से ही ममदानी को तरह-तरह के नामों से संबोधित किया जा रहा है। उन्हें हमास आतंकी समर्थक, जेहादी आतंकवादी तक कहा जा रहा है। इतना ही नहीं, लोग उनके निर्वासन की भी मांग कर रहे हैं और आने वाले दिनों में एक और 9/11 की भविष्यवाणी कर रहे हैं। न्यूयॉर्क सिटी काउंसिलवुमन विकी पलाडिनो ने एक रेडिया शो के दौरान उन्हें जेहादी आतंकवादी और कम्युनिस्ट कहा और अमेरिकी नागरिकता के बावजूद ममदानी को देश से बाहर निर्वासित किए जाने की मांग कर डाली।

ईरान को 2.5 लाख करोड़ देने की तैयारी में अमेरिका

तेहरान, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिका, ईरान को उसके सिविल एनर्जी प्रोडक्शन न्यूक्लियर प्रोग्राम को विकसित करने में मदद करने पर विचार कर रहा है। अमेरिका ने ईरान को 30 अरब डॉलर (करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए) के निवेश का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत ईरान यूरेनियम का संवर्धन किए बिना सिविल एनर्जी के लिए परमाणु कार्यक्रम शुरू कर सकता है। इस डील के तहत ईरान को कुछ प्रतिबंधों से भी छूट मिल सकती है और उसे विदेशी बैंकों में जमा 6 अरब डॉलर तक की राशि तक पहुंच मिल सकती है, जिस पर फिलहाल प्रतिबंध है। सिविल एनर्जी प्रोडक्शन न्यूक्लियर प्रोग्राम ऐसा परमाणु कार्यक्रम होता है जिसका इस्तेमाल सिर्फ बिजली या ऊर्जा बनाने के लिए किया जाता है, न कि हथियार बनाने के लिए।

ओबामा बोले- अमेरिका लोकतंत्र से भटक रहा

ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही, ट्रेड वॉर से खतरे में देश की गरिमा

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर कॉक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की।

ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।

ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो

केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वॉर को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है।

ओबामा ने अमेरिका की तुलना हंगरी जैसे देशों से की, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन वहां सच में लोगों की आवाज की कद्र नहीं होती और नेता मनमानी करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका भी अब ऐसे ही रास्ते पर बढ़ रहा है, जहां कानून और लोकतंत्र की असली भावना कमजोर हो रही है।

ओबामा ने चेतावनी दी कि अमेरिका में भी हालात उस दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं। ओबामा ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का उदाहरण दिया, जिसमें बाइडेन ने जीत हासिल की थी, लेकिन हारने वाले डोनाल्ड ट्रम्प ने धोखाधड़ी के झूठे आरोप लगाए।

ओबामा ने इंटरव्यू में कहा कि सत्ता में बैठे लोग अक्सर उस माहौल का फायदा उठाते हैं, जहां लोगों को यह पता ही नहीं होता कि सच क्या है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और उनके केजीबी (जासूसी एजेंसी) की एक कहावत है, जिसे अमेरिका में ट्रम्प के सलाहकार स्टीव बैनन ने भी अपनाया। इस कहावत का मतलब है कि अगर आप चाहते हैं कि लोगों का दिमाग उलझ जाए, तो उन्हें सच्चाई समझाने की जरूरत नहीं है। उस माहौल में इतना ज्यादा झूठ और बकवास भर दो कि लोगों को लगे, अब किसी बात पर यकीन करना ही फिजूल है। ओबामा ने आगे कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई नेता बार-बार झूठ बोल रहा है, या कोई राष्ट्रपति यह दावा कर रहा है कि उसने चुनाव नहीं हारा, बल्कि जीत हासिल की है, और चुनाव में गड़बड़ी हुई थी। लेकिन जब वही नेता चुनाव जीत जाता है, तो वह गड़बड़ी अचानक गायब हो जाती है। झूठ पर कौन यकीन करता है, ये इतना मायने नहीं रखता, असली समस्या तब है जब लोग इन सबसे हार मानकर कहने लगते हैं, "अब तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता।"

आर्मेनिया के पीएम पर खतना कराकर यहूदी बनने का आरोप

पीएम पाशिनयान बोले- ईसाई हूं, चर्च को इसका सबूत दिखाने के लिए तैयार

येरेवन, 27 जून (एजेंसियां)। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान पर आरोप लग रहा है कि वे 'ईसाई' नहीं हैं। उन पर देश के सबसे बड़े चर्च के एक पादरी फादर जारेह अशुरयान ने यह आरोप लगाया है। पादरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पीएम ने 'खतना' कर लिया है और अब वे 'यहूदी' बन चुके हैं।

अपोस्टोलिक चर्च के फादर अशुरयान ने पीएम पाशिनयान की तुलना बाइबिल के गद्दार पात्र 'जूडस' से की और उन्हें गद्दार भी कहा। फादर जारेह अशुरयान आर्मेनिया के सबसे बड़े चर्च के मुख्य पादरी गरेगिन -2 के प्रवक्ता हैं।

इसके जवाब में पीएम पाशिनयान ने फेसबुक पर तीखा

पोस्ट किया और गरेगिन-2 के असली नाम 'कट्रिच नर्सिसियन' से संबोधित करते हुए कहा- मैं यह साबित करने के लिए तैयार हूं कि मैंने खतना नहीं कराया है। अगर चर्च को शक है तो मैं खुद को जांच करने के लिए पेश करने को तैयार हूं।

पाशिनयान ने आगे लिखा- करेकिन-2 को अब इस सवाल का जवाब देना चाहिए कि क्या उन्होंने ब्रह्मचर्य व्रत का उल्लंघन किया है? क्या उनका कोई बच्चा भी है? यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री ने चर्च प्रमुख पर इतने गंभीर आरोप लगाए हों। पीएम पाशिनयान ने पिछले महीने चर्चों को 'भ्रष्टाचार का घर' बताया था। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि करेकिन-2 ने पादरी बनने के बाद भी एक बच्चा पैदा किया, और इसलिए चर्च के संविधान के अनुसार उन्हें अपने पद पर नहीं रहना चाहिए। पीएम ने यहां तक कहा कि अगर करेकिन इन आरोपों से इनकार करते हैं, तो वे उनके खिलाफ सबूत पेश करने को तैयार हैं। इसके बाद सरकारी मीडिया में एक महिला की तस्वीर और नाम दिखाया गया, जिसे करेकिन-2 की 'कथित बेटी' बताया गया।

इजरायली हमले के खौफ में खलीफा एर्दोगन

अंकारा, 27 जून (एजेंसियां)। तुर्की की रेसेप तैयप एर्दोगन के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के एयर डिफेंस को बढ़ाने का फैसला लिया है। तुर्की सरकार इस साल के आखिर तक देश में स्टील डोम सिस्टम बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली का विस्तार करने की योजना बना रही है। योजना में मिसाइल प्रणालियों, विमानों, युद्धपोतों, टैंकों और मानव रहित प्रणालियों को बढ़ाना शामिल है। यानी जमीन के साथ-साथ तुर्की अपने समुद्री इलाके को भी अपने स्टील डोम से सुरक्षित करेगा ताकि संभावित हवाई हमलों से निपटा जा सके।

तुर्की की ओर से ये फैसला ईरान और इजरायल के बीच 12 दिन के युद्ध के ठीक बाद लिया गया है। इजरायल और ईरान के एक-दूसरे पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर एर्दोगन की ओर से चिंता जताई गई थी। एर्दोगन ने इजरायल के हमलों पर चिंता जताने के बाद अब देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्टीम डोम एयर डिफेंस पर भरोसा दिखाया है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को तुर्की ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली 'स्टील डोम' में निवेश करते हुए पूरे देश में मल्टीलेयर वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस) का विस्तार करने की योजना बनाई है। तुर्की ने नाटो के 2 फीसदी रक्षा खर्च के लक्ष्य को भी पार कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि नाटो गठबंधन में दूसरी सबसे बड़ी सेना तुर्की ने रक्षा उद्योग में निवेश बढ़ाया है। अमेरिकी राष्ट्रति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने को कहा है।

तुर्की ने बीते साल स्टील डोम बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली पर आगे बढ़ने का ऐलान किया था। इस प्रणाली में कई प्लेटफॉर्म के साथ इंटीग्रेट होकर काम करती है। यह नेटवर्क केंद्रित होगी और एआई के जरिए तुर्की के हवाई क्षेत्र के विशाल क्षेत्रों को कवर करेगी। स्टील डोम में चार परतें होंगी, जो बहुत कम दूरी, कम दूरी, मध्यम दूरी और लंबी दूरी के खतरे से निपटेंगी। तुर्की का स्टील डोम सिस्टम दुश्मन देश के हमलों को आसमान में ही नाकाम कर देता है।

तुर्की ने स्टील डोम को रॉकेट, मिसाइलों और ड्रोन जैसे सभी तरह के हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया है। इसमें लंबी दूरी के रडार, सेंसर और बहुस्तरीय रक्षा क्षमताएं हैं। स्टील डोम एक सिंगल सिस्टम नहीं बल्कि इंटीग्रेटिड वायु रक्षा प्रणाली (आईएडीएस) है। जो बेहतर प्रभावशीलता के लिए विभिन्न घटकों को जोड़कर काम करती है।

भारत-अमेरिका में बन गई है बात?

अगली बड़ी डील भारत के साथ, डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा इशारा

अमेरिकी और भारत के बीच ट्रेड डील की चर्चा काफी समय से हो रही है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होने वाला है और यह चीन की तरह ही एक बहुत बड़ी डील होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन के बाद अब भारत की बारी है।

26 जून को वाशिंगटन डीसी में एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कि अमेरिका ने ने अभी चीन के साथ एक समझौता किया है। भारत के साथ भी एक बहुत बड़ा समझौता होने जा रहा है। हालांकि, उन्होंने इस समझौते में क्या कुछ और होगा और दोनों देशों के बीच इस मसले पर बातचीत कहां तक पहुंची है, इसकी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, भारत अमेरिका को स्पष्ट कर चुका है कि वह समझौता तभी करेगा जब डील दोनों ही देशों के लिए फायदेमंद होगी।

ट्रंप ने किया बड़ा इशारा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, हम भारत के दरवाजे खोलने जा रहे हैं। चीन के साथ भी हम ऐसा कर रहे हैं। ये वे चीजें हैं जो पहले कभी संभव नहीं थीं। इस बयान से साफ है कि अमेरिका, खासकर ट्रंप प्रशासन, भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को नई दिशा देने की मंशा रखता है। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में हो रहे बड़े बदलावों के बीच अमेरिका अपनी रणनीतिक साझेदारियों को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका हर देश से व्यापार नहीं करेगा। कुछ देशों को हम सिर्फ एक पत्र भेजेंगे और कहेंगे—धन्यवाद—लेकिन अब आपको भुगतान करना होगा 25, 35 या 45 प्रतिशत शुल्क, उन्होंने स्पष्ट किया।

आखिरी पड़ाव पर ट्रेड डील

ट्रंप के इस बयान से पहले, अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने भी संकेत दिया था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अब ज्यादा दूर नहीं है। यूएसआईएसपीएफ (यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम) में उन्होंने कहा था कि दोनों देशों ने कई मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण बना लिया है और एक संतुलित और व्यावहारिक समझौता जल्द हो सकता है। भारत की ओर से भी यह बात सामने आई है कि इस दिशा में काम हो रहा है। 10 जून को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि हम ऐसा समझौता करना चाहते हैं जो भारत और अमेरिका दोनों के लिए लाभकारी हो, निष्पक्ष हो और संतुलन बनाए रखे। हालांकि अमेरिका जहां इस डील को जल्द से जल्द अंतिम रूप देना चाहता है, वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर जल्दबाजी नहीं करेगा। भारत ने अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए 26% टैरिफ के संभावित खतरे के बावजूद झुकने से इनकार किया है। यह टैरिफ डेडलाइन 9 जुलाई को खत्म हो रही है, और अमेरिका की ओर से दबाव भी तेज होता जा रहा है। फिलहाल भारत विन-विन यानी दोनों पक्षों के लिए लाभदायक समझौते की बात कर रहा है। अमेरिका भारत से कृषि और खाद्य क्षेत्र को खोलने की मांग कर रहा है, लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं है। अमेरिका चाहता है कि यह समझौता सिर्फ कृषि तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें सरकारी खरीद, बौद्धिक संपदा अधिकार, सीमा शुल्क, और डिजिटल व्यापार जैसे अहम मुद्दे भी शामिल हों।

अच्छे मानसून से बढ़ेगा चीनी उत्पादन

कीमतें सीमित दायरे में रहेंगी, क्रिसिल की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। चीनी सत्र 2026 में भारत का सकल चीनी उत्पादन 15 से 35 प्रतिशत बढ़कर करीब 35 मिलियन टन तक पहुंच सकता है। क्रिसिल की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार औसत से अधिक मानसून, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में गन्ने की बुवाई और पैदावार को बढ़ावा दे सकते हैं।

परिचालन लाभांश में 9 से 9.5 प्रतिशत तक सुधार आ सकता है

इस वृद्धि से चीनी मिलों को चुनौतियों से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष में उच्च गन्ना लागत, इथेनॉल की कम कीमतें और सीमित निर्यात का सामना करना पड़ा था। इसकी वजह से वित्त वर्ष 2025 में परिचालन लाभांश कमभग 200 आधार अंकों घटकर 8.7 से 9 प्रतिशत तक आ गया था। क्रिसिल के मुताबिक बेहतर आपूर्ति और गैसोलीन के साथ इथेनॉल मिश्रण के लिए चीनी के संभावित उच्च डायवर्जन के चलते वित्त वर्ष 2026 में चीनी मिलों का परिचालन लाभांश 9 से 9.5 प्रतिशत तक सुधर सकता है। इससे मिलों के क्रेडिट प्रोफाइल को समर्थन मिलने की संभावना है।

इथेनॉल का डायवर्जन 40 लाख टन होने की संभावना

इसके अलावा इथेनॉल के लिए डायवर्जन बढ़कर लगभग 40 लाख टन होने की उम्मीद है। इसे उच्च उत्पादन और सरकार के 20 प्रतिशत मिश्रण लक्ष्य से मदद मिलेगी। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि इथेनॉल में रणनीतिक विविधीकरण का उद्देश्य चीनी मिलों की आय और नकदी प्रवाह को जोखिम मुक्त करना था। हालांकि गन्ने की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एफआरपी) 4.5% बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने और इथेनॉल खरीद की स्थिर कीमतों ने लाभप्रदता में सुधार को सीमित कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी उत्पादन में 15 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद एकीकृत मिलों के मार्जिन में मामूली सुधार ही होगा। मिल मालिकों का परिचालन मार्जिन केवल 40 से 60 आधार अंकों तक मामूली रूप से बढ़कर 9 से 9.5 प्रतिशत होने की संभावना है। इसमें कहा गया कि डिस्टिलरी या को-जेनरेशन सुविधा न रखने वाले स्टैंडअलोन मिलर्स पर दबाव बना रह सकता है। घरेलू कीमतों की बात करें तो इस सत्र में चीनी की कीमतें 35 से 38 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में स्थिर बनी हुई हैं। उत्पादन बढ़ने की संभावना को देखते हुए, क्रिसिल ने कहा है कि कीमतें सीमित दायरे में ही बनी रहेंगी, जिससे चीनी मिलों के मुनाफे में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी।

सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

हफ्ते के आखिरी दिन उछला सेंसेक्स, निफ्टी 25600 के पार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी दिन बढ़त दर्ज की गई। इन्हें आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी का समर्थन मिला। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 303.03 अंक या 0.36 प्रतिशत चढ़कर 84,058.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 333.48 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 84,089.35 पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 88.80 अंक या 0.35 प्रतिशत बढ़कर 25,637.80 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे बढ़कर 85.48 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहे। इसके विपरीत, ट्रेंट, इटरनल, एक्सिस बैंक और टाइटन पिछड़ गए।

विदेशी निवेशक बने घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध विराम और समय सीमा से पहले व्यापार तनाव कम होने की आशा ने निवेशकों को प्रेरित किया। कई दिनों की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशक घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। इससे निकट भविष्य में बाजार की स्थिरता में सुधार हुआ है।

यूरोपीय बाजार में हुई बढ़त

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 68.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.72 प्रतिशत बढ़कर 68.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 12,594.38 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। गुरुवार को सेंसेक्स 1,000.36 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 83,755.87 पर बंद हुआ था। निफ्टी 304.25 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 25,549 पर बंद हुआ था।

मुकेश अंबानी को मिली बिजनस शुरू करने के लिए हरी झंडी, रॉकेट बना कंपनी का शेयर

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज और ब्लैकरॉक के जॉइंट वेंचर को भारत में बिजनस शुरू करने के लिए हरी झंडी मिल गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को भारत में ब्रोकरेज फर्म के तौर पर काम शुरू करने के लिए मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि अब ये कंपनी शेयर बाजार में लोगों को शेयर खरीदने और बेचने में मदद कर सकती है। यह कंपनी जियो ब्लैकरॉक इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इस खबर के बाद जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर बीएसई पर करीब 5 फीसदी बढ़कर 329.30 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी का लक्ष्य भारतीय निवेशकों को कम कीमत पर टेक्नोलॉजी की मदद से शेयर खरीदने-बेचने की सुविधा देना है। इसकी पेरेंट कंपनी जियोब्लैकरॉक निवेश सलाहकार में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक इंक की 50:50 फीसदी हिस्सेदारी है। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और जियो ब्लैकरॉक इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स को पहले ही कारोबार शुरू करने के लिए सेबी से मंजूरी मिल चुकी है। अब ब्रोकिंग लाइसेंस मिलने से जियो ब्लैकरॉक भारत के लोगों को इन्वेस्टमेंट के सारे सॉल्यूशन देने में सक्षम हो जाएगी।

क्या होगा फायदा

जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ मार्क पिलग्रिम ने कहा, जियोब्लैकरॉक ब्रोकिंग के लिए एसईबीआई की फाइनल मंजूरी मिलने से हम बहुत खुश हैं। इससे हम भारत को बचत करने वाले देश से निवेशकों का देश बनाने में मदद कर पाएंगे। जियोब्लैकरॉक निवेश सलाहकार के साथ, हम छोटे निवेशकों को पर्सनलाइज्ड सलाह दे पाएंगे। अब ब्रोकरेज के साथ, हम खुद से इन्वेस्टमेंट करने वालों के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म भी लाएंगे, जहां वो आसानी से शेयर खरीद-बेच सकें।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ हितेश सेठिया ने कहा, ये हमारे लिए बहुत ही रोमांचक समय है। जियो ब्लैकरॉक का एसेट मैनेजमेंट विभाग बाजार में नए-नए म्यूचुअल फंड ला रहा है, और जियोब्लैकरॉक निवेश सलाहकार भी जल्द ही अपना काम शुरू करने वाला है। ऐसे में ब्रोकिंग कंपनी को मंजूरी मिलना हमारी उस रणनीति को और मजबूत करता है, जिसके तहत हम भारत में इन्वेस्टमेंट को आसान बनाना चाहते हैं, ताकि हर कोई आसानी से डिजिटल तरीके से इन्वेस्टमेंट कर सके।

म्यूचुअल फंड बिजनस

काली चट्टान में इंटरनेशनल हेड राहेल लॉर्ड ने कहा, जियो ब्लैकरॉक को इसलिए शुरू किया गया था ताकि भारत में लाखों निवेशकों को टेक्नोलॉजी की मदद से कैपिटल मार्केट तक पहुंचाया जा सके, और उन्हें कम कीमत पर इन्वेस्टमेंट के नए तरीके मिल सकें। एसईबीआई से यह तीसरी मंजूरी मिलने के बाद हमारी जॉइंट वेंचर की सारी सर्विसेज पूरी हो जाएंगी।

भारत ने यूएई और कतर को लीची का निर्यात किया, एपीईडीए ने दी जानकारी

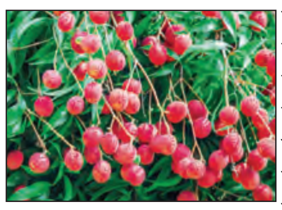

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्रालय की शाखा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने इस महीने पहली बार पंजाब से दोहा और दुबई को 1.5 टन लीची का निर्यात किया है। भारत के बागवानी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीईडीए ने 23 जून को पंजाब के पठानकोट से दोहा के लिए 1 टन गुलाब-सुगंधित लीची की पहली खेप और दुबई के लिए 0.5 टन इसी फल की खेप को रवाना करने में सहायता की है। यह पहल प्राधिकरण द्वारा पंजाब के बागवानी विभाग और लुल्लू ग्रुप के सहयोग से की गई। 2023-24 के दौरान, पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 टन होगा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन का 12.39 प्रतिशत हिस्सा होगा। उसी वर्ष भारत से कुल 639.53 टन लीची का निर्यात किया गया। सरकार फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। 2024-25 में ये निर्यात साल-दर-साल 5.67 प्रतिशत बढ़कर 3.87 अरब डॉलर हो गया। जबकि भारत के फल निर्यात में आम, केले, अंगूर और संतरे का प्रभुत्व है। इसमें कहा गया है, चेरी, जामुन और लीची अब देश की बढ़ती स्वदेशी वस्तुओं की सूची में शामिल हो गई है, जो अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश कर रही हैं।

4,000 रुपए सस्ता हो चुका सोना

अभी खरीदें या और करें इंतजार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। पिछले कुछ ट्रेडिंग सेशंस में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। ईरान-इजराइल के बीच युद्धविराम से निवेशकों में 'सेफ हेवन' यानी सुरक्षित निवेश की मांग भी कुछ कम हुई है। ऐसे में आने वाले दिनों में सोने की कीमतों में और गिरावट की संभावना जताई जा रही है। अगर आप सोने में इंवेस्टमेंट करने की सोच रहे हैं तो सस्ते में आप सोना खरीदना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कब तक रुकना चाहिए? इसके बारे में हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं। एमसीएक्स पर अगस्त वायदा सोना 96,261 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो गुरुवार के बंद भाव 97,087 रुपए से 0.85% कम था। वहीं, चांदी का जुलाई वायदा 1,06,629 रुपए प्रति किलो पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,06,755 रुपए से 0.11% नीचे था। सुबह 11:25 बजे तक सोने की कीमत 96,100 रुपए पर थी, जो 987 रुपए की गिरावट को दर्शाती है। चांदी भी 204 रुपए टूटकर 1,06,551 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई।

सोना में आई गिरावट

दिन के कारोबार में सोने की कीमत 95,954 रुपए प्रति 10 ग्राम तक लुढ़क गई, जो 96,000 रुपए के नीचे है। चांदी का भाव भी 1,06,109 रुपए के निचले स्तर तक पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरावट का रुख बना रहा। स्पॉट गोल्ड 0.4% गिरकर $3,313.23 प्रति औंस पर पहुंच गया। हफ्तेभर में यह करीब 1.7% गिर चुका है। वहीं, यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 0.7% की गिरावट के साथ $3,325.70 पर आ गया। डॉलर में 0.2% की मजबूती आई है, जिससे डॉलर में सोना विदेशी खरीदारों के लिए महंगा हो गया है।

सोने-चांदी में रहेगी उथल-पुथल

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी ने बताया कि निवेशक अब अमेरिका के कोर पर्सनल कंजंप्शन एक्सपेंडिचर डेटा का इंतजार कर रहे हैं, जो फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर अहम संकेत देगा। तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, एमसीएक्स पर अगस्त वायदा सोने को 95,80095,600 रुपए के स्तर पर सपोर्ट और 96,500 रुपए पर रेजिस्टेंस मिल सकता है। वहीं, चांदी को 1,05,5001,05,000 रुपए पर सपोर्ट और 1,06,800 रुपए पर रुकावट देखने को मिल सकती है।

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि फिलहाल बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशकों को सावधानी से ट्रेडिंग करनी चाहिए और सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति तय करनी चाहिए।

दुनिया में तनाव जितना बढ़ेगा, उतना भारत का फायदा है

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान उसने धुरी देशों और मित्र राष्ट्रों को हथियार बेचकर खूब कमाई की थी। अब भारत के पास भी इसी तरह का मौका आ रहा है। दुनिया में इस समय तनाव चरम पर है। कई देशों के बीच तनाव की स्थिति है। ये एकदूसरे पर नजर रखना चाहते हैं। इसके लिए, उन्हें सैटेलाइट्स की जरूरत है और उनकी यह जरूरत भारत की प्राइवेट स्पेस कंपनियां पूरा कर सकती हैं। दुनिया के कई देशों से उन्हें ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे, हंगरी, पोलैंड और पश्चिम एशिया के देश शामिल हैं। मिंट की एक खबर के मुताबिक दुनिया के कई देश भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इनमें अडानी डिफेंस और एयरोस्पेस के निवेश वाली अल्फा डिजाइन शामिल हैं। इनमें अधिकांश ऐसे देश शामिल हैं जिनके पास अपना सैटेलाइट प्रोग्राम नहीं है। लेकिन तेजी से बदलते जियोपॉलिटिकल समीकरणों और वैश्विक तनाव के कारण उन्हें अंतरिक्ष से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत पड़ रही है। भारत के कई देशों के साथ अच्छे संबंध हैं जो भारतीय कंपनियों के काम आ रही है। जानकारों का कहना है कि टोही उपग्रह बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनियों बोइंग, लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन का फोकस बड़े कॉन्ट्रैक्ट्स पर है।

असम में कच्चे तेल के कुएं से 16 दिनों से जारी गैस रिसाव पर पाया गया काबू: पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने असम के शिवसागर जिले के कुएं नंबर आरडीएस-147ए के गैस रिसाव को सफलतापूर्वक नियंत्रण कर लिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह जानकारी दी। मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर इससे संबंधित के पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि गैस ब्लोआउट को सुबह 11:15 बजे नियंत्रण किया कर लिया गया। यह रिसाव 12 जून से शुरू हुआ था और सभी बेहतरीन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए इसे कम से कम समय में सफलतापूर्वक कैप कर दिया गया।

बिना किसी जनहानि के पाया गया नियंत्रण - मंत्री

उन्होंने कहा कि ओएनजीसी की संकट प्रबंधन टीम ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद से इस यह कार्य पूरी सावधानी, सर्वोत्तम तकनीकों और उच्च स्तरीय सुरक्षा उपायों के साथ बिना किसी चोट, दुर्घटना या आग के संपन्न किया। पेट्रोलियम मंत्री ने जमीनी स्तर पर टीम को सहयोग देने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और राज्य सरकार के अधिकारियों को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री हिमंत ने जवाब में कहा कि सबसे बढ़कर मैं शिवसागर के बहादुर पुरुषों और महीलाओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। इन लोगों ने पिछले दो सप्ताहों से असाधारण स्तर की दृढ़ता दिखाई और सभी संबंधित एजेंसियों के साथ भरपूर सहयोग किया।

16 दिन से हो रहा था गैस रिसाव

12 जून को शिवसागर जिले के बारीचुक भटियापार में ओएनजीसी के कुएं नंबर आरडीएस-147ए में सर्विसिंग ऑपरेशन के दौरान गैस विस्फोट की घटना हुई थी। कुएं से गैस का रिसाव होने लगा, जिससे आसपास के गांव में रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों को वहां से स्थानांतरित कर दिया गया। महारत्न ओनजीसी भारत की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी है, जो घरेलू उत्पादन में लगभग 71 प्रतिशत का योगदान देती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

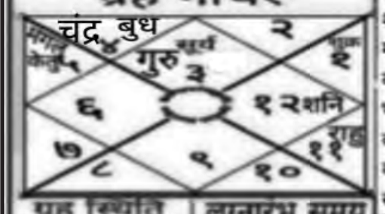

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-48, सूर्यास्त 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	04-52 बजे
चंद्र-	कर्क में	कर्क...	07-05 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह---	09-16 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	11-23 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला----	13-30 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक...	15-38 बजे
शनि-	मीन में	धनु......	17-52 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-02 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	21-49 बजे
		मीन....	23-27 बजे
		मेष.....	01-03 बजे
		वृष....	03-32 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 09-54 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - आषाढ़ शुक्ल, शनिवार 28 June
नक्षत्र - पुष्य 06-35 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - हर्षण 19-15 तक उप वज्र
करण- गर 09-54 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:03 से 10:41 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	05:48 - 07:24	अशुभ	लाभ	18:50 - 20:15	शुभ
शुभ	07:24 - 09:03	शुभ	उत्पात	20:15 - 21:36	अशुभ
रोग	09:03 - 10:41	अशुभ	शुभ.	21:36 - 22:58	शुभ
उत्पात	10:41 - 12:19	अशुभ	अमृत	22:58 - 00:20	शुभ
चंचल	12:19 - 13:58	शुभ	चंचल	00:20 - 01:41	शुभ
लाभ	13:58 - 15:36	शुभ	रोग।	01:41 - 03:03	अशुभ
अमृत	15:36 - 17:15	शुभ	काल	03:03 - 04:24	अशुभ
काल.	17:15 - 18:50	अशुभ	लाभ	04:24 - 05:48	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें, कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है। इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं, लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है। भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें। जरुरतमंदों, चाहे बच्चे हों या बूढ़े, उनकी मदद करें। ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे। अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे। आपके लिए रोमांचक समय है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,): ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें। यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है। अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ। आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,): आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं। अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है। आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए। नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे। आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं। परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा। शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी। दिन बाधारहित गुजरेगा। यात्रा कर सकते हैं, सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है। दूसरे विकल्प खुले रखें।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,): आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं। आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं। इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए। आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं। अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,): आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा। सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे। खूब प्रशंसा मिलेगी। इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें। इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे। आज आपको आलस सा महसूस होगा लेकिन यह बिलकुल स्वाभाविक है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे): आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी। आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं। कशमकश में न रहें, बदलाव होना अच्छा ही रहेगा। आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आप हंसी-मजाक के मूड में हैं। अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है। आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे। कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है. उसके मेंटर बन जाएँ। अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा। मछली खाते हुए सावधान रहें।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी, आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं, आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है। आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति, अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा। जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची): दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी। लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें। हारना या जीतना नही, आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। आपने निरंतर प्रयास किये हैं, लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा। समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नौसेना भवन का क्लर्क बना जासूस

> कार में बैठकर मोबाइल से स्कैन कर > पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला एजेंट को भेजता

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। देश की सुरक्षा से जुड़े प्रतिष्ठित रक्षा प्रतिष्ठान नौसेना भवन (नेवल हेडक्वार्टर), दिल्ली में तैनात एक अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) विशाल यादव पर पाकिस्तानी महिला हैंडलर को गोपनीय सैन्य जानकारी भेजने का सनसनीखेज आरोप लगा है।

राजस्थान पुलिस की सीआईडी इंटेलिजेंस और अन्य एजेंसियों की पूछताछ में सामने आया है कि विशाल, अपने कार्यालय की अत्यंत संवेदनशील जानकारियों को प्रिंट आउट के रूप में बाहर लाकर, कार में बैठकर मोबाइल से स्कैन कर, उन्हें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला एजेंट को भेजता था। सूत्रों के मुताबिक, महिला हैंडलर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विशाल से यह जानना चाहा था कि क्या भारतीय नौसेना कोई बड़ा सैन्य कदम उठाने जा रही है। यदि यह जानकारी पाकिस्तान के हाथ लग जाती, तो वह सैन्य स्तर पर सतर्क और आक्रामक रणनीति अपना सकता था। हालांकि, जांच एजेंसियों का कहना है कि विशाल द्वारा यह विशेष जानकारी साझा नहीं की गई, लेकिन उसने कई अन्य गोपनीय सूचनाएं भेजने की बात स्वीकार की है। विशाल यादव के मोबाइल फोन और बैंक खातों की फॉरेंसिक जांच (एफएसएल) में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। जांच में यह सामने आया है कि- गुप्त सूचनाओं के बदले विशाल को 50 हजार रुपए मई महीने में प्राप्त हुए थे। यह रकम क्रिप्टो करेंसी (यूएसडीटी) के जरिए व सीधे बैंक खाते में आई। आईपी ट्रैकिंग में यह रकम पाकिस्तान स्थित अकाउंट से भेजी गई पाई गई। मोबाइल चैटस में महिला एजेंट का नाम "प्रिया शर्मा" सामने आया है, जो पाक खुफिया एजेंसी की हैंडलर है।

ऑनलाइन गेम के बहाने हुआ था संपर्क, धीरे-धीरे बना जाल

विशाल यादव ऑनलाइन गेम्स खेलने का शौकीन था। पाकिस्तानी एजेंट ने गेमिंग एप्स के जरिए उससे संपर्क साधा। शुरुआत में सामान्य बातचीत से दोस्ती बढ़ी और बाद में पैसों का लालच देकर महिला ने उसे संवेदनशील दस्तावेज जुटाने को उकसाया। विशाल इस जाल में फंसता चला गया। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस को पाकिस्तान से आ रही संदिग्ध क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नजर थी। एक ट्रांजैक्शन दिल्ली के एक अकाउंट में दिखा, जो बाद में विशाल यादव का निकला। इस पर सर्विलांस शुरू हुआ और धीरे-धीरे स्पष्ट हुआ कि वह नेवी के डॉकयार्ड डायरेक्टरेट में कार्यरत है। टीम ने लंबी निगरानी के बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने कई चौंकाने वाले खुलासे किए।

नौसेना भवन में तैनात अधिकतर कर्मियों को मोबाइल फोन लाने की अनुमति नहीं होती। लेकिन विशाल ने एक योजना बनाई-वह ऑफिस के भीतर से गोपनीय दस्तावेजों का प्रिंट निकालता, उन्हें अपने पास रखता और बाहर जाकर कार में बैठकर मोबाइल से स्कैन कर महिला एजेंट को भेज देता था। इसी क्रम में उसने नेवी की रणनीतिक गतिविधियों, आंतरिक संचार और ऑपरेशन से जुड़ी कई जानकारियां लीक कीं।

शिवराज सिंह बोले-नकली खाद के खिलाफ सख्त कानून लाएंगे

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की ओर से खाद-बीज फैक्ट्रियों पर की जा रही छापेमारी को लेकर अब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बयान भी आया है। एक कार्यक्रम में शिवराज चौहान ने कहा कि अमानक स्तर के बीज और नकली खाद बिकने की कई बार खबरें आती हैं। अभी जैसे राजस्थान में छापे पड़े हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि नकली बीज और खाद जो बनाएंगे, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने किसानों से चर्चा तय किया है। इस पर कानून बनाने की तैयारी चल रही है। लेकिन किसान भी नकली खाद-बीज की पहचान कर सके, ऐसे उपकरण भी बनने चाहिए। उत्पादकता पर चिंतित दिखे कृषि मंत्री उन्होंने कहा कि मुझे कोई कारण समझ नहीं आता कि हमारी उत्पादकता इतनी कम क्यों? तकनीक-मैनेजमेंट का फायदा मिलता है, उसके अपने मायने हैं। फिर भी उत्पादकता कम क्यों? कृषि मंत्री ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि नकली खाद-बीज वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

राजस्थान की 13 कंपनियों के लाइसेंस सस्पेंड

गौरतलब है कि राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा लगातार मिलावटी खाद और अमानक बीजों की कंपनियों पर छापेमारी कर रहे हैं। हाल में उन्होंने बीकानेर, उदयपुर समेत प्रदेश में कई कंपनियों के खिलाफ उन्होंने छापा मारा था। अब विभाग ने भी अमानक कंपनियों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। कृषि मंत्री के निर्देश पर किशनगढ़ की 13 फर्टिलाइजर कंपनियों का लाइसेंस 14 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया है।

मंत्री दिलावर गंदगी देख बोले सफाई व्यवस्था का क्या हाल है

जिला प्रमुख बोलीं-अधिकारी सुनते नहीं, मैं कर देती हूं और क्या करूं?

श्रीगंगानगर, 27 जून (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के दौरे पर आए पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के सामने गुरुवार शाम अजीब वाकया सामने आया। यहां ग्राम पंचायत 17 जेड के लोगों ने सफाई व्यवस्था को लेकर मंत्री से शिकायत कर दी। मंत्री ने जिला प्रमुख से सवाल किया तो बोलीं- अधिकारी सुनते नहीं, क्या करूं, मैं सफाई कर दूं, और क्या करूं? मंत्री मदन दिलावर श्रीगंगानगर दौरे पर रहे। कई ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत 17 जेड के दौरे के दौरान ग्राम पंचायत में गंदगी को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई। मंत्री दिलावर ने ग्रामीणों से सफाई व्यवस्था के बारे के पूछा तो ग्रामीण बोले-यहां कभी कोई सफाई कर्मचारी नहीं आता। इस दौरान मंत्री दिलावर ने ग्रामीणों से कहा- मैं हर ग्राम पंचायत में सफाई के लिए 1 लाख रुपए देता हूं। इसके बाद मंत्री ने मौके पर मौजूद जिला प्रमुख कविता रैगर से सफाई को लेकर सवाल किया।

मंत्री बोले-सफाई क्यों नहीं होती

मंत्री ने जिला प्रमुख से कहा- आप कह रही हैं कि ग्राम पंचायतों में सफाई होती है। लेकिन ग्रामीण कह रहे हैं कि सफाई नहीं होती। इस पर जिला प्रमुख कविता रैगर ने जवाब दिया- अधिकारी बात नहीं मानते, हमारे बीडीओ साहब और ग्राम सेवक को फोन करती हूं तो वो फोन नहीं उठाते। अगर अधिकारी सुनवाई करें और फोन उठाएं तो काम भी हो जाता है।

क्या करूं मैं सफाई कर देती हूं। यह सुनकर मंत्री बिना जवाब दिए चले गए। इस बारे में मंत्री मदन दिलावर से बात की तो उन्होंने कहा- जिला प्रमुख से इस बारे में बात करूंगा। कौन कौन अधिकारी फोन नहीं उठा रहे, जानकारी लेकर उन अधिकारियों के खिलाफ यथोचित कार्रवाई करूंगा।

आकाशीय बिजली गिरने से छह लोगों की मौत

कोटा, 27 जून (एजेंसियां)। हाड़ौती में जोरदार बारिश के साथ कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। अलग-अलग जगह पर आकाशीय बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। जिसमें तीन पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। मरने वाले अधिकतर लोग खेतों पर कृषि का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान बारिश के बीच आकाश से बिजली गिर गई।

वही सभी शवों को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 8 से अधिक लोग घायल भी हो गए। जिनका अलग-अलग अस्पतालों में उपचार जारी है। वहीं पुलिस ने सभी शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है। शुक्रवार को शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। झालावाड़ जिले में आपातकालीन एवं बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी राशिद खान ने बताया कि गुरुवार को जिले में दोपहर को मौसम साफ था अचानक से शाम को मौसम ने करवट ली और जोरदार बारिश का दौर शुरू हो गया।

भरतपुर में उमड़ा भक्ति का सैलाब

भीषण गर्मी में निकली जगन्नाथ यात्रा, रथ खींचने की मची होड़

भरतपुर, 27 जून (एजेंसियां)। शहर में सोमवार को आस्था और श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। श्री बांके बिहारी मंदिर विकास ट्रस्ट की ओर से किला स्थित बिहारी जी मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक नगर यात्रा धूमधाम से निकाली गई। सुबह से ही शहर में भीषण गर्मी और उमस का दौर बना रहा, लेकिन श्रद्धालुओं की भक्ति ने मौसम को भी मात दे दी।

किला स्थित मंदिर से शुरू हुई नगर यात्रा में ठाकुर जी का रथ जैसे ही बाहर आया, श्रद्धालुओं में उसे खींचने की होड़ मच गई। महिला और पुरुष श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर ठाकुर जी के रथ को खींचते नजर आए। महिलाएं भक्ति गीतों पर नाचती-गाती चल रही थीं, जबकि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की आस्था देखते ही बन रही थी। ट्रस्ट के पदाधिकारी श्याम सुंदर कटारा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष की यात्रा में ठाकुर जी के रथ के साथ कई आकर्षक झांकियां भी शामिल की गईं। इनमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन जी की काष्ठ निर्मित झांकियां प्रमुख रही, जिन्हें विशेष रूप से आगरा से मंगवाया गया था। यात्रा में बैंड-बाजे, शहनाई वादन और कीर्तन मंडल भी शामिल रहे। परंपरागत वेशभूषा और धार्मिक धुनों के साथ यह नगर यात्रा ओडिशा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ यात्रा की झलक देती नजर आई।

गोविंद देवजी मंदिर में रथयात्रा महोत्सव का आयोजन

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। श्री गोविंददेवजी मंदिर, जयपुर में शुक्रवार को रथयात्रा महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रातःकालीन मंगला झांकी के दर्शन के बाद ठाकुर श्री गोविंददेव जी का विधिवत अभिषेक किया गया। इसके ठाकुर जी को नवीन लाल रंग के लप्पा जामा वस्त्र धारण करवाए गए तथा विशेष अलंकार और माला श्रृंगार से सजाया गया। ठाकुर श्री जी को पांच प्रकार की दालों से भिजौना और पांच ऋतु फलों का भक्तिपूर्वक भोग अर्पित किया गया।प्रातः 6 बजे से गौड़ीय वैष्णव मंडली एवं मंदिर परिवार द्वारा मंगलाचरण एवं महामंत्र संकीर्तन की दिव्य ध्वनि गूंजी, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

डॉक्टर की मौत के बाद भी वाटर कूलर-नल में करंट झटका लगा, वार्डन ने उखाड़ा बोर्ड

टेस्टर से चेक कर बोले-मौत के कुएं में रह रहे

उदयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के रविंद्रनाथ टैगोर (आरएनटी मेडिकल कॉलेज के दिलशाद भवन पीजी हॉस्टल में 9 दिन पहले (बुधवार, 18 जून) रेजिडेंट की मौत के बाद भी हालात नहीं सुधरे हैं। गुरुवार रात यहां एक रेजिडेंट डॉक्टर को फिर उसी वाटर कूलर से करंट का झटका लगा। इसके बाद हंगामा हो गया। निलंबित चीफ वार्डन ने बोर्ड उखाड़ा तो डॉक्टर भड़क गए। शुक्रवार सुबह 4.30 बजे चौथे फ्लोर के नल-गीजर में करंट आ रहा था। डॉक्टर्स ने दोनों घटनाओं के वीडियो बनाए।

रेजीडेंटस यूनियन के महासचिव डॉ हितेष शर्मा ने बताया- रात 10 बजे हॉस्टल के छठे फ्लोर पर रेजिडेंट डॉक्टर जितेंद्र शर्मा पानी पीने वाटर कूलर पर गए थे। जैसे ही नल को हाथ लगाया उन्हें झटका लगा। उन्होंने साथी रेजिडेंट्स को बताया। इसके बाद डॉक्टर जुट गए। वाटर कूलर को डोरी लगाकर सील किया। एक नोटिस चिपकाया। इसके बाद टेस्टर से चेक करके वीडियो बनाया। बंद स्विच के बाद भी करंट आ रहा था। इसके बाद प्रिंसिपल को मौके पर बुलाया। रात 11 बजे प्रिंसिपल डॉ. विपिन माथुर और एमबी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. आरएल सुमन पहुंचे। इनके साथ आए निलंबित चीफ वार्डन डॉ नरेन्द्र बंसल ने बोर्ड उखाड़ दिया। इससे मामला गरमा गया। प्रिंसिपल ने कहा कि पीडब्लूडी कर्मचारियों से चेक कराया था, तब करंट नहीं आ रहा था। रात 12 बजे तक हॉस्टल में हंगामा चला। पुलिस ने स्थिति संभाली और मामला शांत कराया।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, 2 दोस्तों की मौत

रामनिवास | शिवचंद

सुजानगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। चूरू में तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर नीम के पेड़ से टकरा गई, जिससे मौके पर ही 2 दोस्तों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि कार की रफ्तार से पेड़ का एक हिस्सा टूट गया, जिसे कार लगभग 20 फीट तक घसीटती हुई ले गई। भीषण टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को कार से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया। यह दर्दनाक हादसा सुजानगढ़ में छापर रोड पर गुलेरिया के पास गुरुवार रात करीब 1:30 बजे हुआ।

कोतवाली थाना के हेड कॉन्स्टेबल पोकरमल के मुताबिक छापर की तरफ से गांव गुलेरिया जा रही एक कार बेकाबू होकर नीम के पेड़ से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि पेड़ से टकरा कर कार सड़क पर करीब 20 फीट तक पेड़ के एक हिस्से को घसीटते हुए ले गई। हादसे में गुलेरिया निवासी कार चालक शिवचंद (23) कार में बुरी तरह से फंस गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार रामनिवास (17) घायल हो गया। सूचना मिलने पर टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार और एम्बुलेंस चालक भरत मौके पर पहुंचे। घायल रामनिवास को कार से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया।

'डॉन को पकड़ना नामुमकिन है'

बोलने वाला गिरफ्तार, पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने पहुंचा था जयपुर

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की पीसीपीएनडीटी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें भ्रूण लिंग जांच में इस्तेमाल होने वाली चीन निर्मित पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने वाले गैंग का भंडाफोड़ हुआ है. टीम ने डिकॉय ऑपरेशन चलाकर गिरोह के एक सदस्य अमिताभ भादुरी को पकड़ा है. यह आरोपी पश्चिम बंगाल से जयपुर में मशीन बेचने आया था।

जानकारी के अनुसार, अवैध रूप से पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने वाले गिरोह का राजस्थान की पीसीपीएनडीटी टीम ने पर्दाफाश किया है. टीम ने डिकॉय ऑपरेशन के जरिए भ्रूण लिंग जांच की मशीन बेचने वाले आरोपी अमिताभ भादुरी को पकड़ा है, जो पश्चिम बंगाल से जयपुर में चीन में बनी मशीन बेचने आया था. हालांकि दो महीने तक टीम ने रेकी कर पड़ताल की, गिरोह से संपर्क किया और पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन का 6 लाख 15 हजार रुपये में सौदा तय किया, तब जाकर दलाल मशीन की डिलीवरी करने जयपुर पहुंचा और धरा गया।

बच्चे की चार सर्जरी हुई

सोनोग्राफी में नहीं दिखी बच्चे की किडनी, परिजनों ने उठाए सवाल

सबसे पहले दलाल मशीन लेकर जयपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा और स्टेशन के ही प्रतीक्षालय में रुका. इस दौरान उसने अपने गिरोह के सदस्य को वॉइस मैसेज किया कि वह सुरक्षा के मद्देनजर यहीं रुका हुआ है और कंपनी के पैसे भी बचा रहा है. बचे पैसों से अच्छा भोजन करूंगा. उसने कहा कि मैं पूरी सतर्कता बरत रहा हूं और वैसे भी डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है. इसके बाद दलाल मशीन सहित शहर के कुछ प्रमुख स्थलों से घूमते हुए सेंट्रल पार्क पहुंचा, जहां पहले से ही पीछा कर रही पीसीपीएनडीटी टीम ने उसे दबोच लिया। पीबीआई थाने के एएसपी डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि चीन निर्मित पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन को बेचने का यह धंधा लंबे अरसे से चल रहा है. एक गिरोह राज्य में चीन की पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने का धंधा कर रहा है।

350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सीएम भजनलाल का रोडमैप स्पष्ट

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को लेकर राज्य सरकार तेजी से कार्य कर रही है। इसके लिए आधारभूत संरचना, कृषि, शिक्षा और उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने युवाओं को रोजगारपरक बनाने, कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रयोग और लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को 'फ्यूचर रेडी' और 'इंडस्ट्री रेडी' बनाने के लिए सरकार उन्हें अत्याधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाए ताकि उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आमदनी में वृद्धि के लिए सरकार ने 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर' की स्थापना की घोषणा की है। इस केंद्र के माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग कर खेती की समस्याओं का समाधान और उत्पादकता में गुणात्मक सुधार संभव होगा। उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' जैसे आयोजनों, प्रभावी सिंगल विंडो सिस्टम और नई औद्योगिक नीतियों से प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने बताया कि लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 'राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025' लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) से जुड़ाव के साथ लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित करने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जो राज्य की लॉजिस्टिक्स क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। बैठक में कृषि क्षेत्र में एआई आधारित नवाचारों, पॉलिटेक्निक स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क से जुड़े प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का हर युवा प्रशिक्षित, आत्मनिर्भर और रोजगार योग्य बने, और हर क्षेत्र में तकनीक के माध्यम से विकास को नई दिशा मिले।

उत्तराखंड बस हादसे में राजस्थान के वकील की भी मौत

उदयपुर के 4 लोग अब भी लापता; दो दिन से जारी है रेस्क्यू ऑपरेशन

उदयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड) में हुए बस हादसे में उदयपुर के वकील की मौत हो गई है। वहीं, 4 लोग अब भी लापता हैं। हादसे में दो महिलाएं घायल हुई हैं। दरअसल, दस दिन पहले राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के 20 लोग उत्तराखंड के चार धाम की यात्रा पर गए थे। इनमें 7 लोग उदयपुर के रहने वाले थे। गुरुवार सुबह केदारनाथ से बद्रीनाथ के रास्ते में उनकी बस को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। बस अलकनंदा नदी में गिर गई थी। हादसे के 24 घंटे बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

7 किलोमीटर दूर मिली डेडबॉडी

बस हादसे में भटट जी की बावड़ी के रहने वाले वकील संजय सोनी (55) की मौत हुई है। उनका शव हादसे के करीब 24 घंटे बाद शुक्रवार सुबह मिला। संजय सोनी के रिश्तेदार कुंदन सोनी के अनुसार बॉडी हादसा स्थल से 7 किलोमीटर दूर मिली है। कुंदन सोनी ने बताया कि उनका बेटा दीपक वहां पहुंच गया है। अभी संजय की पत्नी चेतना, मां सुशीला और बहन रंजना अभी लापता हैं।

'मुझे बदनाम करने से तुम्हारा काम बनता है' गजेंद्र शेखावत का गहलोत पर पलटवार

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि अशोक गहलोत जी अपने पुत्र का राजनीतिक करियर बनाने के लिए संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी प्रकरण में मेरा नाम घसीटकर मुझे कलंकित करने के प्रयास में बुरी तरह असफल रहे हैं। गहलोत जी स्वयं भली-भांति जानते थे कि मैं निर्दोष हूं। मेरा एकमात्र 'दोष' यह है कि मेरे परिश्रम और जोधपुरवासियों के मुझसे अपार स्नेह से न केवल उनके पुत्र, बल्कि स्वयं उनकी राजनीति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है।

अशोक गहलोत के बयानों पर शेखावत ने कहा कि मुझे बदनाम करने से तुम्हारा काम बनता है, तो चलो एक अहसान और सही"। उन्होंने कहा कि मैं अशोक गहलोत जी से आग्रह करता हूं कि वे संजीवनी प्रकरण के पीड़ितों की वेदना का उपयोग अपने राजनीतिक स्वार्थ और पुत्र की देवतुल्य जनता द्वारा रचित पराजय की खीझ निकालने के लिए न करें।

अजमेर एसपी वंदिता के आदेश की उड़ रही धज्जियां रात आठ बजे बाद भी खुलेआम बिक रही शराब

अजमेर, 27 जून (एजेंसियां)। अजमेर जिले में जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा द्वारा जारी किए गए सख्त निर्देशों का शराब ठेकेदारों पर कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि रात 8 बजे के बाद भी शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में खुलेआम शराब बेची जा रही है। इससे न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि एसपी के आदेशों की गंभीर अनदेखी भी सामने आ रही है।

नगरा क्षेत्र में जारी है बिक्री

अलवर गेट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगरा इलाके में रेलवे लोको के पास स्थित शराब के ठेके पर देर रात तक धड़ल्ले से शराब बेची जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ठेके पर रात 10 बजे तक भी ग्राहकों की आवाजाही देखी जाती है, लेकिन पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होती। इस अवैध बिक्री से क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की आवाजाही भी बढ़ गई है, जिससे आमजन में असुरक्षा की भावना गहराने लगी है। कोतवाली थाना क्षेत्र के गंज इलाके में कांजी हाउस के पास स्थित शराब ठेके पर भी नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में रात 8 बजे के बाद भी शराब की बिक्री होती स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। वीडियो में ग्राहकों की भीड़ और लेन-देन की स्थिति साफ नजर आती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि या तो स्थानीय पुलिस को जानकारी नहीं है या जानबूझकर अनदेखी की जा रही है।

इस्कान कुकटपल्ली में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा निकली

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर हैदराबाद इस्कान कुकटपल्ली (अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) के नेतृत्व में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा भव्य रूप से आयोजित हुई। इस संदर्भ में, भाग्यनगर हैदराबाद इस्कान कुकटपल्ली (अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) मंदिर अध्यक्ष श्रीमान् महाश्रृंगदास ने विस्तार से बताया कि, इस्कान कुकटपल्ली के संस्थापक आचार्य कृष्ण कृपा मूर्ति श्री एसी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के शुभाशीश से भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा शुक्रवार 27 जून के मध्याह्न ढाई बजे के बाद शुरू होकर माता मंदिर, भ्रमरांबा मल्लिकार्जुन हाल, हैदरनगर निजामपेट वाया जेएनटीयु से विवेकानंद प्रतिमा, कूपन्स होते हुए मेट्रो शापिंग माल के पीछे (हुडा ट्रक पार्किंग के पास) कुकटपल्ली हैदराबाद पर रात्रि साढे सात बजे तक पहुंची।

इस शुभावसर पर चेयरमैन रथयात्रा कमेटी अंजनी कुमार अग्रवाल ने बताया कि, भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा में कई गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लेकर इस यात्रा की शोभा बढाई, जिनमें, विधायक अर्कपुर्णा गांधी, विधायक माधवरम कृष्णाराव, कांग्रेस नेता जगदीश्वर गौड शामिल हुए। साथ ही इस भव्य रथ यात्रा में तत्संबंधित अन्य गणमान्य व्यक्तियों का समावेश रहा उनमें, को-चेयरमैन जे. सुब्रमण्यम- आईएएस, अनुषा जावडी-आईआरएस, श्रीकिशन अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, विजयलक्ष्मी माताजी- एडवोकेट, डॉ. अंकिता माता, कृष्णराव वैलामाला, सत्यनारायण सोमानी, मनीष अग्रवाल-प्रेसिडेंट अग्रवाल समाज, योगेश सिंघी-अध्यक्ष जैन सेवा संघ, जसमत भाई पटेल-चेयरमैन, रमेश कुमार बंग-चेयरमैन महेश बैंक, मनोज अग्रवाल, हरिश पटेल, सुषमा दुधानी, रामकिशोर झंवर, पचम शाह, रामी रेड्डी, सुरेंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, देवराज प्रभु, सत्रेश्वर केशव, शत्रुघ्न अग्रवाल, प्रेम कुमार अग्रवाल, जोगीराम अग्रवाल, सुमन दुआलिया, आर.के. अग्रवाल, किशोर काबरा, अन्नपूर्णा माताजी, डॉ. धनलक्ष्मी सहित कन्वेनर या संयोजकगण में वेंकटेश्वर राव, उत्तमसिंह राजपुरोहित, सतीश कुमार अग्रवाल, जयपालसिंह तायल-समाजसेवी आदि शामिल हुए।

अंजनी कुमार अग्रवाल ने आगे बताया कि, सभी भक्तों के लिए, रविवार 29 जून को क्लासिक गार्डन्स, बालमराय सिकंदराबाद पर सायं वेला अर्थात् 5.30 बजे से मधुर कीर्तन, नृत्य, हरिकथा, स्पेशल श्रृंगार दर्शन छप्पन भोग महा आरती सहित रात्रिभोज महाप्रसादम की व्यवस्था की गयी। अतः सभी भक्तगण इसमें शामिल होकर सुमधुर श्रीहरिकीर्तन का लाभ लेकर रात्रिभोज महाप्रसादम का आनंद लिया एवं भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी का दर्शन लेकर पुण्य के भागी बने।

जीएम अरुण कुमार जैन के नेतृत्व में एससीआर ने ऐतिहासिक चरण में प्रवेश किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने लगातार तीन वित्तीय वर्षों - 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करके विकास और परिवर्तन के ऐतिहासिक चरण में प्रवेश किया है। इस उल्लेखनीय यात्रा का नेतृत्व महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने किया है, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व और सक्रिय प्रबंधन दृष्टिकोण ने एससीआर को भारतीय रेलवे में सबसे कुशल क्षेत्रों में से एक के रूप में स्थापित किया है। इस महीने अपनी आसन्न सेवानिवृत्ति के साथ, जैन उत्कृष्टता और प्रेरणा की विरासत छोड़ रहे हैं। दमरे के अनुसार पिछले तीन वर्षों में, एससीआर ने राजस्व और माल ढुलाई में रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की है। सकल मूल राजस्व 2022-23 में प्रभावशाली रूप से बढ़कर 18,976 करोड़ हो गया, जो 2023-24 में 20,339 करोड़ और 2024-25 में 20,569 करोड़ हो गया। इसी प्रकार, माल ढुलाई ने नए मानक हासिल किए, 2022-23 में 131.8 मिलियन टन, 2023-24 में 141.1 मिलियन टन और 2024-25 में 144.1 मिलियन टन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। माल ढुलाई राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो कि उसी वर्ष क्रमशः 13,051 करोड़, 13,620 करोड़ और 13,864 करोड़ दर्ज की गई। इसी तरह, यात्री खंड से राजस्व इन तीन वर्षों में से प्रत्येक में 5,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। इस अवधि में नई लाइनों, दोहरीकरण, तिहरीकरण आदि के रूप में कुल 960 किलोमीटर ट्रैक जोड़कर ज़ोन ने नेटवर्क विस्तार में भी पर्याप्त प्रगति की है। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में, दक्षिण मध्य रेलवे ने अपनी कुछ सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं को क्रियान्वित किया, जिसमें गुडूर के पास ज़ोन के सबसे लंबे रेल फ्लाईओवर का निर्माण 2.2 किलोमीटर लंबा और काजीपेट बाईपास परियोजना के हिस्से के रूप में काजीपेट के पास अपनी पहली रेल-अंडर-रेल संरचना का निर्माण शामिल है। पूंजीगत व्यय भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुच गया, जो तीन वर्षों में कुल 47,050 करोड़ रहा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेल मंत्रालय के दृष्टिकोण के अनुरूप, दक्षिण मध्य रेलवे ने 6,500 करोड़ की अनुमानित लागत से व्यापक पुनर्विकास के लिए पूरे ज़ोन में 119 स्टेशनों की पहचान की है। इस परिवर्तनकारी पहल में सिकंदराबाद, तिरुपति, नेल्लोर, हैदराबाद, विजयवाड़ा, काचीगुडा, नांदेड़, औरंगाबाद और जालना जैसे प्रमुख स्टेशनों पर बड़े उन्नयन कार्य शामिल हैं। तीन अमृत स्टेशनों, बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं और बढ़ी हुई सुविधाएं प्रदान करते हैं। तेरह गति शक्ति कार्गो टर्मिनल चालू किए गए, जिससे माल ढुलाई और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स क्षमताओं में और वृद्धि हुई। हैदराबाद ट्विन सिटी क्षेत्र में टर्मिनल के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करते हुए, चरलापल्ली में 413 करोड़ की लागत से एक नया कोचिंग टर्मिनल विकसित किया गया है। यह आधुनिक टर्मिनल, जो अब चालू है, विश्व स्तरीय सुविधाओं और समकालीन स्टेशन भवन से सुसज्जित है, जिससे शहर के निवासियों के लिए यात्रा की सुविधा में काफी सुधार हुआ है। निरंतर उत्कृष्टता के इस दौर पर विचार करते हुए, अरुण कुमार जैन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में दक्षिण मध्य रेलवे की उल्लेखनीय उपलब्धियां इस संगठन के प्रत्येक सदस्य के सामूहिक प्रयासों और अटूट समर्पण का परिणाम हैं। मैं अपने अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और फ्रंटलाइन कर्मचारियों द्वारा दिखाई गई प्रतिबद्धता की गहराई से सराहना करता हूं, जिन्होंने लगातार हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है। मैं खुद को एक ऐसी टीम का नेतृत्व करने के लिए भाग्यशाली मानता हूं जो गहराई से प्रतिबद्ध है, अत्यधिक सक्षम है और हमेशा अतिरिक्त मील जाने के लिए तैयार है।

19 कर्मचारियों को नोटिस

मेदक, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) राधाकिशन ने तूप्रान स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) के 19 स्टाफ सदस्यों को संस्था को आवंटित 17 लाख रुपये में अनियमितता के आरोपों के बाद नोटिस जारी किया है। डीईओ ने स्कूल के विशेष अधिकारी गौतमी, लेखाकार और 17 कंप्यूटर ऑपरेटरों को नोटिस जारी कर धन के कथित दुरुपयोग के संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। इस बीच, एक जांच भी चल रही है, जिसमें डीईओ व्यक्तिगत रूप से स्कूल में कथित वित्तीय विसंगतियों की जांच कर रहे हैं।

केटीआर ने आपदा की दी चेतावनी

मंजीरा बैराज की उपेक्षा को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने जुराला परियोजना के 62 शिखर द्वारों में से एक की रस्सी केबल टूटने के 24 घंटे से भी कम समय बाद मंजीरा बैराज को हुए संरचनात्मक नुकसान पर चिंता जताई है। उन्होंने प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में बार-बार होने वाली घटनाओं के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि समय पर संचालन और रखरखाव में इसकी विफलता इसकी विफलता है। रामाराव ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद और आस-पास के इलाकों के लिए पीने के पानी का एक प्रमुख स्रोत मंजीरा बैराज अब सरकार की निष्क्रियता के कारण गंभीर खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य बांध सुरक्षा संगठन (एसडीएसओ) की 22 मार्च की रिपोर्ट में गंभीर मुद्दों को चिन्हित किए जाने के बावजूद, कोई मरम्मत कार्य नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि यह रेवंत रेड्डी सरकार की अक्षमता और सिंचाई और पेयजल बुनियादी ढांचे के प्रति उदासीनता का स्पष्ट संकेत है। रामाराव ने कहा कि अभूतपूर्व बाढ़ के कारण बैराज के खंभों में दरारें पड़ गई हैं, एप्रन का क्षरण हो गया है और स्पिलवे को नुकसान पहुंचा है।

केआरएमबी ने रद्द की कर्मचारी प्रोत्साहन योजना

जल-बंटवारे के मुद्दों की अनदेखी के लिए करना पड़ा आलोचना का सामना

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) ने तत्काल प्रभाव से अपनी विशेष कर्मचारी प्रोत्साहन योजना को बंद करने का फैसला किया है। शुक्रवार को यहां जल सौधा कार्यालय में आयोजित बोर्ड की 20वीं विशेष बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया, जिसमें प्रोत्साहन मुद्दा एजेंडे का एकमात्र मुद्दा था। इस कदम की जल प्रबंधन विशेषज्ञों और हितधारकों ने तीखी आलोचना की है, जिन्होंने बोर्ड की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं। आलोचकों ने बताया कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच कृष्णा नदी जल बंटवारे के महत्वपूर्ण और अनसुलझे विवादों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, बोर्ड ने अपना समय आंतरिक कर्मचारियों के लाभों पर विचार-विमर्श करने में बिताया।

अक्टूबर 2020 में शुरू की गई प्रोत्साहन योजना के तहत केआरएमबी कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों की अंतर-राज्यीय प्रकृति का हवाला देते हुए मूल वेतन पर 257 बोनस दिया गया। हालांकि, जल संसाधन विभाग के निर्देश के बाद 2023 की शुरूआत में भुगतान रोक दिया गया, जिसमें पहले से भुगतान की गई राशि की वसूली का भी आदेश दिया गया। फरवरी 2025 में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि कर्मचारियों को पहले से प्राप्त प्रोत्साहन भुगतान वापस करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन आगे किसी भी तरह के भुगतान पर रोक लगा दी गई है। कानूनी सलाह के आधार पर, बोर्ड ने फैसले का विरोध न करने का फैसला किया और प्रोत्साहन योजना को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया, साथ ही कर्मचारी कल्याण और कानूनी जटिलताओं के मद्देनजर पिछले भुगतानों की वसूली को भी छोड़ दिया।

हालांकि, विशेषज्ञों ने बोर्ड की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने पूरी बैठक इसी मुद्दे पर समर्पित कर दी जबकि जल-बंटवारे के विवाद पर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। अतिरिक्त टेलीमेट्री सिस्टम की स्थापना और कृष्णा जल के समान वितरण जैसे प्रमुख मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। तेलंगाना ने लगातार विभाजन के बाद कृष्णा नदी के पानी में 50:50 हिस्सेदारी की मांग की है, आंध्र प्रदेश के पक्ष में मौजूदा 512:299 टीएमसी आवंटन का विरोध किया है। इन विवादों को सुलझाने में देरी से दोनों राज्यों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और पेयजल आवश्यकताओं के लिए पानी की रिहाई प्रभावित हो रही है। केआरएमबी के अध्यक्ष अतुल जैन ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कुछ अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

गोलकुंडा में बोनल उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। उत्सव में भाग लेते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद राठी एवं डॉ. भगवंत राव का सम्मान करते लक्ष्मण यादव व अन्य।

कोलसावाडी बेगमबाजार में श्री जगन्नाथ उदयभान मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, कांग्रेस नेता पी. राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी रघुनंदन गोप, प्रेमचंद मुणोत, दीनदयाल महराज एवं ज्योतिष एकनाथ आदि ने पूजा-अर्चना की।

बीड़ी मजदूरों को आसरा भत्ते का इंतजार

लंबित आवेदनों की बढ़ी संख्या

करीमनगर, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में हजारों बीड़ी श्रमिक आसरा पेंशन योजना के तहत वित्तीय सहायता का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जबकि भत्ते के लिए उनके आवेदन पुराने पात्रता मानदंडों के कारण अटके हुए हैं। यद्यपि कई बीड़ी श्रमिक हाल ही में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के लिए पात्र हो गए हैं, फिर भी वे आसरा भत्ते से बाहर हैं, क्योंकि सरकार ने पात्रता की कट-ऑफ तिथि को अभी तक संशोधित नहीं किया है। बीड़ी मजदूरों को वित्तीय राहत देने के लिए तत्कालीन बीआरएस सरकार ने आसरा पेंशन योजना शुरू की थी, जिसमें 2,016 रुपये मासिक भत्ता दिया जाता था। पात्रता केवल उन लोगों तक सीमित थी जिनके पास 28 फरवरी, 2014 से पहले ईपीएफ खाते थे। वर्तमान नियमों के अनुसार, केवल वे श्रमिक ही पेंशन के लिए पात्र हैं जिनके पास इस तिथि से पहले पीएफ खाता था।

2014 के बाद बड़ी संख्या में श्रमिकों ने पीएफ योजना में नामांकन कराया, लेकिन वे अपरिवर्तित मानदंडों के कारण पेंशन के लिए अपात्र बने हुए हैं। तेलंगाना में अनुमानित 7.5 लाख बीड़ी श्रमिकों में से, वर्तमान में 4 लाख से अधिक को भत्ता मिल रहा है।

अकेले पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में, जिसमें करीमनगर, जगतियाल और पेड्डापल्ली शामिल हैं, लगभग 1.5 लाख पीएफ धारक और 60,000 गैर-पीएफ कर्मचारी हैं। पूरे राज्य में, 2014 के बाद ईपीएफ खाते प्राप्त करने वाले लगभग 1.5 लाख श्रमिकों ने भत्ते के लिए आवेदन प्रस्तुत किए हैं, लेकिन ये कथित तौर पर ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी (एसईआरपी) के पास लंबित हैं। अतिरिक्त 50,000 बीड़ी श्रमिकों के भी आवेदन करने की उम्मीद है, जिससे लाभार्थियों की कुल संख्या लगभग 2 लाख हो जाएगी।

बीड़ी मजदूर यूनियनों ने राज्य सरकार पर चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बीड़ी मजदूरों को नई पेंशन देने और पेंशन राशि बढ़ाकर 4,016 रुपए करने का वादा किया था। हालांकि, यूनियन नेताओं का आरोप है कि डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यूनियन प्रतिनिधियों ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विशेष रूप से सभी बीड़ी श्रमिकों को भत्ता लाभ देने का वादा किया था, तथा सरकार से बिना किसी देरी के अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने का आग्रह किया।

सीपी ने आदिबटला पुलिस थाने का दौरा किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी.सुधीर बाबू ने आज आदिबटला पुलिस थाने का दौरा किया। कर्मचारियों से बातचीत के दौरान उन्होंने चोरी के मामलों में रिकवरी दर में सुधार, नशीली दवाओं से संबंधित मामलों में संदिग्ध शीट खोलने और एनबीडब्ल्यू और लंबित मामलों के निपटान में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद सीपी सुधीर बाबू ने मनचल मंडल के बोडकोंडा टांडा में बोडकोंडा झरने का दौरा किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

केटीआर ने की भारत शिखर सम्मेलन कार्यक्रम पर भारी खर्च के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर भारत शिखर सम्मेलन 2025 जैसे आयोजनों पर बेतहाशा खर्च करने और तेलंगाना के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार यह दावा करने में बेशर्म है कि राज्य के पास अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के लिए 29.45 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

रामाराव ने भारत शिखर सम्मेलन के लिए इतनी बड़ी राशि खर्च करने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने 420 वादे किए थे, जिनमें वे छह गारंटी भी शामिल थीं, जिन्हें उन्होंने 100 दिनों के भीतर लागू करने की बात कही थी। अब 600 दिन से ज़्यादा हो गए हैं और कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मिस वर्ल्ड के भोज के दौरान प्रति प्लेट भोजन पर 1 लाख रुपये खर्च किए गए तथा वेमुलावाड़ा में कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान प्रति प्लेट 36,000 रुपये खर्च किए गए, जो कथित तौर पर मंदिर के कोष से खर्च किए गए। उन्होंने कहा, वे प्रत्येक रेशमी धोती पर 10,000 रुपये खर्च करते हैं, लेकिन स्कूलों, गुरुकुलों या विश्वविद्यालयों में छात्रों को एक दिन में एक अच्छा भोजन भी नहीं दे सकते।

टीजी ईएपीसीईटी 2025 इंजीनियरिंग काउंसलिंग शेड्यूल जारी

28 जून से शुरू होगा पहला चरण

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीकी शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को टीजी ईएपीसीईटी 2025 इंजीनियरिंग प्रवेश काउंसलिंग कार्यक्रम की घोषणा की, जिसके पहले चरण के लिए पंजीकरण 28 जून से शुरू होंगे। टीजी ईएपीसीईटी 2025 में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को बुनियादी विवरण भरना होगा, प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करना होगा और 28 जून से 7 जुलाई के बीच प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए स्लॉट बुक करना होगा। प्रमाणपत्र सत्यापन 1 से 8 जुलाई तक होगा और वेब विकल्प प्रविष्टि 6 से 10 जुलाई तक उपलब्ध होगी। 13 जुलाई को या उससे पहले मॉक सीट आवंटन की घोषणा की जाएगी, जिससे अभ्यर्थियों को 14 और 15 जुलाई को, यदि आवश्यक हो, तो अपने विकल्प संशोधित करने का अवसर मिलेगा।

अंतिम सीट आवंटन 18 जुलाई को या उससे पहले घोषित किया जाएगा, और चयनित उम्मीदवारों को ट्यूशन शुल्क का भुगतान करना होगा और 18 से 22 जुलाई के बीच आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन स्व-रिपोर्टिंग पूरी करनी होगी। प्रथम चरण के बाद काउंसलिंग के दो अतिरिक्त चरण आयोजित किये जायेंगे। एक केंद्रीकृत आंतरिक स्लाइडिंग (एक ही कॉलेज के भीतर शाखा परिवर्तन) 18 और 19 अगस्त को आयोजित की जाएगी, जिसमें 22 अगस्त को सीट आवंटन किया जाएगा। सभी कॉलेजों के लिए स्पॉट एडमिशन 23 अगस्त के लिए निर्धारित हैं।

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की मेकअप आर्टिस्ट ने लगाया यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी का आरोप

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु फिल्म उद्योग में काम करने वाली एक महिला मेकअप कलाकार ने मधुरा नगर पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि उसके साथ शादी का वादा करने वाले एक व्यक्ति ने यौन उत्पीड़न किया और धोखा दिया। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय महिला, जिसने चार साल पहले अपने पति को तलाक दे दिया था और मेकअप आर्टिस्ट के रूप में काम कर रही थी, उसकी संदिग्ध साई राम (29) से दो साल पहले एक फिल्म सेट पर दोस्ती हुई थी। उसने बताया कि उस आदमी ने उससे शादी का वादा किया था और वे दोनों पिछले एक साल से रहमत नगर में किराए के मकान में साथ रह रहे थे। हाल ही में उसने उसे छोड़ दिया और पैसे लेकर फरार हो गया। उसने आरोप लगाया कि उसने उससे शादी का वादा किया था और जब वे दोनों साथ रहते थे, तब उसने उसका यौन शोषण किया। पुलिस ने कहा, हालांकि, हाल ही में उसने बहाने बनाकर उसे टालना शुरू कर दिया और फरार हो गया। महिला ने सबसे पहले सनथनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने 'जीरो एफआईआर' दर्ज की और बाद में क्षेत्राधिकार के आधार पर इसे मधुरा नगर पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया।

पेयजल संकट को लेकर निवासियों ने किया प्रदर्शन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर मंडल के बट्टुपल्ली गांव के निवासियों ने शुक्रवार को खाली बर्तन लेकर सड़क पर धरना दिया और अधिकारियों से लंबे समय से चल रहे पेयजल संकट को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। गांव के पुरुषों और महिलाओं ने गहरी पीड़ा व्यक्त की कि बार-बार अपील के बावजूद पीने के पानी की समस्या सालों से अनसुलझी है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के बदलने के बाद भी पानी की गंभीर कमी बनी हुई है, जो प्रशासन की ओर से निरंतर गंभीरता की कमी को दर्शाता है। ग्रामीणों ने अफसोस जताया कि मिशन भागीरथ योजना के तहत वादा किया गया पानी अपर्याप्त है, जिससे उन्हें पीने योग्य पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे उनकी समस्या पर तत्काल ध्यान दें तथा आगे की कठिनाई से बचने के लिए समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करें।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी ने क्रिकेट के 6 नियमों में बदलाव किए

> टेस्ट में 60 सेकेंड में ओवर शुरू करना होगा > दो वॉर्निंग के बाद 5 रन कटेंगे

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने हाल ही में पुरुष क्रिकेट के 6 नियम बदले हैं, ताकि खेल को ज्यादा तेज, निष्पक्ष और रोचक बनाया जा सके। टेस्ट क्रिकेट में ये नियम नई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के लिए लागू हो चुके हैं। वहीं, सीमित ओवर (वनडे और टी-20) फॉर्मेट में ये नियम 2 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आईसीसी ने सभी देशों से नियमों में किए गए बदलावों की जानकारी साझा की है।

क्रिकेट के 6 नियम बदले गए

1. टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में अब स्टॉप क्लॉक नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत फील्डिंग टीम ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से अधिक देर करती है तो उसे दो बार वॉर्निंग दी जाएगी। इसके बाद भी अगर यह नियम टूटा तो पेनाल्टी के तौर पर उसके 5 रन काट लिए जाएंगे। टी-20 और वनडे क्रिकेट में यह नियम एक साल पहले ही लागू हो चुका है।

2. शॉर्ट रन पर जुर्माना

आईसीसी ने तीनों फॉर्मेट के लिए शॉर्ट रन का नियम भी बदला है। जानबूझकर शॉर्ट रन लेने पर पहले 5 रन का जुर्माना लगता था। अब अगर बल्लेबाज एक्स्ट्रा रन चुराने के लिए जानबूझकर रन पूरा नहीं करता तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे पिच पर मौजूद दोनों में से किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं। 5 रन के जुर्माना वाला नियम भी लागू रहेगा।

3. गलती से सलाइवा लगाई तो गेंद नहीं बदलेगी

गेंद पर सलाइवा (लार) लगाने पर बैन जारी रहेगा। हालांकि, गलती से सलाइवा लगाने पर बॉल बदलना अनिवार्य नहीं होगा। अंपायर सिर्फ तभी गेंद बदलेंगे, जब उसकी स्थिति में भारी बदलाव हो, जैसे कि गेंद बहुत गीली हो या उसमें एक्स्ट्रा चमक हो। यह फैसला अंपायर के विवेक पर निर्भर होगा। अगर उसे लगता है कि गेंद की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है तो इसे नहीं बदला जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

4. कैच रिव्यू में एलबीडब्ल्यू की भी जांच होगी

आईसीसी ने कैच का नियम भी बदला है। अगर कैच आउट रीव्यू में गलत साबित होता है, लेकिन गेंद पैड पर लगी हो तो टीवी अंपायर एलबीडब्ल्यू की भी जांच करेंगे। अगर बैटर एलबीडब्ल्यू आउट है तो उसे आउट दे दिया जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

5. नोबॉल पर कैच

सॉफ्ट सिग्नल (अंपायर का लिया रिव्यू) लिया गया है और नो बॉल पर कैच पर सही है तो बल्लेबाजी टीम को नो-बॉल का एक रन एक्स्ट्रा मिलेगा। कैच सही नहीं है तो नो बॉल का एक रन और दौड़कर बनाए गए रन भी मिलेंगे। पहले कैच के डाउट होने पर फील्ड अंपायर थर्ड अंपायर को रैफर करता था और टीवी अंपायर बताता था कि ये नो बॉल थी, तो कैच की जांच नहीं होती थी। लेकिन अब उसकी जांच की जाएगी। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

6. आईसीसी ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियम बनाए

आईसीसी ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों में बदलाव किए हैं। नए नियम जुलाई से लागू होंगे और इनमें यह स्पष्ट किया गया है कि अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए गए हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर कम कर दिए जाएंगे।

भारत को मिली विश्व पुलिस व फायर खेल 2029 की मेजबानी

गुजरात में होगा आयोजन

अहमदाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। 23वें विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल 2029 की मेजबानी भारत को मिल गई है। इसका आयजोन गुजरात के अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इसकी बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'गुजरात के लिए गर्व का क्षण! भारत ने बर्मिंघम, यूएसए में डब्ल्यूपीएफजी फेडरेशन के समक्ष एक व्यापक बोली प्रस्तुति के बाद अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों (डब्ल्यूपीएफजी) की मेजबानी के लिए बोली जीत ली है। यह वैश्विक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाती है और अहमदाबाद को भारत की खेल राजधानी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।'

पीवी सिंधू : तालमेल बैठाने के लिए खेल में कर रहीं हूं बदलाव

बंगलूरू, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का कहना है कि महिला एकल बैडमिंटन में आक्रामक रैलियों की जगह अब कोर्ट पर ताकत की परीक्षा होने लगी हैं जिससे वह इस चुनौतीपूर्ण दौर में बदलती लय के साथ तालमेल बिठाने के लिए अपने खेल में बदलाव कर रही हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के लिए यह साल आदर्श नहीं रहा है क्योंकि वह इसमें चार बार पहले दौर से बाहर हो चुकी हैं, जबकि तीन बार दूसरे दौर में हार का सामना कर चुकी हैं। सिंधू बस जनवरी में इंडिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बना सकीं है।

सिंधू ने कहा, महिला एकल स्पर्धा पूरी तरह बदल गई है। शुरू में इसमें आक्रामकता और तेज रैलियां होती थीं लेकिन अब लंबी रैलियों से लंबे मैच के कारण खेल रक्षात्मक हो गया है। उन्होंने कहा, हम इस पर काम कर रहे हैं, विशेषकर रैलियों को जारी खने और शटल को कोर्ट में लंबे समय तक बनाए रखने में अधिक सयंमित हो गए हैं। हमें खेल के बदलने के साथ हर बार बदलाव करने होते हैं। बतौर खिलाड़ी मैं अपने खेल में बदलाव कर रही हूं, इसमें समय लग सकता है लेकिन हर दफा ऐसा करना महत्वपूर्ण है।

जसप्रीत बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस

गंभीर-अगरकर-शुभमन की तिकड़ी लेगी आखिरी फैसला

बर्मिंघम, 27 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के हाथों लीड्स टेस्ट मैच में 5 विकेट से करारी हार के बाद भारतीय टीम अब अगले मुकाबले की तैयारियों में जुट गई है. भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाना है. 2 जुलाई से खेले जाने वाले इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम बर्मिंघम पहुंच चुकी है। दूसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं, इस पर सस्पेंस बना हुआ है. भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते मौजूदा सीरीज में केवल 3 मुकाबले खेलेंगे. बुमराह एक मैच खेल चुके हैं, अब वो बाकी के चार मैचों में से सिर्फ दो मैच में खेलते नजर आएंगे. यदि बुमराह एजबेस्टन टेस्ट में नहीं खेलते हैं, तो भारत का तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी कमजोर हो जाएगा।

अब जसप्रीत बुमराह को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह एजबेस्टन में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान शुभमन गिल लेंगे. सूत्र ने कहा कि एजबेस्टन टेस्ट से पहले इस तेज गेंदबाज का मूल्यांकन किया जाएगा और फिर ये तीनों मिलकर अंतिम फैसला लेंगे. सूत्र ने बताया, 'पहले और दूसरे टेस्ट के बीच करीब एक हफ्ते का अंतर था, जिसमें बुमराह ने भी हिस्सा लिया. इस पर फैसला चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर, हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल लेंगे. वे टेस्ट से एक दिन पहले उनका (बुमराह) आकलन कर सकते हैं और अंतिम फैसला लेंगे।'

बैक इंजरी से जूझते रहे हैं बुमराह

टीम मैनेजमेंट जसप्रीत बुमराह को लेकर बहुत सतर्क है क्योंकि वह हाल ही में बैक इंजरी से उबरे हैं. बुमराह ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट हाल लिया था. ये विदेशी जमीन पर टेस्ट पारी में बुमराह का 12वां और कुल मिलाकर 14वां पांच विकेट हॉल रहा. बुमराह हालांकि लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में विकेट नहीं ले सके, लेकिन उन्होंने लंबे स्पेल जरूर डाले। जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया दौरे 2024-25 के दौरान सिडनी टेस्ट मैच में बैक इंजरी हो गई. इसके चलते वो लगभग 3 महीने तक क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे थे. बूम-बूम बुमराह की फिटनेस टीम इंडिया के लिए बेहद अहम है और टीम मैनेजमेंट कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है।

आईओसी ने रोकी 2036 ओलंपिक के मेजबान चुनने की प्रक्रिया

> भारत की बोली पर फैसले में लग सकता है समय

भारत ने कब-कब की मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट की मेजबानी

इवेंट	साल	शहर
एशियाई गेम्स	1951	नई दिल्ली
एशियाई गेम्स	1982	नई दिल्ली
कॉमनवेल्थ गेम्स	2010	नई दिल्ली

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई अध्यक्ष कर्स्टी ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए जारी प्रक्रिया पर रोक लगा दी। इससे भारत की मेजबानी के लिए लगाई बोली पर फैसला आने में समय लग सकता है। कर्स्टी ने भावी मेजबान की पहचान के उचित समय का पता लगाने के लिए कार्य समूह (समिति) का गठन किया है।

क्यों लगाई गई रोक?

आईओसी की पहली महिला और पहली अफ्रीकी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व ओलंपिक चैंपियन तैराक कर्स्टी ने कहा कि सदस्यों के बीच प्रक्रिया का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए आम सहमति है। लुसाने में अपनी पहली कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कर्स्टी ने कहा, 'आईओसी सदस्यों से भविष्य के मेजबान चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा करने और रोक लगाने के लिए भारी समर्थन मिला है और हम इस पर विचार करने के लिए एक कार्य समूह का गठन करेंगे। (ऐसा) दो मुख्य कारणों से हुआ है। सबसे पहले, सदस्य इस प्रक्रिया में अधिक से अधिक शामिल होना चाहते हैं और दूसरा, इस बात पर काफी चर्चा हुई कि अगला मेजबान कब चुना जाना चाहिए।'

'भावी मेजबान का चुनाव करने का उचित समय कब है'

कर्स्टी ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों को लगा कि भविष्य के प्रस्तावों पर आगे बढ़ने से पहले पहले से तय किए गए भावी मेजबानों लॉस एंजिलिस (2028 ग्रीष्मकालीन खेल), ब्रिस्बेन (2032 ग्रीष्मकालीन खेल) और फ्रेंच आल्प्स (2030 शीतकालीन खेल) के अनुभव का अध्ययन किया जाना चाहिए। कर्स्टी ने आगे कहा, 'इसलिए इस बात पर बहुत चर्चा हुई कि भावी मेजबान का चुनाव करने का उचित समय कब है। और यह भी कि हमें भावी मेजबान का चयन कैसे करना चाहिए।'

हरि रंजन राव के नेतृत्व में अगले महीने लुसाने जाएगा प्रतिनिधिमंडल भारत ने पिछले साल अक्तूबर में 2036 खेलों की मेजबानी के लिए एक आशय पत्र दिया था। खेल सचिव हरि रंजन राव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के अगले महीने इस मुद्दे पर अनौपचारिक बातचीत के लिए लुसाने जाने की योजना है। कर्स्टी ने कहा कि यात्रा तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि सभी इच्छुक पक्ष इस रोक का हिस्सा बनें और इस पर विचार करें। मुझे अगले सप्ताह के अंत में आने वाले प्रतिनिधिमंडल के बारे में पता है जो जारी रहेगा।'

मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस को हराकर ग्रुप स्टेज में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सिटी ने क्लब वर्ल्ड कप 2025 के ग्रुप स्टेज में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने जुवेंटस एफसी को आसानी से 5-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ सिटी ने ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया और अब वे ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में भिड़ेंगे। मैनचेस्टर सिटी इस जीत के बाद फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण को 100 प्रतिशत रिकॉर्ड के साथ समाप्त करने वाली एकमात्र टीम बन गई। सिटी ने इस टूर्नामेंट में अब तक 13 गोल किए हैं, जो एफसी बायर्न म्यूनिख से एक ज्यादा हैं। इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने लगभग पूरे खेल में दबदबा बनाए रखा।

मैच की शुरुआत में ही पेप गार्डियोला की टीम ने नौवें मिनट में गोल दागा। नए खिलाड़ी रेयान ऐट-नूरी ने जुवेंटस के पेनल्टी क्षेत्र के बाहर गेंद पर कब्जा किया और जेरेमी डोकू को पास दिया, जिन्होंने शानदार गोल किया। हालांकि, सिर्फ दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन की गलती से जुवेंटस ने बराबरी कर ली। इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर ने गलती से अपने ही गोल में गेंद मार दी, जिससे सिटी फिर आगे हो गई। सिटी ने पहला हाफ पूरा दबाव बनाकर खेला। बारिश की वजह से थोड़ी रुकावट आई, लेकिन सिटी का खेल प्रभावित नहीं हुआ।

दूसरे हाफ में एरलिंग हैलैंड ने 52वें मिनट में गोल कर सिटी की बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद फिल फोडेन ने 4-1 का स्कोर कर किया, जब हैलैंड ने शानदार दौड़ लगाकर साविन्हो को पास दिया, जिसने गोलकीपर को छका कर फोडेन को आसान मौका दिया। साविन्हो ने खुद भी 75वें मिनट में शानदार दूर से शॉट लगाकर पांचवां गोल कर दिया। 84वें मिनट में जुवेंटस ने एक गोल वापस किया, लेकिन जीत सिटी की ही रही। दूसरी ओर, अल ऐन एफसी ने भी वर्ल्ड कप का अपना सफर अच्छी तरह खत्म किया।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज मैच में बवाल

थर्ड अंपायर ने दिए 5 गलत फैसले! कोच डेरेन सैमी का फूटा गुस्सा

ब्रिजटाउन, 27 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जा रहा है. इस मुकाबले में दो दिन का खेल पूरा हो चुका है. इन दो दिनों के खेल में कुल 24 विकेट गिरे हैं. इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए. फिर मेजबान वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 190 रनों पर सिमटी. पहली पारी के आधार पर वेस्टइंडीज को 10 रनों की लीड मिली. इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरे दिन (26 जून) स्टम्प तक अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 92 रन बनाए।

इस मुकाबले में तीसरे अंपायर एड्रियन होलस्टॉक (साउथ अफ्रीका) के दिए गए फैसलों पर विवाद देखने को मिला है. होल्डस्टॉक ने इस मुकाबले में 5 ऐसे निर्णय दिए हैं, जो संदेह के घेरे में हैं. इनमें से चार फैसले तो वेस्टइंडीज के खिलाफ रहे. विवादास्पद फैसलों को लेकर वेस्टइंडीज के हेड कोच डेरेन सैमी भी आगबबूला हो गए हैं. सैमी ने होल्डस्टॉक की आलोचना की है।

1. पहला वाकया ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 46वें ओवर में हुआ. उस ओवर में शमर जोसेफ की एक गेंद ट्रेविस हेड के बल्ले से लगकर विकेटकीपर शाई होप के हाथों में गई. फिर मैदानी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक के पास ये पता करने गए कि कैच सही से लपका गया है या नहीं. शुरुआती रिप्ले में ये प्रतीत हुआ कि गेंद बल्ले से लगकर सीधे दस्ताने में गई है, हालांकि दूसरे एंगल से देखने पर और जूम करने पर कुछ स्पष्ट नहीं दिख रहा था. तीसरे अंपायर ने ये कहकर बल्लेबाज के पक्ष में फैसला दिया कि उनके पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि गेंद सीधे ग्लव्स में गई.

2. अगला वाकया तब हुआ, जब वेस्टइंडीज की टीम बल्लेबाजी कर रही थी. 21वें ओवर में जोश हेजलवुड की एक गेंद पर वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज पूरी तरह बीट हुए और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने एलबीडब्ल्यू की अपील की. हालांकि मैदानी अंपायर ने नॉटआउट का फैसला सुनाया.

एथलेटिक क्लब और बार्सिलोना के बीच निको विलियम्स को लेकर बढ़ा टकराव

मैड्रिड, 27 जून (एजेंसियां)। एथलेटिक क्लब और एफसी बार्सिलोना के बीच जोरदार टकराव चल रहा है, क्योंकि बार्सिलोना स्पेन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विंगर निको विलियम्स को अपनी टीम में शामिल करना चाहता है। बार्सिलोना लगातार दूसरी गर्मियों में विलियम्स को साइन करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन एथलेटिक क्लब अपने स्टार खिलाड़ी की बिक्री पर बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में बार्सिलोना के पास खिलाड़ी के कॉन्ट्रैक्ट में तय की गई 58 मिलियन यूरो (करीब 68 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के रिलीज क्लॉज को एक्टिव करने का ही रास्ता बचा है।

बार्सिलोना के लिए यह भी मुश्किल है, क्योंकि ला लीगा में वित्तीय नियम (फाइनेंशियल फेयर प्ले) बहुत सख्त हैं। डैनी ओल्मो को केवल तभी खेलने की छूट दी गई जब क्लब ने स्पेन की सुपीरियर स्पोर्ट्स कमेटी से अपील की, और यह स्पष्ट नहीं है कि क्या क्लब अब खिलाड़ियों को हटाए बिना नए खिलाड़ियों को साइन करने की वित्तीय स्थिति में है। इसी बीच बार्सिलोना के स्पोर्टिंग डायरेक्टर डेको ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि विलियम्स खुद एथलेटिक क्लब को बता चुके हैं कि वे बार्सिलोना आना चाहते हैं। इस बयान से एथलेटिक क्लब नाराज हो गया और उन्होंने ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन से बार्सिलोना की आर्थिक स्थिति की जांच करने को कहा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 2027 तक अल नासर में अपना कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल नासर के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करके अपने क्लब के भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों को खत्म कर दिया है, जिसके तहत वह 2027 तक सऊदी अरब के क्लब में बने रहेंगे। पुर्तगाली आइकन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ आधिकारिक तौर पर घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, "एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। अल नासर ने जल्द ही पुष्टि की: क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड से निकलने के बाद 2022 के अंत में अल नासर में शामिल हुए रोनाल्डो ने गोल के सामने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने प्रतियोगिताओं में 105 मैचों में 93 बार गोल किए हैं। सऊदी अरब में उनके जाने से वैश्विक फुटबॉल में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसने सऊदी प्रो लीग की ओर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और इस क्षेत्र में सितारों के आगमन की लहर के लिए मंच तैयार किया। संभावित प्रस्थान के बारे में कई सप्ताह तक अटकलों के बाद यह विस्तार हुआ है। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी रहस्यमयी पोस्ट - यह अध्याय समाप्त हो गया है। कहानी? अभी भी लिखी जा रही है। सभी का आभारी हूं। इसने अफवाहों को और हवा दी कि वह स्थानांतरित हो सकते हैं।

यह अटकलें तब और तेज हो गईं जब अल नासर लीग में तीसरे स्थान पर रहा, रोनाल्डो के 800 क्लब गोल के मील के पत्थर तक पहुंचने के बावजूद एशियाई चैंपियंस लीग एलीट में जगह बनाने से चूक गया। पिछले महीने तब और अनिश्चितता पैदा हो गई जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने रोनाल्डो के विस्तारित 2025 क्लब विश्व कप में संभावित रूप से शामिल होने के बारे में चर्चा का उल्लेख किया। इनफैंटिनो ने संभावित अस्थायी स्थानांतरण की ओर इशारा करते हुए कहा, कुछ क्लबों के साथ चर्चा चल रही है, इसलिए अगर कोई क्लब देख रहा है और क्लब विश्व कप के लिए रोनाल्डो को नियुक्त करने में दिलचस्पी रखता है...कौन जानता है, कौन जानता है। लेकिन पुर्तगाल के यूईएफए नेशंस लीग फाइनल से पहले स्पेन के खिलाफ प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रोनाल्डो ने खुद इन अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, यह लगभग तय हो चुका है कि मैं कई निमंत्रण और प्रस्ताव प्राप्त करने के बावजूद फीफा क्लब विश्व कप में हिस्सा नहीं लूंगा।

कैरेबियाई पेसर पर आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगा जुर्माना

दुबई, 27 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करने वाले कैरेबियाई तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर उनकी मैच फीस के 15 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के कारण एक डिमेरिट प्वाइंट भी मिला है। यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिजटाउन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन की घटना के कारण हुई। आईसीसी ने एक बयान में कहा, सील्स को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, क्रिया या हाव-भाव का उपयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़काने से संबंधित है।' इसके अलावा, सील्स के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिसके लिए यह 24 महीने की अवधि में दूसरा अपराध था, जिससे 24 महीने की अवधि में उनके डिमेरिट अंकों की संख्या दो हो गई है।

यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 55वें ओवर के दौरान घटित हुई थी। तब सील्स ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को आउट करने के बाद पवेलियन की तरफ इशारा किया था। इसे आईसीसी के अनुशासन नियमों के मुताबिक खिलाड़ियों के आचार संहिता का उल्लंघन माना गया, क्योंकि यह इशारा उकसाने या अपमानजनक भाषा के दायरे में आता है। आईसीसी ने बताया कि सील्स ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ के दिए दंड को भी स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप तय किए थे। सील्स का यह 24 महीनों में दूसरा डिमेरिट पॉइंट है।

सरकार दिव्यांग व्यक्तियों के साथ एकजुटता से खड़ी है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जन-केंद्रित सरकार की दिव्यांग व्यक्तियों को हर संभव तरीके से सहायता देने की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की है। मंत्री ने शुक्रवार को जयशंकर भूपलपल्ली जिले के महादेवपुर मंडल मुख्यालय में दिव्यांग व्यक्तियों को ट्राइसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। हमारी सरकार दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता देती है।

हम उन्हें सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्हें इंदिराम्मा आवास आवंटित किए जाएंगे और नई पेंशन स्वीकृत की जाएगी। जबकि हम पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, हम लोगों से किए गए हर चुनावी वादे को पूरा करने के लिए भी अथक प्रयास कर रहे हैं। श्रीधर बाबू ने राज्य भर में लागू की जा रही प्रमुख कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें मुफ्त बिजली, रियायती चावल, महिलाओं के लिए शून्य-ब्याज ऋण, इंदिराम्मा आवास और मुफ्त बस यात्रा सुविधाएं शामिल हैं। इन वास्तविक प्रयासों के बावजूद, कुछ लोग जानबूझकर हमारी सरकार के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। यह अनुचित और अन्यायपूर्ण है। श्रीधर बाबू ने महादेवपुर मंडल के 89 लाभार्थियों को 90 लाख रुपये के कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक सौंपे। इससे पहले दिन में, उन्होंने 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित नव विकसित डॉ.बी.आर. अंबेडकर चिल्ड्रन पार्क का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य व्यापार संवर्धन निगम के अध्यक्ष अयिता प्रकाश रेड्डी, कुडा के अध्यक्ष इनागला वेंकटराम रेड्डी, जिला कलेक्टर राहुल शर्मा, उपजिलाधिकारी मयंक सिंह, स्थानीय निकायों के लिए अतिरिक्त कलेक्टर विजयलक्ष्मी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

मतदाता सूची से हटाया गया वेमुलावाड़ा के पूर्व विधायक का नाम

राजन्ना-सिरसिल्ला, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा के पूर्व विधायक चेन्नामनेनी रमेश बाबू का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। राजस्व अधिकारियों ने गुरुवार को वेमुलावाड़ा में उनके आवास पर इस आशय का नोटिस चिपकाया। यह कार्रवाई हाल ही में उच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद की गई है जिसमें कहा गया था कि रमेश बाबू के पास जर्मन नागरिकता है। 2010 में तत्कालीन विधायक आदि श्रीनिवास ने अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि रमेश बाबू ने धोखाधड़ी से भारतीय नागरिकता प्राप्त करके विधायक के रूप में चुनाव जीता था। उच्च न्यायालय ने अपने नवीनतम फैसले में पुष्टि की कि रमेश बाबू एक जर्मन नागरिक थे। अदालत के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने फॉर्म-7 के तहत एक नोटिस जारी कर पूर्व विधायक का नाम मतदाता सूची से हटा दिया और इसकी एक प्रति वेमुलावाड़ा स्थित उनके घर पर चिपका दी।

राज्यपाल ने भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव के चित्र का अनावरण किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को यहां राजभवन में उनके चित्र का अनावरण किया। इस अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल ने पी.वी. नरसिम्हा राव की विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें भारत के आधुनिक इतिहास में एक परिवर्तनकारी व्यक्ति बताया। उन्होंने आर्थिक उदारीकरण, विदेश नीति को मजबूत करने और शिक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने में राव के अग्रणी योगदान की सराहना की। उन्हें एक राजनेता-विद्वान के रूप में याद करते हुए राज्यपाल ने उनकी बौद्धिक क्षमता, प्रशासनिक कौशल और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने यह भी घोषणा की कि 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर राजभवन में एक अन्य दिग्गज राष्ट्रीय नेता अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण किया जाएगा। इस पवित्र और गौरवपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए कारगिल युद्ध के दिग्गजों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष समारोह भी आयोजित किया जाएगा। राव के चित्र के जुड़ने से, राजभवन-जो पहले से ही महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और हैदराबाद के अंतिम निजाम मीर उस्मान अली खान के चित्रों से सुशोभित है-भारत के विविध और प्रतिष्ठित नेतृत्व के प्रतिनिधित्व में और गहराई प्राप्त करता है। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, वरिष्ठ अधिकारी और राजभवन के कर्मचारी शामिल हुए।

कालेश्वरम पर बयानबाजी बंद करे कांग्रेस : हरीश राव

सिंचाई परियोजनाओं की उपेक्षा को लेकर हरीश राव ने की सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) पर झूठी बयानबाजी बंद करने और इसके बजाय मौजूदा सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने लापरवाही और कुप्रबंधन के माध्यम से तेलंगाना के सिंचाई क्षेत्र को संकट में डालने के लिए कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराया।

उन्होंने कहा कि मात्र 18 महीनों में राज्य भर में प्रमुख सिंचाई संरचनाओं को खराब रखरखाव के कारण गंभीर क्षति हुई है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर मौजूदा परियोजनाओं को बनाए रखने और नई परियोजनाओं की योजना बनाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने बयान के समर्थन में कई घटनाओं का हवाला दिया, जिसमें खम्मम में पेड्डावगु दरार, मंजीरा बैराज के खंभों में दरारें, नलगोंडा में सुनकीशाला रिटेनिंग वॉल का गिरना,

महबूबनगर में वट्टेम पंप हाउस में बाढ़, एसएलबीसी सुरंग का गिरना और गडवाल में जुराला परियोजना में गेट केबल का टूटना शामिल है।

उन्होंने कहा, ये प्राकृतिक आपदाएं नहीं हैं, बल्कि नियमित रखरखाव कार्य करने में इस सरकार की अक्षमता के कारण मानव निर्मित विफलताएं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह बताने की मांग की कि बार-बार ऐसी घटनाएं होने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। बीआरएस विधायक ने राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिसने मेदिगड्डा बैराज मुद्दे पर तेजी से प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन अन्य जगहों पर इसी तरह की गंभीर चूक के बावजूद निष्क्रिय रहा। उन्होंने मेदिगड्डा बैराज पर राजनीतिक बयानबाजी में शामिल होने और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के नियमित रखरखाव और प्रबंधन की उपेक्षा करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासन में एक भी चेक डैम, टैंक या नया अयाकट नहीं बनाया गया। आपने छह लाख एकड़ में सिंचाई का वादा किया था, लेकिन पिछले 18 महीनों में 6,000 एकड़ भी सिंचाई नहीं हो पाई है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को राजनीतिक लाभ के लिए सिंचाई के बुनियादी ढांचे की अनदेखी जारी रखने के खिलाफ चेतावनी दी।

जुलाई में चलाया जाएगा ऑपरेशन मुस्कान : चारु सिन्हा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महीने का राष्ट्रीय कार्यक्रम ऑपरेशन मुस्कान-XI, जिसका उद्देश्य लापता, अनाथ और तस्करी किए गए बच्चों की पहचान, बचाव और पुनर्वास करना है। 1 जुलाई से 31 जुलाई, 2025 तक तेलंगाना में चलाया जाएगा। इस अभियान का नेतृत्व नोडल एजेंसी के रूप में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, महिला सुरक्षा, चारु सिन्हा कर रही हैं। राज्य भर में कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए 706 पुलिस कर्मियों वाली 121 उप-विभागीय पुलिस टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें महिला विकास और बाल कल्याण विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला बाल कल्याण इकाइयों, बाल कल्याण समितियों और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय में काम करेंगी। उचित कामकाज और समन्वय के लिए, शुक्रवार 19 जून को हैदराबाद के सीआईडी कॉन्फ्रेंस हॉल में अतिरिक्त डीजीपी चारु सिन्हा की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय ऑनलाइन अभिसरण बैठक आयोजित की गई। बैठक में तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, तेलंगाना कानूनी सेवा प्राधिकरण, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, बाल गृह, सेल, बाल संरक्षण विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय न्याय मिशन, दिव्य दिशा, माई चॉइस फाउंडेशन, विशेष किशोर पुलिस इकाइयां, मानव तस्करी विरोधी दल, उप-विभागीय मुस्कान दल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बाल संरक्षण और पुनर्वास के संबंध में अंतर-एजेंसी समन्वय, बचाव प्रोटोकॉल, कानूनी पुनर्वास प्रक्रिया, डेटा प्रबंधन आदि जैसे मुद्दों की जांच की गई।

भीख मांगने के खिलाफ जीएचएमसी का अभियान

221 बेघरों को किया गया स्थानांतरित

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की शहरी सामुदायिक विकास शाखा ने एक विशेष अभियान चलाया और ट्रैफिक जंक्शनों पर 221 बेघर लोगों की पहचान की। उनमें से कुछ को रैन बसेरों में भेज दिया गया, जबकि कुछ को उनके गृह नगर वापस भेज दिया गया। इस अभियान का उद्देश्य हैदराबाद को भिखारी मुक्त शहर बनाना था। अभियान के तहत, यूसीडी विंग के अधिकारियों ने बशीरबाग, नामपल्ली, सचिवालय और बेगम बाजार में यातायात जंक्शनों और फुटपाथों का दौरा किया और बेघर लोगों की पहचान की। अधिकारियों ने बेघर लोगों को शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थित रात्रि आश्रयों में स्थानांतरित कर दिया। जो लोग शहर में पलायन कर गए थे और भीख मांग रहे थे, उन्हें परामर्श देने के बाद उनके गृह नगर भेज दिया गया। जीएचएमसी यूसीडी विंग की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार उनमें से 19 लोगों को रैन बसेरों में भेज दिया गया और बाकी लोगों को काउंसलिंग के बाद उनके गृह नगर भेज दिया गया। शहर में यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दो महीने में दूसरी छात्रा ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज (टीएसआरडीसी) फॉर गर्ल्स की बीएससी (बीजेडसी) द्वितीय वर्ष की छात्रा, जो 24 जून की रात को कॉलेज के छात्रावास की इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश करने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई थी, ने शुक्रवार को एनआईएमएस-हैदराबाद में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। छात्रा की पहचान कुम्मारी स्वप्ना (19) के रूप में हुई है, जो शौचालय का उपयोग करने के बहाने अपने कमरे से बाहर निकली थी और फिर उसने यह कदम उठाया। वह कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के बेज्जुर मंडल के लक्ष्मण की बेटी थी।

पुलिस ने बताया कि गिरने से स्वप्ना को गंभीर चोटें आईं और उसे पहले मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाया गया। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे उन्नत उपचार के लिए हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। आत्महत्या के प्रयास के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है। दो महीने के भीतर इसी संस्थान से यह दूसरा ऐसा मामला सामने आया है। 24 अप्रैल को, लक्ष्मी प्रसन्ना (19), जो टीएसआरडीसी में द्वितीय वर्ष की डिग्री छात्रा थी, की इलाज के दौरान मौत हो गई, जब उसने कथित तौर पर छात्रावास की इमारत से छलांग लगा दी। उसकी मौत से लोगों में आक्रोश फैल गया था, उसके माता-पिता और परिवार के सदस्यों ने न्याय की मांग करते हुए धरना दिया था। प्रसन्ना भीमिनी मंडल के जगय्यापेट की रहने वाली थी।

अंतरंग वीडियो ऑनलाइन बेचने के आरोप में दंपत्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक मध्यम आयु वर्ग के जोड़े को (जो अपने निजी पलों को रिकॉर्ड करके वयस्क वेबसाइटों पर पोस्ट कर रहे थे और दर्शकों से पैसे वसूल रहे थे) अम्बरपेट पुलिस ने पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, कैब ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले इस व्यक्ति को अपनी कमाई अपर्याप्त लग रही थी। अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए, उसने और उसकी पत्नी ने घर पर अपने निजी पलों को रिकॉर्ड करने और कंटेंट को ऑनलाइन बेचने का फैसला किया।

इसके लिए उन्होंने अपने घर के पेंटहाउस में हाई-डेफिनिशन कैमरे लगवाए। रिकॉर्ड की गई सामग्री अपलोड करने के अलावा, दंपति ने दर्शकों को एक लिंक साझा किया और प्रति सत्र 2,000 से 3,000 रुपये के बीच शुल्क लिया। पुलिस को यह भी पता चला कि यह जोड़ा कई आपत्तिजनक सेवाएँ भी देता था। पिछले छह महीनों में जब उनका धंधा बढ़ गया, तो स्थानीय पुलिस को सूचना मिली और गुरुवार रात को घर पर छापा मारा गया। अम्बरपेट पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

आदिवासी लड़कियों की तस्करी में भूमिका के लिए कांस्टेबल बर्खास्त

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानव तस्करी रैकेट में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से एक पुलिस कांस्टेबल कामेरी हरिदास को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। गुरुवार रात पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने बर्खास्तगी का आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, मानव तस्करी मामले में भूमिका के कारण हरिदास को पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया गया है। 20 जून को पुलिस द्वारा मानव तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किए जाने के बाद हरिदास और पांच महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने जिले की दो आदिवासी लड़कियों को मध्य प्रदेश में सेक्स रैकेट चलाने वाले व्यक्तियों और आयोजकों को क्रमशः 1.30 लाख रुपये और 1.10 लाख रुपये में बेचने की बात स्वीकार की। हरिदास पर इससे पहले 2019 में मध्य प्रदेश में एक आदिवासी लड़की को बेचने का मामला दर्ज किया गया था और बाद में उसे ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था।

ऑनलाइन नौकरी घोटाले में व्यक्ति को 14 लाख रुपये का चूना

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 43 वर्षीय व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने घर से अंशकालिक काम करने का वादा करके 14 लाख रुपये की ठगी की। पीड़ित से व्हाट्सएप के ज़रिए एक धोखेबाज़ ने संपर्क किया था जिसने पार्ट-टाइम वर्क-फ्रॉम-होम जॉब की पेशकश की थी। इस जॉब के लिए पीड़ित को गूगल रिव्यू और फ़ीडबैक देना था, जिसके लिए उसे शुरूआत में कुछ पैसे मिले थे।

पीड़ित का विश्वास जीतने के बाद, जालसाजों ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश का मौका पेश किया, जिसमें उच्च रिटर्न का वादा किया गया। फिर पीड़ित को टेलीग्राम पर एक व्यक्ति से संपर्क करने का निर्देश दिया गया, जिसने नौकरी के विवरण और भुगतान प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। साइबर क्राइम अधिकारियों ने बताया, बाद में, टेलीग्राम आईडी का उपयोग करते हुए एक अन्य स्कैमर ने पीड़ित को एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने के लिए निर्देशित किया और उसे एक ऐसे ग्रुप में भी जोड़ा गया, जहां कई अन्य पीड़ित मौजूद थे। झूठे वादों और दबाव में आकर पीड़ित ने कुल 14 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कई चेतावनियों के बावजूद संरचनात्मक क्षति की उपेक्षा से खतरे में मंजीरा बांध

संगारेड्डी, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बांध सुरक्षा विशेषज्ञों की बार-बार चेतावनी और संरचनात्मक क्षति के स्पष्ट संकेतों के बावजूद, राज्य सरकार संगारेड्डी में मंजीरा बांध की तत्काल मरम्मत की सिफारिशों पर कार्रवाई करने में विफल रही है, जिससे पुरानी हो रही सिंचाई संरचना और उसके आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मंजीरा नदी पर करीब 47 साल पहले बने इस बांध का 22 मार्च को राज्य बांध सुरक्षा संगठन (एसडीएसओ) ने निरीक्षण किया था। टीम ने सिंचाई विभाग को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कई सुरक्षा मुद्दों को चिन्हित किया गया। हालांकि, आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि अभी तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

एसडीएसओ की रिपोर्ट के अनुसार, डाउनस्ट्रीम एप्रन को काफी नुकसान पहुंचा है, और प्लंज पूल भी खतरे में है। निरीक्षण दल ने चेतावनी दी है कि यदि बांध में ऊपर से भारी मात्रा में पानी आता है, तो क्षतिग्रस्त एप्रन का बचा हुआ हिस्सा बह सकता है, जिससे पूरी संरचना को खतरा हो सकता है। स्पिलवे और गेटों को मामूली नुकसान के कारण लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। खंभों सहित विभिन्न खंडों में दरारें पड़ गई हैं। समस्या को और जटिल बनाने के लिए मिट्टी के बांध खंड पर बड़े पेड़ों की अनियंत्रित वृद्धि है, जहां सफाई अभियान रोक दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि ये पेड़ बांध की संरचनात्मक अखंडता को खतरा पहुंचाते हैं।

एसडीएसओ ने तत्काल रखरखाव और सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला की सिफारिश की। फिर भी, रिपोर्ट दाखिल होने के महीनों बाद भी, सरकार ने न तो सार्वजनिक रूप से निष्कर्षों को स्वीकार किया है और न ही कोई मरम्मत कार्य शुरू किया है। 1.5 टीएमसी फीट की भंडारण क्षमता वाली मंजीरा परियोजना कभी हैदराबाद, रंगारेड्डी, संगारेड्डी और मेडक जिले के कुछ हिस्सों के लिए पीने के पानी का एक प्रमुख स्रोत थी। इस साइट का पारिस्थितिकी महत्व भी है, इसे वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया है, जो लगभग 300 पक्षी प्रजातियों और 700 से अधिक मगर मगरमच्छों का घर है। कभी एक महत्वपूर्ण प्रजनन केंद्र रहा यह वर्तमान में तेलंगाना के पहले रामसर वेटलैंड साइट के रूप में विचाराधीन है।

2024 में कई बार साइट का दौरा करने वाले विशेषज्ञों ने तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि सरकार की निरंतर निष्क्रियता से एक प्रबंधनीय स्थिति के संभावित आपदा में बदलने का खतरा है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

युवकों की मौत से परिवार में कोहराम

पेद्दापल्ली, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली मंडल के अप्पन्नापेट के बाहरी इलाके में गुरुवार देर रात एक हिट-एंड-रन दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। गोदावरीखानी निवासी चकरी (25) और श्याम (24) एक अस्पताल में इलाज करा रहे अपने दोस्त से मिलने मोटरसाइकिल से पेद्दापल्ली गए थे और जब यह घटना हुई तब वे घर लौट रहे थे। जैसे ही वे अप्पन्नापेट के पास पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पेद्दापल्ली अस्पताल भेज दिया गया है। वाहन की पहचान और चालक का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी फटने से बुजुर्ग महिला की मौत

अमरावती, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में शुक्रवार को एक 62 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जब वह अपने घर के अंदर इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन को चार्ज कर रही थी, तभी उसकी बैटरी फट गई। यह घटना येरगुंटला मंडल के पोटलादुर्थी गांव में हुई, जहां स्कूटी को चार्ज पर छोड़ दिया गया था, जबकि पीड़ित, जिसकी पहचान वेंकट लक्ष्मम्मा के रूप में हुई, पास के सोफे पर सो रही थी। विस्फोट के कारण लक्ष्मम्मा को तुरंत चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

विस्फोट के बाद वाहन में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया, साथ ही कुछ घरेलू सामान भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी है। लक्ष्मम्मा के शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रोद्दुतुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हाल के वर्षों में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी बैटरी विस्फोट की ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं। अकेले 2022 में, ई-बाइक, घरों, शोरूम और यहां तक कि एक होटल में आग लगने की करीब आठ घटनाएं बैटरी विस्फोट के कारण हुईं, जिनमें दस लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। लगभग सभी घटनाएं तब हुईं जब वाहन चार्ज हो रहे थे, और ऐसा संदेह है कि ओवरचार्जिंग के कारण ऐसा हुआ।

इनमें से सबसे भयानक घटना सितंबर 2022 में हैदराबाद में हुई थी, जब कथित तौर पर ओवरचार्जिंग के कारण शॉर्ट सर्किट के कारण एक बिल्डिंग के तहखाने में स्थित ई-बाइक शोरूम में आग लग गई, जो ऊपर के एक होटल तक फैल गई और आठ लोगों की जान ले ली। अक्टूबर 2022 में, पालकोंडा शहर के पार्वतीपुरम जिले के एक शोरूम में भीषण आग लगने से 36 इलेक्ट्रिक बाइकें जलकर खाक हो गईं।

नवंबर 2024 में, जगित्याल जिले के एक घर में बैटरी फटने से तीन महीने पुराने इलेक्ट्रिक स्कूटर के मालिक घायल हो गए। और अप्रैल 2022 में, कोटाकोंडा शिव कुमार (40) की मौत हो गई और उनकी पत्नी और दो बच्चे जल गए जब उनके विजयवाड़ा स्थित घर में नई खरीदी गई स्कूटी की बैटरी फट गई। यह घटना एक दिन बाद तेलंगाना के निज़ामाबाद जिले में एक और घातक विस्फोट में हुई जिसमें एक 80 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जबकि एक ई-टू-व्हीलर चार्ज करते समय यह घटना हुई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.